डिजिटल लुटेरा : यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग - 12

कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा 5.14 लाख करोड़ डूबे - 12

विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस - 13

टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका : सूर्यकुमार - 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.26
सूर्यास्त 06.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी 06:29 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 12 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 15, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आदि कैलाश यात्रा 8 मई से होगी प्रारंभ

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी में भगवान शिव के धाम की प्रसिद्ध आदि कैलाश यात्रा इस वर्ष आठ मई को प्रदेश के तीन स्थानों से शुरू होगी। यात्रा की नोडल एजेंसी केएमवीएन के महाप्रबंधक विजयनाथ शुक्ला ने बताया कि हल्द्वानी, टनकपुर और धारचूला से श्रद्धालुओं के 15 जत्थे आदि कैलाश की यात्रा करेंगे।

हल्द्वानी से होने वाली आदि कैलाश यात्रा आठ दिन की होगी जबकि टनकपुर से छह दिन और धारचूला से यात्रा पांच दिन में संपन्न होगी। शुक्ला ने बताया कि यात्रा का पहला चरण 10 जून को समाप्त होगा। वर्ष 1981 में कैलाश मानसरोवर यात्रा के बहाल होने के साथ ही शुरू हुई आदि कैलाश यात्रा को 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रमण से बहुत बढ़ावा मिला। अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री के आने से पहले हर साल करीब 2000 श्रद्धालु आदि कैलाश यात्रा पर आते थे जबकि 2023 में मोदी के यहां आने के बाद तीर्थयात्रियों की संख्या 28,000 पहुंच गई और पिछले साल यह आंकड़ा 36,000 को पार कर गया।

विकास, सुशासन, जनकल्याण के विकल्प रहित संकल्प के साथ सरकार

राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रखा विकास कार्यों का लेखा जोखा

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण (भराडीसैंण) में स्थित विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए सरकार की उपलब्धियों, नीतियों और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ''विकल्प रहित संकल्प'' के साथ उत्तराखंड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

सदन में विकास कार्यों का लेखा जोखा रखते नेता सदन पुष्कर सिंह धामी।

नेता सदन/मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन की शुरुआत देवभूमि के देवी-देवताओं, देश के लिए बलिदान देने वाले शहीदों और उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले आंदोलनकारियों के त्याग और संघर्ष के कारण ही आज उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के लिए गैरसैंण केवल भौगोलिक स्थान नहीं बल्कि ये पहाड़ की आकांक्षाओं, उम्मीदों और स्वाभिमान का प्रतीक है। गैरसैंण उस संकल्प का प्रतीक है जिसके लिए उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन चला था। इसलिए सरकार ने अपने कार्यकाल में न केवल गैरसैंण को अपने हृदय में बसाए रखा, बल्कि ये भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि हमारी सरकार की प्रत्येक रीति और नीति में गैरसैंण की छाप हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के गठन का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है, जिन्होंने इस राज्य की नींव रखी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य को नई दिशा और गति मिल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2021 में बाबा केदार की पावन धरा से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। राज्य सरकार इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने में जुटी है।

ऐतिहासिक बजट, विकास का रोडमैप : धामी

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस बार प्रस्तुत बजट कई मायनों में ऐतिहासिक है। यह वर्तमान विधानसभा का अंतिम पूर्णकालिक बजट होने के साथ-साथ राज्य के आगामी विकास की दिशा तय करने वाला दस्तावेज भी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट का आकार 1 लाख 11 हजार करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। यह बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं है, बल्कि राज्य के सवा करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतिबिंब है। बजट में मातृशक्ति के सम्मान, युवाओं के उत्थान, किसानों के कल्याण, विज्ञान एवं नवाचार के विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पर्यटन के विस्तार जैसे सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास का प्रयास किया गया है।

ब्रीफ न्यूज

गेन बिटकॉइन घोटाला मामले में आयुष वार्ष्णेय को किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने 20,000 करोड़ रुपये के गेन बिटकॉइन मुद्रा घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल एवं डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने वार्ष्णेय के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया था। वार्ष्णेय को सोमवार को देश से भागने की कोशिश करते समय मुंबई हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया। उसे मंगलवार को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई के अनुसार, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल बुनियादी ढांचे को डिजाइन और विकसित किया था जो कथित फर्जी उद्यम गेन बिटकॉइन के परिचालन की रीढ़ था।

जयशंकर और लावरोव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

मॉस्को। भारत और रूस के विदेश मंत्रियों, क्रमश: एस. जयशंकर एवं सर्गेई लावरोव ने बुधवार को टेलीफोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। रूस के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों मंत्रियों ने ईरान को लेकर स्थिति पर अपने विचार साझा किए और इसे शीघ्र ही स्थिति सामान्य होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्थिति को शांत करने और सभी पक्षों के वैध हितों के संतुलन पर आधारित स्थायी समाधान प्राप्त करने की परिस्थितियों के निर्माण में एससीओ और ब्रिक्स की भूमिका का समर्थन करने पर भी जोर दिया।

टेलीग्राम को 3,100 से अधिक चैनल निष्क्रिय करने के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को त्वरित संदेश मंच टेलीग्राम को कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करने वाले 3,100 से अधिक चैनल को तीन घंटे के भीतर निष्क्रिय करने का निर्देश दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह पाया था कि इन चैनल पर कुछ सामग्री मालिकों, ओटीटी मंचों और निर्माताओं के स्वामित्व वाले या उनके लाइसेंस-प्राप्त कार्यक्रमों को बिना कानूनी अनुमति के साझा और वितरित की जा रही थीं।

ईरान का बड़ा वार, होर्मुज में समुद्री पोतों व खाड़ी में हवाई अड्डे व तेल क्षेत्र पर दागे ड्रोन

ट्रंप बोले- ईरान से जंग जल्द खत्म होगी, हमने सब तबाह कर दिया, हमले के लिए कुछ नहीं बचा

दुबई, एजेंसी

ईरान ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट बढ़ने और तेल-समृद्ध क्षेत्र पर दबाव बनाने के अपने अभियान को तेज करते हुए फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया व दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाने के साथ खाड़ी देशों के तेल क्षेत्र को निशाना बनाया। ईरान के दो ड्रोन दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरे। इस हमले में चार लोग घायल हुए हालांकि उड़ान परिचालन जारी रहा। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जंग जल्द खत्म होगी क्योंकि हमने सब तबाह कर दिया है। अब वहां हमला करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पश्चिम एशिया में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने की कवायद शुरू करने की घोषणा की। इससे विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब और बहरीन द्वीप समूह खतरे में पड़ सकते हैं। ईरान ने इजराइल पर सबसे बड़ा हमला कर अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। साथ ही धमकी दी है कि वह अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बनाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री पोत में लगी आग।

- भारत आ रहे थाई पोत पर हमला, ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर का रेस्क्यू किया, 3 लापता
- ईरान ने इजराइल पर किए बड़े हमले, अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं
- ईरान इजराइल में स्थित अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी बना सकता है निशाना

चीन बोला- हम खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं

चीन ने कहा है कि वह खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं है। ऐसे हमलों में आम लोगों और गैर-सैन्य जगहों को नुकसान पहुंच रहा है, जो ठीक नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नागरिकों और जरूरी इमारतों को निशाना बनाना गलत है और इससे इलाके में तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि चीन ने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया।

इससे पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के तट पर थाइलैंड के एक मालवाहक जहाज पर एक मिसाइल गिरी, जिससे पोत में आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह पोत भारत आ रहा था। थाइलैंड के समुद्री विभाग के अनुसार, ओमान की नौसेना द्वारा 20 लोगों को बचाए जाने के बाद अधिकारी मयूरी नारी जहाज पर तैनात चालक दल के तीन लापता सदस्यों की तलाश कर रहे हैं। ईरान ने इस संकरे जलडमरूमध्य में माल ढुलाई को लगभग पूरी तरह रोक दिया है।

778 नाविकों के साथ 28 भारतीय जहाज फंसे

नई दिल्ली। फारस की खाड़ी में 28 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं, जिन पर 778 नाविक सवार हैं। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इनमें से 24 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में 677 नाविकों के साथ मौजूद हैं, जबकि चार जहाज चालक दल के 101 सदस्यों के साथ पूर्वी भाग में हैं। सिन्हा ने कहा, हम सभी जहाजों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं। पोत परिवहन महानिदेशालय ने भारतीय ध्वज वाले सभी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा उपायों को अपनाने सहित 'रिपोर्टिंग प्रोटोकॉल' का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

दो भारतीयों की मौत एक लापता : जायसवाल

नई दिल्ली। युद्ध के दौरान वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हो गई और एक लापता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यह जानकारी दी। कहा कि भारत खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है।

बिरला के खिलाफ प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

सदन में शाह बोले- राहुल गांधी सदन में बोलना नहीं चाहते या उन्हें नियमानुसार बोलना नहीं आता

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- जो नियम से नहीं चलेंगे, उनका माइक बंद होगा, ये सदन मेला नहीं
- लोकसभा में विपक्ष पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह का जोरदार प्रहार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आचरण और सदन की कार्यवाही में उनकी भागीदारी पर तीखी टिप्पणियां करते हुए बुधवार को विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्हें निचले सदन में बोलने नहीं दिया जाता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा, आप प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रस्ताव लाइए। हम मुद्दों पर जवाब देंगे। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव को मैं सामान्य बात नहीं मानता।

शाह के भाषण के बाद, सदन ने ध्वनिमत से विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता का यह आरोप सही नहीं है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। नेता प्रतिपक्ष की पार्टी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव लाई, उस पर भी वह नहीं बोले। वह बोलना ही नहीं चाहते। बोलना चाहते हैं तो नियमानुसार बोलना नहीं आता। यह कोई सभा (रैली) नहीं है, यहां नियमानुसार बोलना होता है। गृह मंत्री ने बिरला के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह बहुत अफसोसजनक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, जब सदन के मुखिया की निष्ठा पर सवाल उठाया जाता है तो दुनिया

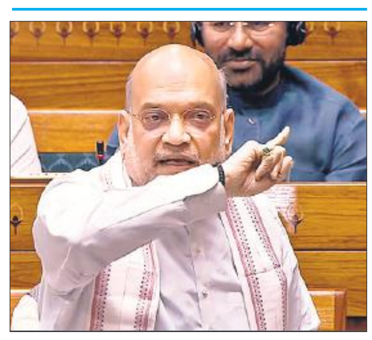

में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख पर सवाल खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा, जब आप सदन के संचालन के नियमों को नजरअंदाज करेंगे तो अध्यक्ष का दायित्व है कि ऐसे सदस्य को रोकें, टोकें और बाहर निकाल दें। शाह ने कहा कि भाजपा और राजग के विपक्ष में रहते अध्यक्ष के खिलाफ कभी अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया गया और हमने हमेशा रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम किया। शाह ने कहा, जो नियमानुसार नहीं चलेगा, उसका माइक बंद हो ही जाएगा, बंद हो ही जाना चाहिए।

थाइलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला, नोज गियर टूटा

मुंबई। एयर इंडिया एक्सप्रेस के बोइंग 737 मैक्स विमान ने बुधवार को थाईलैंड के फुकेट हवाई अड्डे पर हार्ड लैंडिंग की जिससे उसके आगे के दोनों पहिए अलग हो गए और नोज गियर टूट गया। विमान ने हैदराबाद से फुकेट के लिए उड़ान भरी थी।

एक अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल भवन ले जाया गया और कोई घायल नहीं हुआ है। बोइंग 737-मैक्स 8 में सवार

- फुकेट हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में कराई गई हार्ड लैंडिंग 133 लोग थे सवार

यात्रियों की संख्या का तुरंत पता नहीं लगाया जा सका। रनवे पर विमान के फंसे होने के कारण हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और विमान को खींचकर बे (हवाई अड्डे का वह हिस्सा जहां विमान को खड़ा किया जाता है) की ओर ले जाया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि फुकेट हवाई अड्डे पर विमान के आगे के पहिए में खराबी आ गई थी और चालक दल ने सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन किया व यात्रियों को विमान से उतार लिया गया।

ऊर्जा संकट पर मोदी बोले- अफवाहों पर मत दें ध्यान

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान न दें और आग्रह किया कि केवल सत्यापित जानकारी ही प्रसारित की जाए।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी देशभर में होटल उद्योग को प्रभावित करने वाली व्यावसायिक एलपीजी की कमी और इस मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना

के साथ-साथ आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की संभावित किल्लत या कीमतों में उछाल की आशंकाओं के बीच आई है। मोदी ने यहां राजग की

- पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा पर प्रधानमंत्री ने की अपील

एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में द्रमुक शासन की भी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए।

उन्होंने कहा, मैं लोगों से अपील करना चाहूंगा कि हम केवल सही और सत्यापित जानकारी ही फैलाएं। जाहिर तौर पर उनका इशारा खाड़ी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण आपूर्ति में व्यवधान से उत्पन्न एलपीजी संकट की ओर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि हमारी सरकार हमेशा भारत के हितों को सर्वोपरि रखती है। मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि एक राष्ट्र के रूप में हम हर परिस्थिति का सफलतापूर्वक सामना करेंगे।

शोरूम का जीएम 90 लाख के हीरे-जवाहरात लेकर फरार

संवाददाता, हल्द्वानी

- ऑडिट में स्वर्णिका ज्वैलर्स में कम मिला हीरे-जवाहरात का स्टॉक

अमृत विचार: कंपनी ने जिसे शोरूम चलाने का जिम्मा सौंपा वो ही शोरूम से हीरे-जवाहरात पार करने लगा। कंपनी के ऑडिट में करीब 90 लाख रुपए के हीरे-जवाहरात गायब मिले। पुलिस ने केस दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

स्वर्णिका ज्वैलर्स के एमडी रुद्रपुर निवासी नागेंद्र चंद्र भट्ट ने हल्द्वानी कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उनकी कंपनी अक्यूफॉक्स एंटरप्राइजेज ज्वैलरी शोरूम चलाती है। हल्द्वानी शोरूम में हल्द्वानी निवासी तरुण जैन जीएम के पद पर कार्यरत था और कंपनी के गोल्ड व डायमंड के लेन-देन व निगरानी का प्रभारी था। कंपनी ने बीती 24 फरवरी से 28 फरवरी तक स्टॉक ऑडिट कराया तो करीब 90 लाख की गोल्ड व डायमंड ज्वैलरी कम मिली।

उधर, छुट्टी से शोरूम लौटे तरुण को पता चला कि इसकी भनक कंपनी को लग चुकी है। 5 मार्च को तरुण किसी ग्राहक से मिलने की बात कहकर शोरूम से निकला लेकिन फिर लौटा नहीं।

एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि तहरीर के आधार पर अभियोग दर्ज कर लिया है। तरुण के पास दो मोबाइल नंबर हैं और दोनों स्विच ऑफ हैं। सर्विलांस के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है।

एनसीईआरटी पुस्तक विवाद सुप्रीम कोर्ट ने 8वीं की सामाजिक विज्ञान की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पाठ्यक्रम शामिल करने के मामले में दिए सख्त निर्देश

संबंधित लेखकों से खुद को अलग करें केंद्र और राज्य

- विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने बुधवार को निर्देश दिया कि केंद्र व राज्य सरकारें एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की किताब में विवादास्पद अध्याय तैयार करने में शामिल तीन विशेषज्ञों से अपना संबंध तोड़ लें।

कोर्ट ने इस अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर आपत्तिजनक सामग्री शामिल किए जाने को लेकर यह सख्ती बरती है। न्यायालय ने

केंद्र सरकार को एक सप्ताह के भीतर विषय-विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया, ताकि एनसीईआरटी की कानूनी अध्ययन की पाठ्यचर्या को अंतिम रूप दिया जा सके, जो केवल आठवीं कक्षा ही नहीं, बल्कि उच्च कक्षाओं के लिए भी लागू होगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया गया कि यह अध्याय प्रोफेसर मिशेल डैनिनो की अध्यक्षता में बनी पाठ्यपुस्तक विकास टीम द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार सदस्य के रूप में शामिल थे। इस पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। पीठ ने कहा, प्रारंभ में हमारे पास यह संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि प्रोफेसर मिशेल व उनके सहयोगी सुपर्णा तथा आलोक को भारतीय न्यायपालिका के बारे में उचित और पर्याप्त जानकारी नहीं है और/या उन्होंने जानबूझकर तथा सोच-समझकर तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है, ताकि छात्रों के सामने कोर्ट की नकारात्मक छवि पेश की जा सके। विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश दिए।

पीठ का सरकार से ऐसे वेबसाइट व उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों का विवरण मांगा

पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एनएसटीसी) की संरचना पर भी फिर से विचार करना चाहिए, विशेष रूप से उन लोगों के संबंध में, जिनके साथ पाठ्यपुस्तक विकास टीम के सदस्यों द्वारा विवादित अध्याय को डिजिटल रूप से साझा किया गया था। अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि 26 फरवरी को इस मामले में आदेश पारित करने के बाद तथाकथित सोशल मीडिया पर कुछ तत्वों ने गैर-जिम्मेदाराना ढंग से कार्रवाई और प्रतिक्रियाएं दीं। पीठ ने कहा, हम दृढ़ता से मानते हैं कि समस्या का सीधे सामना किया जाना चाहिए। इसलिए हम भारत सरकार को निर्देश देते हैं कि ऐसे वेबसाइट और उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करे और उनका पूरा विवरण हमें उपलब्ध कराए, ताकि हम उचित कार्रवाई कर सकें।

अमृत विचार
हल्द्वानी, गुरुवार, 12 मार्च 2026
उत्तराखंड

स्टेट ब्रीफ

सर्वे रिपोर्ट पक्षकारों को देने के निर्देश

नैनीताल : हाईकोर्ट ने उत्तरकाशी जिले के मोरी क्षेत्र स्थित जखोल ग्राम के पौराणिक सोमेश्वर महादेव मंदिर की मरम्मत को लेकर दायर जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए सर्वे ऑफ इंडिया को अपनी जांच रिपोर्ट की प्रति सभी पक्षकारों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 18 मार्च की तिथि निर्धारित की है। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान यह निर्देश जारी किए।

वीसी की नियुक्ति मामले में फैसला सुरक्षित

नैनीताल : हाईकोर्ट ने एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विवि के कुलपति की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया। मामले में प्रो. नवीन प्रकाश नौटियाल ने जनहित याचिका दायर कर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह की नियुक्ति को निरस्त करने की मांग की है।

विपक्ष ने बताया निराशाजनक

देहरादून : राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने इसे दिशाहीन और निराशाजनक बताते हुए इसका विरोध किया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित सभी विपक्षी सदस्यों ने अभिभाषण का विरोध दर्ज कराया।

विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता: धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा-उनकी सरकार केवल घोषणा नहीं करती समयबद्ध तरीके से पूरा भी करती है, देर रात तक सदन में कई विधेयक पारित

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण (भराडीसैंण) में स्थित विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए विपक्ष के आरोपों का ठोस और स्पष्ट तरीके से जवाब दिया।

नेता सदन ने कहा कि उनकी सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा भी करती है। उन्होंने बताया कि मुख्यसेवक के रूप में की गई 3885 घोषणाओं में से 2408 घोषणाओं को धरातल पर उतारा जा चुका है और शेष पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं बल्कि उन्हें परिणामों में बदलना है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा : मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है इसलिए धार्मिक, साहसिक, ईको-टूरिज्म और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केदारखंड और मानसखंड मंदिरों के विकास, शीतकालीन यात्रा, फिल्म पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से राज्य की पहचान वैश्विक स्तर पर मजबूत हो रही है।

विकसित उत्तराखंड का लक्ष्य : मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करते हुए उत्तराखंड का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार का विकल्प रहित संकल्प है कि अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे, युवाओं को रोजगार मिले, किसानों की आय बढ़े और उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जनता के सहयोग और सरकार की प्रतिबद्धता के बल पर उत्तराखंड आने वाले वर्षों में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर संबोधन देते नेता सदन धामी।

आर्थिक प्रगति में तेजी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राज्य की जीएसडीपी में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और प्रति व्यक्ति आय में लगभग 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य बजट का आकार भी 60 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1 लाख 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसके साथ ही निवेश, उद्योग और पर्यटन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी में बड़ा निवेश

सीएम ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में लगभग दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क, रेल, रोपवे और हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए कई परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना और कई रोपवे परियोजनाएं राज्य के विकास को नई गति देंगी।

रोजगार और उद्योगों को बढ़ावा

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार ने रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए 30 से अधिक नई नीतियां लागू की हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं और स्टार्टअप की संख्या 700 से बढ़कर लगभग 1750 हो गई है। उन्होंने कहा कि पर्यटन, होटल और होमस्टे क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। हेली सेवाओं और हेलीपोर्ट की संख्या बढ़ने से भी पर्यटन और कनेक्टिविटी को नई गति मिली है।

नकल माफिया और भ्रष्टाचार पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने राज्य में नकल माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है, जिसके बाद भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। पिछले साढ़े चार वर्षों में 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार के मामलों में आईएएस और पीसीएस स्तर के अधिकारियों सहित 200 से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

यूसीसी और ऐतिहासिक निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कई ऐतिहासिक और दूरगामी निर्णय लिए हैं। उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जहां समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की गई है। इस कानून के माध्यम से महिलाओं को समान अधिकार मिले हैं और समाज में समानता तथा न्याय की भावना को मजबूती मिली है। सरकार ने राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने के लिए सख्त भू-कानून और धर्मांतरण विरोधी कानून जैसे कदम भी उठाए हैं।

किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। किसानों को तीन लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है और कृषि उपकरणों पर 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं और प्रदेश की करीब 1 लाख 70 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देने की कई योजनाएं लागू की हैं।

प्रदेश के हर ब्लॉक में बनेंगे मिनी स्टेडियम

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- खेलभूमि उत्तराखंड में जमीनी स्तर पर सुविधाओं के विस्तार के लिए ठोस कदम
- नेता सदन पुष्कर सिंह धामी ने दी सदन को जानकारी

अमृत विचार: 38 वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य आयोजन के बाद प्रदेश की धामी सरकार जमीनी स्तर पर खेल सुविधाओं के और विस्तार में जुट गई है। इस क्रम में प्रदेश के हर ब्लॉक में अब मिनी स्टेडियमों का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को बजट सत्र के तीसरे दिन सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर ब्लॉक में मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में प्रावधान किया गया है। वर्ष 2025 में उत्तराखंड ने न सिर्फ 38 वें राष्ट्रीय खेलों की सफल मेजबानी की थी, बल्कि 103 पदक जीतकर इस स्तर के आयोजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया था। इस आयोजन ने उत्तराखंड को खेलभूमि के रूप में भी पहचान दी। इस आयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर का आधारभूत खेल ढांचा विकसित किया गया। लेगेसी पॉलिसी बनाकर सरकार ने इस खेल ढांचे का इस्तेमाल एकेडमी के तौर पर करने का निर्णय लिया है ताकि खेल प्रतिभाओं को उचित प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। इस संबंध में शासन स्तर पर कार्यवाही चल रही है। अब वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में हर ब्लॉक में मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए प्रावधान कर दिए जाने को भी अहम माना जा रहा है। बुधवार को प्रश्नकाल में जब खेल मंत्री रेखा आर्या पर्वतीय क्षेत्रों में खेल मैदान और मिनी स्टेडियम से संबंधित सवाल का जवाब दे रही थीं, तब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन को यह अहम जानकारी दी। खेल मंत्री के अनुसार-पर्वतीय क्षेत्र में मिनी स्टेडियम के लिए 1.18 एकड़ भूमि की आवश्यकता होती है। इसके निर्माण के लिए एक करोड़ 70 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान है।

देवतत्व संवारने के लिए बजट में आवंटन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- धार्मिक, सांस्कृतिक धरोहरों के सरंक्षण एवं संवर्धन पर जोर
- बजट में हरिद्वार कुंभ सहित कई परियोजनाओं को बजट आवंटन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देवभूमि उत्तराखंड के 'देवतत्व' को संवारने के लिए प्रयासरत हैं। इसी दिशा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी हरिद्वार कुंभ, हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर, नंदा देवी राजजात, सरयू रिवर फ्रंट सहित कई परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन किया गया है।

गंगा, यमुना, चारधाम, आदि कैलाश और कई शक्ति पीठों की पुण्य भूमि होने के कारण, उत्तराखंड दुनिया भर के सनातन मतावलंबियों की आस्था का केंद्र रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार, उत्तराखंड को धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटन-तीर्थाटन के प्रमुख केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है। इससे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आने की उम्मीद है। बद्रीनाथ-केदारनाथ पुनर्निर्माण परियोजना के साथ ही सरकार पहले ही मानसखंड मंदिर माला के तहत 48 मंदिरों के आसपास अवस्थापना विकास के कार्य प्रारंभ कर चुकी है। अब इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी ऐसी कई योजनाओं के लिए धनावंटन किया है।

कुंभ और गंगा कॉरिडोर : प्रदेश सरकार ने बजट में हरिद्वार कुंभ मेला के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्राविधान किया है। इसके साथ ही हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत दो हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह आगामी नंदा देवी राजजात के लिए 25 करोड़ रुपए का प्राविधान किया गया है।

रिवर फ्रंट परियोजनाएं

धामी सरकार ने सरयू और अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं के साथ ही हरिपुर कालसी में यमुना घाट के लिए भी बजट का प्राविधान किया है। इसी तरह स्प्रिचुअल इकोनॉमी जोन के लिए 10 करोड़ का प्राविधान किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने संस्कृत पाठशालाओं के अनुदान के लिए 28 करोड़ रुपए दिए हैं।

विकास योजनाओं को 75.36 करोड़ की स्वीकृति

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 75 .36 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के अन्तर्गत बूम से टनकपुर के शारदा नदी के दाएं पार्श्व पर (तटबन्ध) बाढ़ सुरक्षा कार्य एवं शारदा नदी के दाएं पार्श्व पर पर बूम व उचौलीगोठ में बाढ़ सुरक्षा कार्य हेतु 15 .69 करोड की योजना स्वीकृत करने का अनुमोदन प्रदान किया है। इसके अलावा, पौड़ी, मसूरी, ऋषिकेश के विकास कार्यों के अलावा नगर निगम, पिथौरागढ़ में देवभूमि रजत जयन्ती पार्क के निर्माण हेतु 9 .81 करोड़ की योजना स्वीकृती के साथ ही टनकपुर में मीडिया सेंटर एवं गेस्ट हाउस तथा टनकपुर में कम्युनिटी हॉल निर्माण कराने के लिए 14 .24 करोड स्वीकृत करते हुए प्रथम किश्त के रूप में एक करोड़ अवमुक्त करने का अनुमोदन प्रदान किया है।

स्मार्ट सिटी का कॉन्सेप्ट पहाड़ के तीन शहरों में ले गए सीएम

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- गांव हो या शहर, कहीं नहीं कसर, सड़क, पुल निर्माण से लेकर गड्ढा भरने तक बजट प्रावधान, वित्तमंत्री बतौर सीएम का गया हर छोटी बड़ी जरूरत पर ध्यान

> हमारी सरकार ने अवस्थापना विकास को प्राथमिकता दी है। हमारा यह विश्वास है कि किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ उसकी अवसंरचना होती है। तीव्र विकास के लिए हमारा यह संकल्प है कि प्रदेश की सड़क, ऊर्जा तथा आधुनिक अवसंरचना को नई गति और नई दिशा दी जाए। -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

अमृत विचार: उत्तराखंड में अवस्थापना विकास के लिए बजट में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई है। गांव से लेकर शहर हो या फिर पहाड़ से लेकर मैदान, अवस्थापना विकास के लिए धामी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में वो सब इंतजाम कर दिए हैं, जिन्हें विकास के लिए अपेक्षित माना जा रहा था।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वित्त मंत्री के तौर पर बजट का खाका खींचते हुए हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है। मसलन, सड़क, पुलों के निर्माण के लिए यदि बजट आवंटन हुआ है, तो गड्ढा भरने जैसी बातों की भी अनदेखी नहीं की गई है। बिजली, पानी समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े आधारभूत ढांचे की मजबूती पर खास फोकस किया गया है, जो आने वाले दिनों में एक सुखद तस्वीर के प्रति आश्वस्तकारी है। पहाड़ के तीन प्रमुख नगर निकायों को स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित करने का फैसला दूरगामी परिणाम देने वाला है। तीनों शहरों का चयन ही अपने आप यह साबित करता है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दृष्टि कहां तक पहुंची है। गैरसैंण, बाडाहाट-उत्तरकाशी और पिथौरागढ़, इन तीनों निकायों को स्मार्ट सिटी बनाने का सरकार का निर्णय पहाड़ में अवस्थापना विकास के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगा।

मलिक का मामला दूसरी बेंच को स्थानांतरित

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट में हल्द्वानी दंगा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक की जमानत के मामले में बुधवार को भी सुनवाई नहीं हो पायी। अब इस प्रकरण पर तीसरी बेंच सुनवाई करेगी।

न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी की अगुवाई वाली पीठ ने आरोपी की जमानत पर सुनवाई से इनकार करते हुए मामला दूसरी बेंच को भेज दिया। हल्द्वानी के बनभूलपुरा दंगा मामले में आरोपी मलिक के खिलाफ तीन पृथक-पृथक मामले दर्ज हैं। तीनों में गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी पिछले साल से जेल में है। सत्र न्यायालय से आरोपी की जमानत खारिज हो गई है। आरोपी की ओर से तीनों मामलों में अलग-अलग जमानत प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है। मुख्य न्यायाधीश रवीन्द्र मैठाणी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ में आरोपी के जमानत प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई होनी थी लेकिन बेंच ने सुनवाई से इनकार करते हुए उसे अन्य बेंच को भेज दिया।

विधायक सुमित ने जोरदार तरीके से उठाये मुद्दे

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: विधानसभा सत्र के दौरान हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने जनहित और क्षेत्रीय विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से सदन में उठाया।

विधायक सुमित ने सबसे पहले हल्द्वानी स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों का मुद्दा उठाया कि जिन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने कम उम्र में पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है, क्या उनके लिए भविष्य में नौकरी या अन्य प्रोत्साहन देने की कोई स्पष्ट नीति बनाई जाएगी। उन्होंने मिनी स्टेडियम में केज लगाए जाने के मुद्दे को भी सदन में उठाया। उनका कहना था कि इससे क्रिकेट और फुटबॉल खेलने वाले खिलाड़ियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक हृदयेश ने सदन में कहा कि राशन कार्ड सत्यापन के दौरान आम लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और कई पात्र परिवारों के नाम सूची से हटने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की मांग की। सदन में उन्होंने नंदा गौरा योजना का मुद्दा उठाते हुए पूछा कि इस योजना के तहत अब तक कितने वर्षों का भुगतान लंबित है और लाभार्थियों को उनका बकाया कब तक मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इस योजना से हजारों बेटियों और परिवारों की उम्मीदें जुड़ी हैं, इसलिए भुगतान में हो रही देरी को जल्द दूर किया जाना चाहिए। विधायक सुमित हृदयेश ने पत्रकारों के लिए रहने की व्यवस्था का विषय भी सदन में उठाया। उन्होंने सवाल किया कि यदि किसी उपभोक्ता का वर्तमान बिजली मीटर सही ढंग से काम कर रहा है तो उसे जबरन बदलने की आवश्यकता क्यों है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सरकार को पारदर्शी नीति बनाकर जनता की आशंकाओं का समाधान करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने भूमिधरी (नजूल भूमि) का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी की बड़ी आबादी वर्षों से नजूल भूमि पर निवास कर रही है और मकानों व दुकानों पर लाल निशान लगाए जाने से लोगों में भय और असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने सरकार से हल्द्वानी की जनता को शीघ्र मालिकाना हक देने और इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की।

नेता सदन का मैराथन भाषण

मुख्य संवाददाता, गैरसैंण

अमृत विचार: भराड़ीसैंण विधानसभा में बजट सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही में सदन सवालों से गरमाया रहा तो राज्यपाल गुरमीत सिंह के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव लाया गया। इस दौरान सरकार की तरफ से पेश किए गए अध्यादेशों को पारित किया गया।

इस दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता सदन/मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी सरकार की अभी तक प्रमुख उपलब्धियों, विकास कार्यों, योजनाओं-परियोजनाओं और भविष्य के विकास के रोड मैप को स्पष्टता और ठोस तरीके से मैराथन संबोधन में पेश किया।

सदन का माहौल कूल-कूल

सदन का माहौल रात को नए उत्साह में उस समय पूरी तरह बदल गया, जब राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्षी सदस्यों द्वारा चर्चा करने के दौरान नेता सदन पुष्कर सिंह धामी की एंट्री हुई। नेता सदन के संबोधन के दौरान विपक्ष के वरिष्ठ सदस्यों के चेहरों पर मुस्कराहट देखी गई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने भी नेता सदन से कहा कि आपको सदन में देखकर खुशी होती है, आप ऐसे ही मुस्कराते रहिए।

उद्योगों पर बंदी का संकट: अग्रवाल

संवाददाता, काशीपुर

- कुमाऊं गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की बोर्ड बैठक के बाद बोले अध्यक्ष पवन अग्रवाल

अमृत विचार: पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते उद्योगपतियों के सामने उद्योग चलाने का गंभीर संकट खड़ा हो रहा है। उद्योगों में तैयार माल न तो बाहर जा पा रहा है और न ही कच्चे माल की आपूर्ति हो रही है। ऐसे में उद्योगों के सामने बंदी की परेशानी खड़ी हो रही है।

यह बात बुधवार को कुमाऊं-गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केजीसीसीआई) के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कही। केजीसीसीआई की बोर्ड बैठक के बाद अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध को लेकर उद्योगों के सामने गंभीर संकट पैदा हो गया है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की बिक्री पर रोक के चलते गैस आधारित उद्योग बंदी के कगार में पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम आधारित पदार्थों के दामों में करीब 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। नेचुरल गैस पर आधारित उद्योगों को रोजाना बीस फीसदी कटौती के नोटिस मिल गए हैं। कोयला खरीदना भी महंगा हो गया है। दस दिन में कोयले के रेट 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि मिथेनॉल खाड़ी देशों से आता है जिसकी सप्लाई पूरी तरह से बंद हो गई है। अध्यक्ष के मुताबिक, कंटेनरों का भाड़ा बढ़ गया है। बंदरगाहों से कंटेनर आने में समय लग रहा है। पेपर मिलों में इंपोर्ट वेस्ट पेपर का स्टॉक भी लगभग 15 से 25 दिन का बचा है। इसके बाद पेपर मिले बंद करनी पड़ सकती हैं।

प्रदेश से विदेशों को चावल नहीं जा पा रहा

केजीसीसीआई अध्यक्ष ने बताया कि उत्तराखंड से बड़ी मात्रा में चावल विदेशों को जाता है, अब वह भी नहीं जा पा रहा है। ऐसे में चावल निर्यात को भारी नुकसान होने का अनुमान है। यदि जंग लंबी छिड़ी तो उद्योगों के सामने बंदी के संकट के साथ ही रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा। प्लास्टिक का पैकेजिंग मेटेरियल भी करीब 30 प्रतिशत बढ़ गया है जबकि प्लास्टिक पैकेजिंग सभी उद्योगों में काम आती है। केजीसीसीआई ने भारत और राज्य सरकारों से इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की है।

राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं सैन्य अधिकारी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 'भारतीय सैन्य अधिकारीः राष्ट्र निर्माता के रूप में' विषय पर जेंटलमैन कैडेट्स को संबोधित किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय सैन्य अकादमी केवल एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं है, बल्कि यह वह पावन स्थान है जहां युवा कैडेट राष्ट्र सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के मूल्यों को सीखते हैं। यहां एक कैडेट यह समझता है कि कर्तव्य को सुविधा से ऊपर, जिम्मेदारी को व्यक्तिगत लाभ से ऊपर और राष्ट्र को स्वयं से ऊपर रखना ही एक सच्चे सैनिक की पहचान है। कहा कि सैन्य अधिकारी का दायित्व केवल सीमाओं की रक्षा करना ही नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक अधिकारी अपने नेतृत्व, अनुशासन और आचरण से समाज में विश्वास और स्थिरता की भावना को मजबूत करता है। एक अधिकारी की सबसे बड़ी पूंजी उसकी प्रतिष्ठा होती है, जो उसके व्यवहार, निर्णय क्षमता और अपने जवानों के प्रति संवेदनशीलता से बनती है। एक अच्छा अधिकारी केवल आदेश देने वाला नहीं होता, बल्कि वह अपने सैनिकों की बात सुनने वाला, उनकी समस्याओं को समझने वाला और कठिन परिस्थितियों में उनके साथ खड़ा रहने वाला सच्चा नेतृत्वकर्ता होता है।

सड़कों की बदहाली पर रिपोर्ट तलब

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए हैं कि नैनीताल, कैंची धाम और नैनीताल-हल्द्वानी की सड़कों पर टूटे पैराफिट,

क्रैश बैरियर सही करें और सड़कों के किनारे जमा मलबा और कूड़ा हटवाकर दो सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

मामले की अगली सुनवाई के लिए दो सप्ताह बाद की तिथि नियत की गई है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से शपथपत्र पेश कर कहा गया कि नैनीताल-कालाढूंगी मार्ग पर टूटे पैराफिट और क्रैश बैरियर ठीक कर दिए हैं जिस पर कोर्ट ने नैनीताल, कैंची धाम व नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग के पैराफिट और क्रैश बैरियरों को भी ठीक करने को कहा है ताकि कोई दुर्घटना न हो। साथ ही सड़कों के किनारों पर जमा मलबा और कूड़े को हटवाएं। मामले के अनुसार, अनिल यादव ने हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका में जिले के पर्वतीय मार्गों पर सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर अवैध डंपिंग होने और कचरा प्रबंधन की विफलताओं का मामला उठाया।

पिथौरागढ़ में बिना अनुमति सड़क निर्माण पर रोक

नैनीताल : हाईकोर्ट ने पिथौरागढ़ जिले की तहसील थल के ग्राम सुनेती में वन विभाग की भूमि पर बिना विभागीय अनुमति कुछ लोगों द्वारा अपने घरों तक सड़क निर्माण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सड़क निर्माण पर रोक लगा दी है। न्यायालय ने सचिव वन से जवाब दाखिल कर उक्त मामले में की गई कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। प्रशासन की देखादेखी कैसे पेड़ काटे गए और बिना अनुमति सड़क का निर्माण कैसे हुआ, कोर्ट ने इस पर भी जवाब मांगा है। साथ में अदालत ने केंद्र सरकार से भी पूछा है कि ऐसी घटनाओं को कैसे रोका जा सकता है। अगली तिथि को कोर्ट का मार्गदशन करें। मामले की अगली सुनवाई 1 अप्रैल की तिथि नियत की है। कोर्ट ने विपक्षी कृष्णा जोशी व मोहन जोशी को नोटिस भी जारी किया है। मामले के अनुसार, ग्राम सुनेती निवासी भास्कर चंद्र जोशी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा कि सुनेती गांव में वन विभाग की जमीन पर बिना किसी की अनुमति के अवैध रूप से हरे भरे पेड़ काटकर अवैध रूप से कुछ लोगों के द्वारा सड़क निर्माण किया जा रहा है जिससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। याचिका में कहा गया कि वन भूमि पर सड़क निर्माण के लिए पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड, भारत सरकार व उत्तराखंड सरकार से अनुमति नहीं ली गई। ग्रामीणों ने इस सम्बन्ध में तहसील में शिकायत की लेकिन कुछ खास कार्यवाही नहीं हुई।

सिटी ब्रीफ

गैस की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं : डीएम

हल्द्वानी : डीएम ललित मोहन रयाल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि घरेलू गैस के कमर्शियल डायवर्जन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने निर्देशित किया है कि घरेलू गैस के कमर्शियल इस्तेमाल और कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी रखी जाए। क्विक रिस्पांस टीम भी गठित की जाए, जो शिकायत मिलते ही मौके पर कार्रवाई करें। स्थानीय सूचना तंत्र को मजबूत करते हुए जमाखोरी, अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 05942-231179 जारी किया है। किसी को भी समस्या है तो इस नंबर पर बता सकता है।

राज्य के पांच जिलों में मौसम बिगड़ेगा

हल्द्वानी : राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। राज्य के देहरादून, टिहरी और अल्मोड़ा जिलों में कहीं-कहीं हल्की से बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री रहा जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है और न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री ज्यादा है तो वहीं मुक्तेश्वर में अपेक्षाकृत अधिक पारे का क्रम जारी है। यहां सामान्य से आठ डिग्री ज्यादा पारा रहा और तापमान 24.4 डिग्री रहा।

घर से स्कूल के लिए निकली छात्रा लापता

हल्द्वानी : काठगोदाम थानाक्षेत्र में घर से स्कूल के लिए निकली छात्रा लौट कर घर नहीं पहुंचा। पुलिस को दी तहरीर में लापता छात्रा के पिता ने लिखा कि उनकी 15 वर्षीय बेटी राजकीय प्राथमिक विद्यालय इंद्रानगर काठगोदाम में पढ़ती है। बीती 9 मार्च की सुबह 9 बजे वह घर से स्कूल के लिए निकली थी, लेकिन फिर लौटकर घर नहीं आई। पिता का कहना है कि वह हर संभावित स्थान पर बेटी की तलाश कर चुके हैं। एसओ ने बताया कि छात्रा की तलाश जारी है।

रसोई गैस की मारामारी, हल्द्वानी में आफत भारी

इंडेन गैस की ऑनलाइन व ऑफलाइन बुकिंग बंद, पोर्टल धड़ाम, बुकिंग को गैस ऑफिस से लेकर गोदाम तक चप्पलें घिस रहे उपभोक्ता

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

30 हजार गैस कनेक्शन हैं कुमंविनि एजेंसी के | **01** दिन ही पोर्टल धड़ाम होने से आपूर्ति ठप | **04** दिन का बैकलॉग हो चुका है अब तक

अमृत विचार: इंडेन गैस की ऑनलाइन व ऑफलाइन बुकिंग ठप हो गई है। एसडीएमएस पोर्टल भी ठंडा पड़ गया है। ऐसे में अगर रसोई गैस खत्म हो जाती है तो सिलेंडर नहीं मिलेगा। खुद गैस एजेंसी भी किसी प्रकार से सिलेंडर की आपूर्ति नहीं कर पाएगी।

कुमाऊं मंडल विकास निगम की हल्द्वानी गैस सर्विस कुमाऊं के सबसे बडें शहर की सबसे बड़ी गैस एजेंसी है। इसके 30 हजार उपभोक्ता हैं, जिन्हें रसोई गैस की आपूर्ति की जाती है। केंद्र की गाइड लाइन के बाद इंडेन ने बीती नौ मार्च से होटल, रेस्टोरेंट्स, इंडस्ट्री में कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी थी। **अमृत विचार टीम की रिपोर्ट-**

अब कॉमर्शियल के बाद घरेलू गैस सिलेंडर आपूर्ति में भी दिक्कत हो गई है। इंडेन गैस की ऑनलाइन व ऑफ लाइन बुकिंग बंद हो गई है। लोग सुबह से ही बुकिंग के लिए मोबाइल नंबर पर कॉल कर रहे हैं लेकिन बुकिंग नहीं हो रही है। इसके बाद लोग कुमाऊं मंडल विकास निगम के शॉपिंग काम्पलेक्स स्थित हल्द्वानी गैस सर्विस के ऑफिस बुकिंग के लिए पहुंचें तो पता चला कि इंडेन का पोर्टल ही धड़ाम हो गया है। इस वजह से ऑफलाइन बुकिंग भी नहीं हो सकती है। सब कुछ डिजिटल होने से कोई काम नहीं हो पा रहा है। गैस एजेंसी कर्मी भी पोर्टल धड़ाम होने का हवाला देते हुए हाथ खड़े कर दे रहे हैं ऐसे में उपभोक्ता यहां-वहां चक्कर काट रहा है।

शीशमहल स्थित गोदाम में गैस सिलेंडर के लिए लाइन में लगे लोग। ● अमृत विचार

ऑन द डे डिलीवरी भी बंद

हल्द्वानी : कमर्शियल सिलेंडर के बाद अब नए कॉमर्शियल कनेक्शन भी बंद कर दिए गए हैं। भारत गैस एजेंसी के अनुसार, सिलेंडर बुक होने के बाद दो दिन के अंदर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है हालांकि पूर्व में ऑन द डे सुविधा थी। सिलेंडर वाली गाड़ियों की आवाजाही भी कम हो गई है, जिससे परेशानी बढ़ी हैं।

चार दिनों का 2500 से ज्यादा का है बैकलॉग

हल्द्वानी : गैस एजेंसी से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले चार दिनों से आपूर्ति पेंडिंग है इस वजह से 2500 से ज्यादा का बैकलॉग हो गया है। अब यदि बुकिंग भी शुरू होती है तो सबसे पहले इन बैकलॉग को पूरा किया जाएगा। ऐसे में सिलेंडर खत्म होने पर रसोई गैस के लिए और इंतजार करना पड़ेगा।

पोर्टल चल नहीं रहा, दे भी दें कैसे सिलेंडर

हल्द्वानी : सूत्रों की मानें तो इंडेन गैस एजेंसी का पोर्टल धड़ाम होने से गैस आपूर्ति का संकट गहरा गया है। यदि गोदाम में सिलेंडर भी हैं तो बुकिंग की कोई डिटेल एजेंसी तक नहीं पहुंच पा रही है। ऐसे में यदि किसी ने एक-दो दिनों में सिलेंडर की बुकिंग की होगी तो पोर्टल पर डेटा नहीं आएगा जिस वजह से एजेंसी संचालक सिलेंडर होने के बाद भी नहीं दे सकेंगे।

केवाईसी, नए कनेक्शन, ट्रांसफर वगैरह कामकाज ठप

हल्द्वानी : इंडेन गैस का एसडीएमएस पोर्टल बंद होने से केवाईसी, नए कनेक्शन, छोटू सिलेंडर कनेक्शन और ट्रांसफर वगैरह सब बंद हो गए हैं। ऐसे में वे लोग जो गैस कनेक्शन ट्रांसफर कराना चाहते हैं, उन्हें भी भारी दिक्कत हो रही है।

25 दिन बाद ही होगी बुकिंग, सात दिन बाद मिलेगी गैस

हल्द्वानी : केंद्र की गाइडलाइन के बाद बुकिंग के नियमों भी बदलाव किया गया है। अंतिम बार सिलेंडर डिलीवरी के 25 दिन बाद ही बुकिंग होगी। यदि बैकलॉग नहीं होता है तो सात दिनों बाद डिलीवरी होगी। रसोई गैस के इस वैश्विक संकट में गैस मिलना किसी चुनौती से कम नहीं है।

बोले लोग

"रसोई गैस की फोन से बुकिंग नहीं हो रही थी। सोचा गैस ऑफिस आकर बुकिंग करा दें लेकिन यहां भी पोर्टल नहीं चल रहा है। अब पता नहीं गैस की बुकिंग कब होगी और कब सिलेंडर मिलेगा। **-सुधीर कुमार**

"पहले जिस नंबर पर बुकिंग होती थी, वह नंबर नहीं लग रहा है। अब गैस एजेंसी से दूसरा नंबर लिया था। उनका कहना था कि जब मिस्ड कॉल होगी तो खुद ही गैस बुक हो जाएगी लेकिन दूसरा नंबर भी नहीं लग रहा है। ऑफिस में भी बुकिंग नहीं हो रही है। सिलेंडर कभी भी खत्म हो सकता है, पता नहीं कैसे सिलेंडर मिलेगा। **-जसविंदर सिंह**

"गैस की किताब लेकर पहले शीशमहल स्थित प्लांट गया। वहां से गैस ऑफिस भेज दिया गया। यहां बताया जा रहा है कि पोर्टल बंद है। एक नंबर दे दिया है जो लग नहीं रहा है। सुबह से फोन लगा रहे हैं लेकिन गैस बुक नहीं हो रही है। **-खिला नौला**

किसी ने मिठाई बनानी बंद की तो किसी ने चाय

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने का असर अब मिठास व मेन्यू पर भी दिखाई देने लगा है। किसी ने मिठाई बनाना बंद कर दी है तो किसी ने चाय-कॉफी बनाना ही बंद कर दिया है।

शहर में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने का असर अब प्रतिष्ठित मिठाई की दुकानों व रेस्टोरेंट्स पर दिखाई देने लगा है। बीकानेरवाला रेस्टोरेंट ने मिठाइयां, डोसा, आलू की टिक्की, चाइनीज व्यंजन समेत ऐसे व्यंजन जिसमें कुकिंग गैस ज्यादा लगती है, उनको पकाना बनाना बंद कर दिया है।

इसी तरह से दाल भात रेस्टोरेंट में भी इंडक्शन पर ही चाय-कॉफी पकाई जा रही है। वहीं, मोती महल रेस्टोरेंट ने भी मेन्यू में बदलाव कर दिया है। उन्होंने नए मेन्यू में तंदूरी आइटम, वेज व ग्रिल्ड सैंडविच समेत ऐसे व्यंजन जोड़ दिए हैं जिन्हें पकाने में कुकिंग गैस की जरूरत नहीं होती है। अमूमन चाइनीज आइटम स्प्रिंग रोल, चिली पनीर जैसे आइटम के ऑर्डर लेना बंद कर दिए हैं। वहीं, ज्यादातर रेस्टोरेंट्स अब इंडक्शन, इलेक्ट्रॉनिक बर्नर, भट्टियां मंगाना शुरू कर दिया है ताकि यदि वैश्विक संकट गहराता है तो कारोबार ज्यादा प्रभावित नहीं हो।

मिनटों में ही 3200 से 4900 का हो गया इंडक्शन

हल्द्वानी : गूगल सर्च इंजन के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को सबसे ज्यादा इंडक्शन चूल्हा ट्रेंड में रहा है। आंकड़ों की मानें तो ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मस पर जो इंडक्शन 1900 से 4500 के हजार बिक रहे थे, उनके दामों में वृद्धि हो गई है। एक उपभोक्ता एनडी सिंह ने एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से एक इंडक्शन 3200 रुपये में बुक किया। लगभग 15 मिनट बाद उन्होंने पड़ोसी के लिए उसी प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन सर्च किया तो उक्त इंडक्शन की कीमत 4900 रुपये थी। इंडक्शन की मांग में 20 गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जहां दिन में एक-दो इंडक्शन की बिक्री भी नहीं होती थी, अब बढ़ गई है।

कोयले के दामों में लगी 'आग' एक ही दिन में 7 रुपये का इजाफा

हल्द्वानी : कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने से पूर्व कोयला बाजार में 33 रुपये प्रति किलो बिक रहा था। जैसे ही सिलेंडर पर रोक लगी और होटल-रेस्टोरेंट्स वालों ने भट्टियों के ऑर्डर देना शुरू किया वैसे ही कोयले के दामों में भी बढ़ोत्तरी हो गई है। कोयला अब 40 रुपये प्रति किग्रा बिक रहा है, यदि गैस संकट गहराता है तो इसकी कीमतों में आगे भी वृद्धि के आसार है। हालांकि प्रशासन कोयले की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने को लेकर प्रयासरत है।

बोले व्यवसायी

"कॉमर्शियल सिलेंडर का तीन-चार दिन का ही स्टॉक है। एहतियातन चाइनीज आइटम व आलू टिक्की, डोसा वगैरह नहीं बना रहे हैं। मिठाई बनाना भी बंद कर दिया है। हमने दिल्ली से चार बड़े इंडक्शन चूल्हे मंगाए है। अब सिर्फ रेस्टोरेंट ही संचालित होगा जबकि मिठाई का काउंटर बंद कर दिया है। ऐसे इंडक्शन जिसमें तंदूर चल सकता है, उसको भी मंगा रहे हैं। **-वीरेंद्र सिंह बिष्ट**, स्वामी बीकानेरवाला स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट

"कॉमर्शियल सिलेंडर आपूर्ति पर प्रतिबंध के बाद हमने होटल की मेन्यू में बदलाव कर दिया है। चाइनीज व ऐसे आइटम जिसमें गैस ज्यादा लगती है उन्हें मेन्यू से बाहर कर दिया है। मेन्यू में तंदूर, वेज सैंडविच या ऐसे आइटम जिनमें गैस का इस्तेमाल नहीं होता है उन्हें शामिल किया गया है। कोयला वगैरह का स्टॉक कर लिया है। योजना है कि भट्टियों पर शिफ्ट हो जाएं ताकि किल्लत दूर होने तक काम प्रभावित नहीं हो। **-अमन सिंह**, स्वामी मोतीमहल रेस्टोरेंट

"अमूमन चाइनीज आइटम की डिमांड ज्यादा होती है लेकिन कॉमर्शियल सिलेंडर पर रोक के बाद इनको बंद कर दिया है। मेन्यू में तंदूर, बिना गैस से बनने वाले व्यंजन ही लिए जा रहे हैं। ऑनलाइन ऑर्डर भी नहीं लेने पर विचार किया जा रहा है। **-अभय नेगी**, स्वामी कैफे-18 रेस्टोरेंट

बोले जिम्मेदार

"घरेलू गैस पर्याप्त मात्रा है। इंडेन का एसडीएमएस पोर्टल बंद होने की वजह से दिक्कतें आ रही हैं। इस बाबत अधिकारियों से वार्ता की गई है। जल्द ही तकनीकी कमियां दूर कर बुकिंग फिर से शुरू की जाएगी। **-एपी बाजपेयी**, सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी

शीशमहल में बाइक पर सिलेंडर लेकर जाते लोग। ● अमृत विचार

पर्यटकों ने कैंसिल की टैक्सी बुकिंग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: ईंधन की किल्लत से जहां होटल-रेस्टोरेंट कारोबार के भविष्य पर संकट मडरा गया है तो वहीं पूरे पर्यटन कारोबार पर भी इसका असर दिखने लगा है। टैक्सी चालकों को भी बुकिंग काफी कम मिल रही हैं। टैक्सी चालकों का कहना है कि पर्यटक भोजन के लिए होटल-रेस्टोरेंट में ही जाएंगे और जब वहां चूल्हा जलाने की दिक्कत होगी तो पर्यटक आने से ही बचेगा।

नैनीताल जिले में कैंचीधाम, नैनीताल, भीमताल, नौकुचियाताल आदि पर्यटन स्थलों के लिए पर्यटक आते हैं। कुमाऊं के जागेश्वर, रानीखेत, अल्मोड़ा, कौसानी जाने के लिए भी हल्द्वानी से ही होकर रास्ता जाता है। ऐसे में बड़े पैमाने पर पर्यटन कारोबार पर असर पड़ने के आसार दिख रहे हैं। हल्द्वानी टैक्सी यूनियन के उपाध्यक्ष मनोज भट्ट ने बताया कि बुकिंग रद्द होना शुरू हो गई हैं, अभी हालात खराब हुए दो से तीन दिन ही हो रहे हैं। निश्चित तौर पर अगर यही हाल रहा तो टैक्सी कारोबार पर्यटन सीजन में ठंडा ही रहेगा। टैक्सी यूनियन के पूर्व पदाधिकारी किशन पांडे ने बताया कि बोर्ड परीक्षा समाप्त होने को है। ऐसे में हमको बुकिंग मिलना शुरू हो जाती थी लेकिन पिछले सालों की अपेक्षा इस बार बुकिंग कम मिल रहीं हैं।

दो यूनियन में 950 चालक

हल्द्वानी : हल्द्वानी टैक्सी यूनियन में ही करीब 650 टैक्सी चालक पंजीकृत हैं। काठगोदाम टैक्सी यूनियन में 300 चालक पंजीकृत हैं। इसके अलावा मोबाइल एप के माध्यम से चलने वाली टैक्सियां भी हैं। साथ ही कई टैक्सी दोपहिया भी चलती हैं। टैक्सी चालकों का यह भी कहना है कि कोविड के बाद अब एक बार फिर से पर्यटन कारोबार पर असर पड़ने की संभावना दिख रही है।

व्यावसायिक गैस की आपूर्ति ठप होने से होटल कारोबारियों में चिंता, डीएम से की मुलाकात

नैनीताल : व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति कम होने से होटल और रेस्तरां संचालकों में चिंता बढ़ गई है। होटल एसोसिएशन ने डीएम ललित मोहन रयालसे मुलाकात कर समस्या के समाधान की मांग की है।

होटल एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय बिष्ट ने बताया कि कल से होटलों और रेस्तरां को मिलने वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बंद कर दी गई है। वर्तमान में किसी भी होटल या रेस्तरां को नियमित रूप से व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, जिससे कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। नैनीताल की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पर्यटन पर आधारित है और इसमें होटल व रेस्तरां व्यवसाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। गर्मी का पर्यटन सीजन भी नजदीक आ रहा है। ऐसे में यदि जल्द ही व्यावसायिक गैस की आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो होटल और रेस्तरां संचालकों के सामने अपने प्रतिष्ठान बंद करने की स्थिति पैदा हो सकती है। इससे पर्यटकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। होटल कारोबारियों ने जिलाधिकारी से जल्द हस्तक्षेप कर व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। इस पर जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कारोबारियों को मामले में आवश्यक कार्रवाई का आशवासन दिया है।

जंग बढ़ने पर लकड़ी की उपलब्धता की है तैयारी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- जंग को लेकर एलपीजी संकट पर वन मंत्री का बयान, संकट बढ़ा तो वाणिज्यिक गतिविधियों में बनेगा वैकल्पिक ईंधन

अमृत विचार: पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और इसके परिणामस्वरूप गैस आपूर्ति में व्यवधान के बीच उत्तराखंड सरकार ने जरूरत की स्थिति में व्यावसायिक उपयोग के लिए लकड़ी उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि वर्तमान स्थिति संकटपूर्ण है। कई पश्चिम एशियाई देशों में युद्ध जैसी परिस्थितियां बन रही हैं इसलिए एलपीजी की कमी की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। इस स्थिति से निपटने के लिए वन विकास निगम को लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ताकि गैस संकट बढ़ने की स्थिति में वाणिज्यिक गतिविधियों में इसका उपयोग वैकल्पिक ईंधन के रूप में किया जा सके। गौरतलब है कि, सरकार ने बीते मंगलवार को एलपीजी उत्पादन, सीएनजी और पाइप लाइन गैस के आवंटन में बदलाव किया है जिसके तहत घरों और परिवहन क्षेत्रों को प्राथमिकता व अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति को सीमित किया जाएगा।

मिठाई की दुकान से पकड़ा घरेलू सिलेंडर

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार : खाद्य आपूर्ति विभाग ने धानाचूली और पहाड़पानी में छापेमारी की। पहाड़पानी में एक दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करते पकड़ा गया।

पूर्ति निरीक्षक सुनीति रावत ने टीम के साथ नयाल इंडेन ग्रामीण वितरक का निरीक्षण किया। यहां स्टॉक और अन्य व्यवस्थाएं ठीक पाई गईं, हालांकि अग्निशमन यंत्र एक्सपायर मिलने पर संचालक को नया यंत्र लगाने को कहा। इसके बाद धानाचूली और पहाड़पानी के कई दुकानों में जांच की। इस दौरान पहाड़पानी स्थित शिव शंकर स्वीट्स में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर उसे जब्त कर लिया गया। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पहाड़पानी में घरेलू सिलेंडर को जब्त करती पूर्ति निरीक्षक सुनीति रावत।

अफवाहों पर नहीं दें ध्यान, पर्याप्त है गैस

पिथौरागढ़: पिथौरागढ़ प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करें।

आपूर्ति विभाग ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उपयोग हेतु गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। गैस वितरण व्यवस्था (सप्लाई चेन) पूरी तरह सामान्य रूप से संचालित हो रही है। किसी भी प्रकार की घबराहट में आकर अनावश्यक बुकिंग करने की आवश्यकता नहीं है। जिला पूर्ति अधिकारी विनय कुमार ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे 'पैनिक बुकिंग' से बचें तथा केवल आवश्यकता के अनुसार ही गैस रिफिल बुक करें, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके।

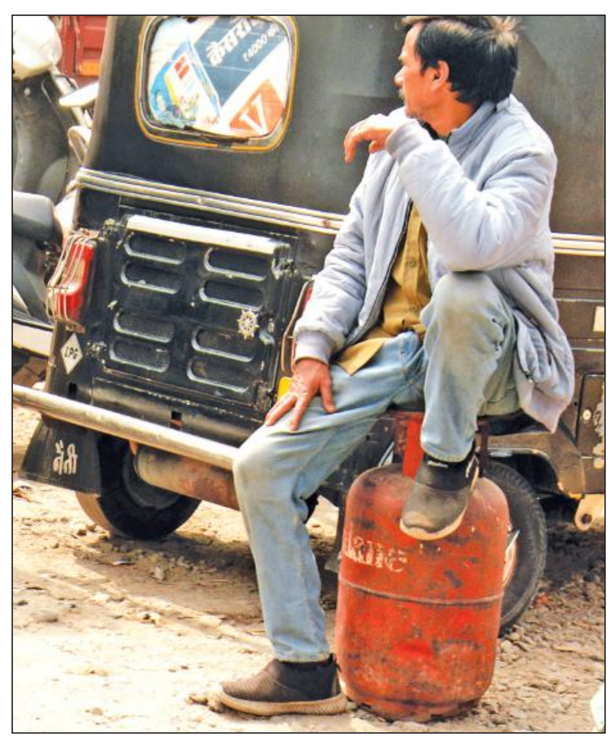

शीशमहल में अपनी बारी के इंतजार में बैठा उपभोक्ता। ● अमृत विचार

कुमाऊं मंडल विकास निगम कॉम्पलेक्स के हल्द्वानी गैस एजेंसी ऑफिस में बुकिंग को लेकर पूछताछ करते लोग। ● अमृत विचार

घरेलू गैस सिलेंडर की कमी नहीं, अफवाह फैलाई तो होगी कार्रवाई

संवाददाता, देहरादून

- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने स्पष्ट किया कि राज्य में घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि अफवाहों पर कड़ी नजर रखी जाए और किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था को प्रभावित न होने दिया जाए।

मुख्य सचिव के मुताबिक, तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) गठित की जाए। यह टीम गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या अवैध स्टॉकिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। इंडियन ऑयल के स्टेट लेवल कोऑर्डिनेटर कृष्ण कुमार गुप्ता और स्वर्ण सिंह ने जानकारी दी कि राज्य में घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गैस आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है।

शासन का निर्णय है कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को की जाएगी। फिलहाल होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को व्यवसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति सीमित रखी जाएगी। मुख्य सचिव ने जिलों में कार्यरत ऑयल कंपनियों और गैस एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित समस्या की जानकारी तुरंत राज्य स्तर पर साझा की जाए ताकि समय रहते समाधान किया जा सके।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

कालाढूंगी क्षेत्र में आम की बंपर पैदावार होने की उम्मीद, जनवरी में कोहरे व कड़ाके की ठंड ने लीची की फसल को किया प्रभावित

आम में बौर की भरमार से बागवान खुश, लीची में कम से मायूसी

संवाददाता, कालाढूंगी

कालाढूंगी क्षेत्र में बौर से लदे आम के पेड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार: इस वर्ष क्षेत्र में आम के पेड़ों में बौर की भरमार देखने को मिल रही है, जिससे बागवानों और किसानों के चेहरों पर खुशी है। वहीं दूसरी ओर लीची के पेड़ों में अपेक्षाकृत कम मंजर आने से बाग मालिकों और ठेकेदारों में मायूसी छाई हुई है।

किसानों का कहना है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार आम के पेड़ों पर अधिक बौर आया है, जिससे अच्छी पैदावार की उम्मीद जगी है। यदि मौसम अनुकूल रहा तो आम की फसल बंपर हो सकती है। पिछले साल मौसम के उतार-चढ़ाव और कीटों के हमले से आम की फसल प्रभावित हुई थी। दूसरी ओर फरवरी माह में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड का असर लीची की फसल पर पड़ा है। अत्यधिक कोहरा और कम तापमान के कारण लीची के फूल झुलस गए, जिससे उत्पादन में कमी की आशंका है। साथ ही चूसक कीटों का प्रकोप भी बढ़ा है। कोटाबाग ब्लॉक के चकलुवा और कालाढूंगी क्षेत्र अपनी स्वादिष्ट लीची के लिए प्रसिद्ध हैं। बैलपड़ाव, चकलुवा, कोटाबाग और आसपास के क्षेत्रों की लगभग 350 हेक्टेयर भूमि में लीची की खेती होती है। जीआई टैग मिलने के बाद यहां की लीची की देश-विदेश में मांग बढ़ी है, जिससे बागवानों की आय में भी इजाफा हुआ है। बागवान इंद्र अटवाल, धर्मेंद्र जलाल, हरीश अटवाल, महेंद्र सिंह बिष्ट सहित अन्य किसानों ने बताया कि कुछ पेड़ों में मंजर अच्छा है, लेकिन अधिकांश पेड़ों में कलियां ही रह गई हैं, जिससे इस बार लीची का उत्पादन कम होने की आशंका है।

रामनगर में आम के साथ लीची के पेड़ भी बौर से लगे, अच्छी पैदावार की उम्मीद

रामनगर : रामनगर क्षेत्र में इन दिनों आम और लीची के पेड़ बौर से लदे हुए दिखाई दे रहे हैं। बगीचों में आई बौर को देखकर बागान मालिकों और ठेकेदारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। हालांकि फसल की वास्तविक स्थिति पूरी तरह मौसम पर निर्भर करेगी। रामनगर क्षेत्र के अधिकांश बागानों में आम और लीची के पेड़ बौर से भर गए हैं। यदि मौसम अनुकूल बना रहा तो इस वर्ष अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि आंधी, तूफान और असमय बारिश जैसी परिस्थितियां फसल को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे बागान मालिकों और ठेकेदारों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। रामनगर उत्तराखंड में आम और लीची की प्रमुख मंडी के रूप में जाना जाता है। यहां रामनगर विकासखंड में लगभग चार से पांच हजार मैट्रिक टन लीची और करीब 16 से 18 हजार मैट्रिक टन आम का उत्पादन होता है। यहां से तैयार फल दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और लखनऊ सहित देश के विभिन्न शहरों और राज्यों में भेजे जाते हैं। उद्यान विभाग के सचल दल प्रभारी अर्जुन सिंह परवाल ने बताया कि इस समय पेड़ों में पराग आ चुका है। ऐसे में जब तक फल मटर के दाने के आकार के न हो जाएं, तब तक किसानों को कीटनाशक दवाओं के छिड़काव और सिंचाई से परहेज करना चाहिए, ताकि बौर को नुकसान न पहुंचे।

पेड़ से गिरकर महिला गंभीर रूप से घायल

नैनीताल: नैनीताल के गैरिखेत क्षेत्र में जंगल में घास काटने के दौरान एक महिला पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन महिला को डोली के सहारे सड़क तक लाए, जहां से टैक्सी वाहन के माध्यम से उसे उपचार के लिए बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार गैरिखेत निवासी 40 वर्षीय भावना बिष्ट जंगल में घास काटने गई थी। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह पेड़ से गिर गई और घायल हो गई। घटना के बाद परिजन और ग्रामीणों ने महिला को डोली में लादकर सड़क तक पहुंचाया और वहां से टैक्सी वाहन से बीडी पांडे जिला अस्पताल लाया गया। बीडी पांडे अस्पताल के पीएमएस डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि महिला को प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बीडीसी बैठक में जनप्रतिनिधियों ने उठाईं जनता से जुड़ीं कई समस्याएं

भीमताल में क्षेत्र पंचायत की बैठक में बिजली-पानी के साथ ही सड़क व शिक्षा पर चर्चा

- जल जीवन मिशन के तहत कई गांवों में पानी न आने के साथ ही लो-वोल्टेज की दिक्कत भी उठाई

संवाददाता, भीमताल

भीमताल में आयोजित बीडीसी बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधि और अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विकास खंड सभागार भीमताल में बुधवार को क्षेत्र पंचायत समिति (बीडीसी) की त्रैमासिक बैठक ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों और कार्यों की समीक्षा के साथ हुई। इस दौरान बीडीसी सदस्यों और ग्राम प्रधानों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न समस्याएं सदन के समक्ष रखीं।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने शिक्षा, सड़क और पेयजल की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ग्राम प्रधान उड़वा ने प्राथमिक विद्यालय में 23 बच्चों पर केवल एक शिक्षक होने की समस्या बताते हुए अतिरिक्त शिक्षक की नियुक्ति की मांग की। इस पर मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे ने जिला स्तरीय अधिकारियों को विद्यालयों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान अल्चोना और क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने मोटर मार्गों पर डामरीकरण कराने की मांग रखी, जबकि ग्राम प्रधान अधोड़ा प्रेमा मेहरा ने बजून-अधोड़ा मोटर मार्ग की मरम्मत की आवश्यकता बताते हुए इस मार्ग पर दुर्घटना की आशंका जताई। ग्राम प्रधान मलुवाताल ने दशकों से लंबित मोटर मार्ग निर्माण के संबंध में जानकारी मांगी। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत कई गांवों में पेयजल आपूर्ति बाधित होने की समस्या भी उठाई गई। वहीं ग्राम प्रधान खमारी ने क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या और पंचायत घर में बिजली कनेक्शन की मांग रखी। बकरी पालन करने वाले ग्रामीणों को जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान और पशुओं की आकस्मिक मृत्यु पर मुआवजा देने की मांग भी रखी गई। बैठक में क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न बजट प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भीमताल क्षेत्र में लंबित सड़क निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जाए और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर समस्याओं का समाधान किया जाए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, ज्येष्ठ प्रमुख उमेश पलड़िया, कनिष्ठ प्रमुख रागिनी आर्य, उपजिलाधिकारी नवाजिश खलिक सहित कई जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का संचालन दिनेश बिष्ट ने किया।

'कुमाऊं वाणी' का स्थापना दिवस मनाया

धानाचूली : सामुदायिक रेडियो 'कुमाऊं वाणी' (90.4 मेगाहर्ट्ज) ने बुधवार को अपने 16 वर्ष पूरे होने पर स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर भवाली क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियों, पत्रकारों, कलाकारों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार त्रिलोचन भट्ट मौजूद रहे, जबकि दीवान सिंह (टेरी), प्रवीण शर्मा और दया जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। त्रिलोचन भट्ट ने कहा कि सामुदायिक रेडियो ने पहाड़ की समस्याओं, लोक संस्कृति और जनसरोकारों को सशक्त मंच प्रदान दिया है।

इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया गया। सुदर्शन शाही, देवेंद्र सिंह बिष्ट और राजेंद्र सिंह बिष्ट सहित कई लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में यूट्यूबर पंकज जीना, अमित भट्ट और हर्ष काफर ने कुमाऊंनी लोकगीतों व समसामयिक विषयों पर प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन मोहन कार्की ने किया।

रामनगर के पूछड़ी में बैठक में विचार रखती महिलाएं। ● अमृत विचार

महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न पर जताई चिंता

संवददाता, रामनगर

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़े के तहत महिला मंच एकता मंच की ओर से ग्राम पूछड़ी में युद्ध विरोधी सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेते हुए ईरान पर इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए हमले को मानवता पर बड़ा हमला बताया और इसके खिलाफ दुनिया की जनता से एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की।

सभा में सरस्वती जोशी ने महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार हो रही हैं। भोजन माता, आंगनबाड़ी और आशा वर्करों को भी न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिल पा रही है, जो चिंता का विषय है।

समाजवादी लोक मंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किया गया हमला परमाणु हथियारों को रोकने के लिए नहीं, बल्कि वहां मौजूद कच्चे तेल और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने के उद्देश्य से किया गया है। कौशल्या ने कहा कि देश में गरीब और मेहनतकश जनता भी सरकार की नीतियों से प्रभावित हो रही है। उन्होंने हाल में बुलडोजर कार्रवाई का जिक्र करते हुए इसे गरीबों के खिलाफ कार्रवाई बताया।

कुराने पाक सुनने को मस्जिद में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

हजरत मस्जिद में कुराने पाक सुनने उमड़े लोग

रामनगर : ग्राम शक्तिनगर आला हजरत मस्जिद में ताराबियों में कुराने पाक मुकम्मल हुआ। आला हज़रत मस्जिद के सदर हाजी शकील अहमद अंसारी ने बताया कि 19 रमजान को आला हज़रत मस्जिद में ईमाम सद्दाम रज़ा ने तराबियों में कुराने पाक सुनाया और हाफिज फुरकान ने कुराने पाक सुना गया। इस मौके पर शहर काजी गुलाम मुस्तफा नईमी ने मुस्लिम समाज के लोगों को रमजान और कुराने पाक की फजीलत बताई। उसके बाद अल्लाह पाक की बारगाह में हाथ उठाकर देश की तरक्की, अमन चैन, भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई। इस दौरान आला हज़रत मस्जिद के सदर हाजी शकील अहमद अंसारी, मुफ्ती मोहम्मद आज़म, मुफ्ती मोहम्मद फरमान, मौलाना इंसाफ, मुफ्ती सलीम, कारी नफीस, कारी फारुख, मौलाना अफजाल, नईम बाबा, नसीम अहमद आदि मौजूद रहे।

बलियानाला के जंगल में मिला टूरिस्ट गाइड का शव

नैनीताल: बलियानाला क्षेत्र के जंगल में बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। ज्योलीकोट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीरभट्टी क्षेत्र की कुछ महिलाएं सुबह जंगल की ओर गई थीं। इस दौरान नाले के किनारे एक व्यक्ति का शव देख उन्होंने ग्रामीणों को सूचना दी। पुलिस ने शव की शिनाख्त मनोज रावत उर्फ शर्मा (50) पुत्र स्व. सुरेश सिंह रावत, निवासी न्यू कॉलोनी दुर्गापुर पावर हाउस के रूप में की। परिजनों के अनुसार मनोज 6 मार्च की शाम से लापता था। पुलिस जांच में उसकी अंतिम लोकेशन बीरभट्टी क्षेत्र में मिली थी। पुलिस ने शव को बीडी पांडे अस्पताल भेज दिया है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चल सकेगा।

प्राधिकरण पर लगाए आरोप, प्रदर्शन

संवाददाता, भीमताल

भीमताल में धरना प्रदर्शन करते पूर्व दर्जा राज्यमंत्री हरीश पनेरू। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरू ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर रामगढ़-मुक्तेश्वर रोड स्थित कसियालेख क्षेत्र में स्थानीय लोगों के निर्माण कार्यों पर झील विकास प्राधिकरण और जिला विकास प्राधिकरण द्वारा रोक लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। पत्र की प्रतिलिपि कुमाऊं आयुक्त तथा प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक रावत को भी भेजी गई है।

पत्र में पनेरू ने कहा कि क्षेत्र के स्थानीय लोग अपने बच्चों के लिए आवास, गौशाला, मुर्गीबाड़ा, शौचालय तथा छोटे व्यवसाय के लिए कमरे या दुकान का निर्माण कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद प्राधिकरण द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है। कई लोगों के चालान किए गए हैं और कुछ को मौखिक रूप से चेतावनी भी दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों के निर्माण कार्यों पर 200 मीटर हवाई दूरी के नियम का हवाला देकर कार्रवाई की जा रही है, जबकि बाहरी लोग मुख्य मोटर मार्ग के पास बड़े भवन बना रहे हैं।

पनेरू ने मुख्यमंत्री से स्थानीय लोगों के चालान निरस्त करने और उनके निर्माण कार्य पूरे करने की अनुमति देने की मांग की है। इस दौरान ग्राम प्रधान गजारधारी शीतल, ग्राम प्रधान चौखुटा लक्ष्मी बिष्ट सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गायक दीवान कनवाल के निधन पर शोक

नैनीताल: प्रसिद्ध लोकगायक दीवान कनवाल के निधन पर भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय परिवार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विद्यालय के शिक्षकों, शिक्षिकाओं तथा लोक संस्कृति से जुड़े दर्जनों कलाकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे पहाड़ के लिए बड़ी क्षति बताया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता ने कहा कि दीवान सिंह कनवाल बेहतरीन लोकगायक थे। उनका निधन पहाड़ की लोक संस्कृति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दीवान कनवाल पहाड़ की समृद्ध परंपरा के जीवंत उदाहरण थे। उन्होंने राज्य से बाहर बसे प्रवासी उत्तराखंडियों का भी अपनी लोकगायकी से स्वस्थ मनोरंजन कर उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़ाव का एहसास कराया।

खगोल विज्ञान | नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान के वैज्ञानिक भी कर रहे क्षुद्रग्रह के आसमान में फटने पर शोध

जर्मनी समेत कई देशों में दिखा आसमानी आफत का नजारा

संवाददाता, नैनीताल

आसमान से धरती की ओर गिरते उल्का की तस्वीर।

अमृत विचार: बीते दिनों क्षुद्रग्रह के आसमान में फटने और उसके टुकड़े धरती (जर्मनी) पर गिरने की घटना की वैज्ञानिक समीक्षा नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वैज्ञानिक भी कर रहे हैं। दरअसल, आसमान से आने वाले छोटे चट्टानी पत्थरों से धरती आज भी सुरक्षित नहीं है।

जर्मनी में हुई घटना प्रत्यक्ष इसका उदाहरण है। इस घटना में एक क्षुद्रग्रह घर की छत फाड़कर घर में जा घुसा। गनीमत है कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

क्षुद्रग्रह गिरने की यह घटना तीन दिन पहले की है। शाम के सात बजे एक जलता हुआ क्षुद्रग्रह असमान से पृथ्वी की ओर आता हुआ दिखाई दिया। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, वह असमान में ही फट गया और कई टुकड़ों में बंट गया। जिसमें से एक टुकड़ा जलता हुआ जर्मनी में एक घर की छत फाड़कर अंदर जा घुसा।

इसके अलावा कुछ घरों को भी नुकसान पहुंचा है। पश्चिमी यूरोप में जर्मनी के अलावा फ्रांस, लक्जमबर्ग और नीदरलैंड में भी असमान से आते क्षुद्रग्रह को देखा गया। यूरोपियन स्पेस एजेंसी (इएसए) ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

इस घटना की दर्जनों वीडियो यूरोपीय सोशल मीडिया में छाई हुई है। साथ ही हजारों लोगों ने इस घटना को देखा। जलती हुई चमकीली आसमानी आतिशबाजी की घटना को फायरबॉल कहा जाता। यह आग का गोला होता है, जो आसमान से गिरता हुआ बेहद चमकीला होता है। यूरोपीय नागरिकों ने जमकर इसकी फोटो और वीडियो बनाई और सोसल मीडिया में वायरल की हैं। इएसए के वैज्ञानिक इस घटना की जांच करने में जुट गए हैं। अगले कुछ दिनों में पता चल जाएगा कि यह अंतरिक्ष के किस हिस्से से आया था। वैज्ञानिकों ने इसके साक्ष्य जुटा लिए हैं। इस तरह की घटनाएं अक्सर होती रहती है। वर्ष 2013 में क्षुद्रग्रह गिरने संकड़ों घरों को नुकसान पहुंचा था।

छोटे क्षुद्रग्रहों का जल्द पता नहीं चल पाता

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डा शशिभूषण पांडे के अनुसार छोटे क्षुद्रग्रहों का आसमान से धरती की ओर आने का जल्द पता नहीं चल पाता है। बड़े आकार के क्षुद्रग्रहों का बहुत पहले पता चल जाता है। दस मीटर तक छोटे क्षुद्रग्रह हमारे वातावरण में घुसते ही जलकर नष्ट हो जाते हैं। यदि कोई बच भी गया तो पृथ्वी तक पहुंचने से पहले ही टूटकर बिखर जाता है जो धरती को कुछ हद नुक़सान पहुंचा पाने में सफल हो पाता है। यह घटना भी इसी तरह की रही होगी। जांच के बाद इसकी असलियत सामने आ जाएगी।

पुलिस कांस्टेबल में भर्ती युवाओं को सम्मानित करते सामाजिक कार्यकर्ता मयंक गुप्ता।

कांस्टेबल में चयनित 10 छात्रों को किया सम्मानित

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: उत्तराखंड पुलिस कांस्टेबल भर्ती में 2025-26 मेरिट लिस्ट के अंतर्गत चयनित होनहार अभ्यर्थियों को सामाजिक कार्यकर्ता मंयक गुप्ता ने सम्मानित किया। बुधवार को राणा कोचिंग सेंटर में चयनित छात्र अभिनव सिंह बिष्ट, सौरव बुढ़लाकोटी, पंकज टम्टा, हिमांशु बिष्ट, कमल ढोंडियाल, अजय बिष्ट, दीपक सती, भास्कर सिंह बोहरा, आदि पतलिया, हिमांशु बधानी छात्रों व संचालक सुरेन्द्र राणा, हिमांशु बधानी को सामाजिक कार्यकर्ता मंयक गुप्ता व रितिक गोस्वामी ने माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। गुप्ता ने कहा कि सम्मान समारोह का उद्देश्य न केवल चयनित युवाओं का मनोबल बढाना है, बल्कि उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरित करना भी है।

सिटी ब्रीफ

जसपिंदर नरूला के भजनों से गूंजेगा मंदिर

हल्द्वानी : शीतलाष्टमी महापर्व के अवसर पर आज शीतला देवी मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसकार्यक्रम में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और फिल्म मेकर डॉ. जसपिंदर नरूला अपनी मधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुति देंगी। यह भजन संध्या दोपहर तीन बजे से शुरू होगी। माता के मंदिर में हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, जो भजन कीर्तन और मंदिर की धार्मिक परंपराओं का आनंद लेते हैं। संगीत प्रेमियों और भक्तों के लिए यह अवसर विशेष है, क्योंकि डॉ. जसपिंदर नरूला की प्रस्तुति शीतलाष्टमी महापर्व के पावन माहौल को और भी भक्तिमय बनाएगी।

विज्ञान संचेतना कार्यक्रम में हुए 15 प्रयोग

हल्द्वानी : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से हुए विज्ञान संचेतना कार्यक्रम का समापन बुधवार को हुआ। प्राचार्य सुरेश चंद्र आर्य ने बताया कि कार्यशाला में विज्ञान संबंधित 15 प्रयोग हुए। प्रभारी डॉ. पूरन सिंह बुंगला ने बताया कि बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी।

दुग्ध खरीद मूल्य में दो रुपये लीटर की वृद्धि

नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की गोष्ठी में घोषणा, 15 अप्रैल से दुग्ध उत्पादकों को मिलेंगे बढ़े हुए दाम

● उत्कृष्ट महिला दुग्ध उत्पादकों को किया सम्मानित

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की प्रबंधन कमेटी के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दुग्ध संघ प्रांगण में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान आगामी 15 अप्रैल से दुग्ध उत्पादकों के लिए प्रति लीटर दूध के मूल्य में दो रुपये की बढ़ोतरी करने की घोषणा की गई। साथ ही प्रदेश में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाली हल्द्वानी क्षेत्र की तीन महिला दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया गया।

सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन पर मातृशक्ति को सम्मानित करते दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा व जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल ने कहा कि पिछले सात वर्षों में नैनीताल दुग्ध संघ ने दुग्ध उत्पादकों को मजबूत करने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और सहकारिता व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा के प्रयासों से हजारों दुग्ध उत्पादक किसानों को लाभ मिला है और उनकी आय में वृद्धि हुई है।

दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा ने जनपद की 826 महिला दुग्ध उत्पादकों की उपस्थिति में घोषणा करते हुए कहा कि नैनीताल दुग्ध संघ का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादकों का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि दुग्ध संघ किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा उनके साथ खड़ा रहता है।

कार्यक्रम में संवाद सत्र के दौरान महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ताओं और पुलिस अधिकारियों ने साइबर क्राइम तथा महिला उत्पीड़न से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस अवसर पर जिला योजना से 4.51 लाख रुपये तथा दुग्ध विकास विभाग की ओर से दुग्ध उत्पादकों को चेक वितरित किए गए। महिला डेयरी विकास योजना के अंतर्गत प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली हरिपुर कुंवर सिंह आनंदपुर तोक हल्द्वानी की दुग्ध उत्पादक हिमानी देवी को 25 हजार, द्वितीय स्थान पर पुष्पा देवी को 15 हजार और तृतीय स्थान पर दीपा देवी को 10 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डेयरी विकास विभाग उपनिदेशक संजय उपाध्याय, यूसीडीएफ के आरएम तिवाड़ी, प्रभारी अभियंता राजेन्द्र दुम्का, सहायक प्रबन्धक महिला डेयरी गीता ओझा, खलील अहमद, संचालक मंडल सदस्य गोविंद सिंह मेहता, कृष्ण कुमार शर्मा, किशन सिंह बिष्ट, आनंद सिंह नेगी, दीपा देवी, पुष्पा देवी, खष्टी देवी, हेमा देवी, दीपा देवी रेक्वाल, सामान्य प्रबंधक अनुराग शर्मा, वित्त प्रभारी उमेश पठालनी, पी एंड आई सुभाष बाबू, शांति कोरंगा, धर्मेंद्र सिंह राणा सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाइक पर वीडियो शूट, चपेट में आया रिक्शा चालक, मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

● बाइक चालक भी घायल, पीछे बैठा वीडियो बना रहा युवक फरार

अमृत विचार : रफ्तार का कहर एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। देर रात नैनीताल रोड पर तेज रफ्तार बाइक पर वीडियो बना रहे युवकों की लापरवाही ने एक रिक्शा चालक की जान ले ली। हादसे में बाइक चला रहा युवक भी घायल हुआ, जबकि हादसे के बाद बाइक पर पीछे बैठा वीडियो बनाकर रहा अपने दोस्त और लहूलुहान रिक्शा चालक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

लालडांठ निवासी 25 वर्षीय नरेश सिंह पुत्र हरीश सिंह यहां पिता और बीमार मां के साथ रहता था। फरवरी में ही नरेश ने छोटी बहन की शादी की थी। परिवार के खर्च पूरा करने के लिए वह दिन में एक हॉस्पिटल में काम करता और रात में रिक्शा चलाता था। मंगलवार की रात भी वह रिक्शा लेकर सवारियों के इंतजार में मिनी स्टेडियम गेट के बाहर नैनीताल रोड पर खड़ा था। तभी एक बाइक संख्या यूके 04 एएन 5778 पर सवार दो युवक वीडियो बनाते हुए कालू सिद्ध मंदिर से कोतवाली की ओर जा रहे थे। वीडियो बनाने में मशगूल बाइक सवारों ने सड़क पर ध्यान ही नहीं दिया और बेहद तेजी से आते हुए नरेश को चपेट में ले लिया। नरेश बुरी तरह लहूलुहान हो गया। जबकि बाइक चला रहा मुक्तेश्वर निवासी 24 वर्षीय सूरज बिष्ट पुत्र कुंदन बिष्ट भी घायल हो गया। जबकि बाइक पर पीछे बैठा युवक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को बेस अस्पताल पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर नरेश को एसटीएच रेफर कर दिया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाइक चालक को भी एसटीएच रेफर कर दिया गया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि बाइक और रिक्शा को कब्जे ले लिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

युवाओं को समझना जरूरी : रावत

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजीपीजी महाविद्यालय में आयोजित "युवा आकांक्षा कार्यक्रम : युवाओं की बात हरीश रावत के साथ" में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने युवाओं से संवाद करते हुए उनकी आकांक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

युवा आकांक्षा कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद पूर्व सीएम हरीश रावत व अन्य।

इस अवसर पर हरीश रावत ने कहा कि युवाओं की आकांक्षाओं को समझना आज के दौर में समाज, राज्य और देश के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कई युवाओं ने उनसे आग्रह किया था कि वे युवाओं के साथ बैठकर उनकी बात सुनें, इसी उद्देश्य से वे रामनगर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यदि युवाओं के सुझावों में कोई ऐसी बात सामने आती है जिसमें उनके मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, तो वे उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में धार्मिक मुद्दों, गैरसैंण और पर्यटन नगरी रामनगर व नैनीताल में गैस संकट जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। बदरी-केदार मंदिर समिति द्वारा कुछ मंदिरों में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के प्रस्ताव पर हरीश रावत ने कहा कि इस तरह के मुद्दों को अनावश्यक रूप से प्रचारित किया जा रहा है, जिससे सनातन धर्म की उदार छवि को नुकसान पहुंच सकता है। गैरसैंण विधानसभा भवन को बारातघर के रूप में उपयोग करने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि गैरसैंण से प्रदेश के करोड़ों लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं और ऐसे बयान उन भावनाओं का अपमान हैं। उन्होंने रामनगर और नैनीताल में गैस की किल्लत पर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य सरकार को इस समस्या के समाधान के लिए जल्द कदम उठाने चाहिए। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी रहे।

लेखन और रंगमंच के गुर सीख रहे प्रतिभागी

हल्द्वानी: सरस मार्केट स्थित रमोलिया हाउस में आयोजित लेखन कार्यशाला में साहित्य और रंगमंच से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला 10 मार्च से शुरू हुई है, जो 15 मार्च तक चलेगी। संदर्भदाता अनिल कार्की ने बताया कि प्रतिभागियों को लेखन की बारीकियों से परिचित कराया जा रहा है। आयोजक दिनेश सिंह और अंकित चौधरी के अनुसार यह पहल रचनात्मक लेखन और रंगमंचीय समझ को मजबूत करने का प्रयास है। प्रकाश पांडे, ऐश्वर्या, हर्षिता रौतेला 'बुलबुल', ज्योति चुफाल, मुकुल, आशा पांडे, धीरज पड़ियार व आनंद बसेड़ा आदि ने कहानी लेखन की बारीकियों को समझा। इस दौरान कथाकार संजय खाती की कहानी 'पिंटू का साबुन' का वाचन भी प्रतिभागियों ने किया।

महिलाएं बताएंगी सूखा-गीला कूड़ा अलग करो

● नगर आयुक्त ने वार्ड 11, 37, 41, 42, 51, 52 में सोर्स सेग्रीग्रेशन को लेकर की बैठक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर को स्वच्छ, सुंदर और पॉलीथीन मुक्त बनाने को लेकर नगर निगम में बुधवार को एक बैठक हुई। नगर आयुक्त परितोष वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वयं सहायता समूहों ने हिस्सा लिया।

बैठक में नगर निगम ने पांच स्वयं सहायता समूहों को वार्ड संख्या 11, 37, 41, 42, 51 और 52 में सोर्स सेग्रीगेशन (कूड़ा अलग-अलग करने) के तहत जनजागरूकता अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इन समूहों के माध्यम से लोगों को गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग कर कूड़ा वाहनों को देने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि शहर में वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सके। इस दौरान स्वयं सहायता समूहों को आवंटित वार्डों में स्वच्छता से संबंधित सर्वे कार्य करने और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने को लेकर जानकारी भी दी गई। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में शीघ्र ही बड़े स्तर पर सोर्स सेग्रीगेशन अभियान चलाया जाएगा। इसके जरिये शहर को पॉलीथीन मुक्त बनाने के साथ ही गीले कचरे से जैविक खाद भी बनाई जाएगी। बैठक में वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल, सिटी मिशन मैनेजर अर्चना सहित विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

नगर निगम में आधार केंद्र का शुभारंभ करते मेयर गजराज सिंह बिष्ट। ● अमृत विचार

नगर निगम में खुला आधार केंद्र, मेयर ने किया शुभारंभ

हल्द्वानी : शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम में आधार सेवा केंद्र की शुरुआत की गई है। मेयर गजराज बिष्ट ने बुधवार को आधार केंद्र का शुभारंभ किया। मेयर ने कहा कि नगर निगम कार्यालय में आधार सेवा केंद्र शुरू होने से शहर के लोगों को आधार कार्ड से संबंधित कार्यों के लिए अब इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। यहां आधार कार्ड बनवाने, आधार में नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित अन्य जरूरी संशोधन की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य लोगों को सरल और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि आधार केंद्र से लोगों को सहूलियत होगी।

गिफ्ट और डॉलर का झांसा देकर लाखों ठगे

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : विदेश से आए महंगे गिफ्ट और हजारों डॉलर के लालच में फंस कर महिला दुकानदार ने कुछ ही पल में लाखों रुपए गंवा दिए। इसका एहसास महिला को तब हुआ जब खाते से चार लाख रुपए निकाल कर जालसाज के बताए खातों में डाल दिए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, महिला टीपीनगर क्षेत्र की रहने वाली है और टीपीनगर में ही उसकी कॉस्मेटिक की दुकान है। महिला ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले उसके पास एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को गोवा में कस्टम अधिकारी बताया। साथ ही बताया कि महिला का एक गिफ्ट पैक आया है, जिसमें कीमती गिफ्ट है, लेकिन गिफ्ट हासिल करने के लिए उन्हें भुगतान करना होगा। पहला भुगतान महिला ने 25 हजार का किया। फिर जालसाज का फोन आया और कहा कि गिफ्ट पैक में हजारों डॉलर हैं। इन डॉलर को हासिल करने के लिए उन्हें और रुपए देने होंगे। इसके बाद महिला ने 95 और फिर एफडी तुड़वा कर और दो लाख रुपए जालसाज के बताए बैंक अकाउंट में डाल दिए। इस तरह उसने कुल 4 लाख रुपए जालसाज को दे दिए, लेकिन जब फिर भी गिफ्ट पैक नहीं मिला तो उसे ठगी का एहसास हुआ। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके रिश्तेदार कनाडा में हैं। उसे लगा कि उन्हीं रिश्तेदारों ने गिफ्ट पैक भेजा होगा, इसलिए वह झांसे में आ गई। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आरएन नवोदय स्कूल की प्रवेश परीक्षा 15 को

रामनगर : उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने बताया कि कक्षा 6 में प्रवेश के लिए परीक्षा के साथ ही कक्षा 7, 8, 9 और 11 में प्रवेश के लिए पार्श्व प्रवेश परीक्षा भी इसी दिन होगी। कक्षा 6, 7 व 8 की परीक्षा सुबह 11 से 1 बजे तक है जबकि कक्षा 9 और 11 की परीक्षा सुबह 11 से 1:30 बजे तक होगी। कक्षा 6 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की आयु 1 अप्रैल 2026 को 9 से 13 वर्ष के बीच हो। कक्षा 7 और 8 के लिए आयु 11 से 14 वर्ष, कक्षा 9 के लिए 14 से 16 वर्ष और कक्षा 11 के लिए 16 से 18 वर्ष है। सभी अभ्यर्थियों से अपील है कि समय से परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पत्र के साथ पहुंचें। यदि किसी अभ्यर्थी को प्रवेश पत्रनहीं मिला या खो गया है तो वह परीक्षा के दिन सुबह 9 बजे तक अपने परीक्षा केंद्र पर एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ पहुंचकर नया प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकता है।

संगठनात्मक अभियानों पर चर्चा की

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के नेतृत्व में बुधवार को मुखानी स्थित कुमाऊं संभाग कार्यालय में बैठक हुई। इसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में कार्यकर्ताओं को विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रदेश महामंत्री संगठन ने आगामी संगठनात्मक अभियानों को लेकर चर्चा की तथा आगामी 21 या 22 मार्च को हल्द्वानी में प्रस्तावित भव्य रैली की तैयारियों के संबंध में कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा बलबीर धुनियाल, प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा महेंद्र सिंह नेगी, पिथौरागढ़ जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी, जिला महामंत्री रंजन सिंह बर्गली, विनीत अग्रवाल आदि रहे।

मुखानी स्थित भाजपा दफ्तर में बैठक लेते प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता भगत ने सुनीं जनसमस्याएं

हल्द्वानी : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने बुधवार को घुनी ग्राम सभा में प्रधान गणेश शाह के साथ जन समस्याएं सुनी। उन्होंने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के समाधान के लिए कहा। इस दौरान आन सिंह रावत, गिरीश चंद्र जोशी, राजेंद्र प्रसाद जोशी, महिपाल रौतेला, राम रौतेला, आशा शाही, दीपा बिष्ट, गीता रावत, संतोष धपोला, जानकी सोरागी, यतींद्र शाह, रमेश जोशी, विजय कुमार, सुनीता रावत, भगवती पाठक एवं ललित उपाध्याय रहे।

आरोप : पुलिस कर्मी ने घर बनवाया भुगतान नहीं दिया

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एक ठेकेदार ने पुलिस विभाग में तैनात महिला कांस्टेबल और उसके पति पर मकान निर्माण का कार्य पूरा होने के बाद भी बकाया रकम का भुगतान न करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में ठेकेदार ने एसपी सिटी को लिखित शिकायत देकर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

बेतालघाट निवासी ठेकेदार दिगंबर मेहरा का कहना है कि पिछले वर्ष टीपी नगर क्षेत्र में महिला पुलिसकर्मी और उसके पति के साथ बातचीत के बाद उनके मकान का निर्माण की बात हुई। तय समझौते के अनुसार 1800 रुपये प्रति वर्गफीट की दर से तीन मंजिला भवन का निर्माण किया गया। निर्माण पूरा होने के बाद कुल लागत करीब 42 लाख 60 हजार रुपए आई। ठेकेदार के अनुसार मकान मालिक की ओर से अब तक लगभग 23 लाख रुपये ही दिए गए हैं, जबकि करीब 19 लाख 60 हजार रुपये अभी भी बकाया हैं। उनका कहना है कि भुगतान के लिए कई बार संपर्क करने के बावजूद उन्हें टालमटोल का सामना करना पड़ रहा है।

मेहरा ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण के दौरान सामग्री के भुगतान के लिए उन्हें निजी संपत्ति तक बेचनी पड़ी। उनका कहना है कि प्राधिकरण की रोक के कारण फिलहाल निर्माण भी बंद पड़ा है, जिससे आर्थिक संकट और बढ़ गया है। मामले की शिकायत मिलने के बाद एसपी सिटी मनोज कत्याल ने संबंधित थाना प्रभारी को पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

पहले मैच में इंडिया कैप्टन्स ने बनाए 150 रन

● गौलापार अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में क्रिकेट लीग का आगाज

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बुधवार से क्रिकेट लीग की शुरुआत हो गई। लीग के पहले मुकाबले में इंडिया कैप्टन्स और मुंबई स्पार्टन्स की टीम आमने-सामने रही। मैच को देखने के लिए पहुंचे दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला और खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया गया। टॉस जीतकर इंडिया कैप्टन्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम की शुरुआत खास नहीं रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। निर्धारित 20 ओवर में इंडिया कैप्टन्स की टीम 9 विकेट खोकर 150 रन ही बना सकी। टीम में शामिल दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हासिम अमला भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। अमला मात्र 6 गेंदों में 1 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनका विकेट ईश्वर चौधरी ने लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई स्पार्टन्स की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने शुरुआती ओवरों में ही दो विकेट गंवा दिए। मुकाबले में रोमांच उस समय बढ़ गया जब मुंबई स्पार्टन्स की टीम 97 रन पर ही छह विकेट खो बैठी। 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर दी तोमर का विकेट गिरा, जिसे मौसिफ खान ने अपने नाम किया। गौलापार में पहली बार इस तरह का बड़ा मुकाबला होने के कारण हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

क्रिकेट टूर्नामेंट में शॉट लगाता इंडिया कैप्टन टीम का बल्लेबाज।

रैना और पठान नहीं पहुंचे मैदान में

हल्द्वानी : लीग के आयोजन से पहले चर्चा थी कि भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना और इरफान पठान भी मुकाबला में शामिल होने पहुंचेंगे, लेकिन दोनों खिलाड़ी मैदान पर नहीं पहुंचे। इससे कई प्रशंसकों को निराशा भी हुई।

मात्र 200 दर्शक पहुंचे

करीब 8 हजार दर्शकों की क्षमता वाले गौलापार अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में पहले मैच को देखने के लिए लगभग 200 दर्शक पहुंचे। स्टेडियम के बाहर क्रिकेट प्रशंसकों में खासा उत्साह दिखा। कई दर्शक भारतीय खिलाड़ियों विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की जर्सी खरीदते नजर आए। स्टेडियम के बाहर जर्सी की कीमत 200 से 400 रुपये तक रही।

न्यूरोसर्जन ने स्वयं इस्तीफा किया कंफर्म

हल्द्वानी: राजकीय मेडिकल कॉलेज के न्यूरोसर्जन डॉ. अभिषेक राज ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने स्वयं ही इस बात को कंफर्म किया है।

इससे पूर्व स्वास्थ्य विभाग के न्यूरोसर्जन डॉ. अमित देवल भी इस्तीफा दे चुके हैं। इसके बाद न्यूरोसर्जन डॉ. अखिलेश जोशी ने ज्वाइनिंग की लेकिन राहत मिलने के साथ ही आफत फिर से आ गई। डॉ. अभिषेक ने भी इस्तीफा दे दिया है। एसटीएच में न्यूरोसर्जरी विभाग में स्वास्थ्य सेवाएं लड़खड़ाने के आसार बन रहे हैं। डॉ. अभिषेक ने बताया कि इस्तीफा देने के बाद वह एक माह के नोटिस पीरियड पर हैं, इसके बाद सेवाएं पूरी तरह से समाप्त कर देंगे। ईएनटी सर्जन डॉ. शहजाद ने भी एक सप्ताह पहले ही इस्तीफा दिया है।

जल संस्थान ने काटे 16 बकाएदारों के कनेक्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जल संस्थान ने बकाया जल कर जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कनेक्शन काटने शुरू कर दिए हैं। अब तक 16 से अधिक उपभोक्ताओं के पानी के कनेक्शन काटे जा चुके हैं।

बीते मंगलवार को जल संस्थान की टीम ने इंद्रानगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान जल बिल का लंबे समय से भुगतान न करने वाले 8 बकायेदार उपभोक्ताओं के पानी के कनेक्शन काट दिए गए। टीम ने कई घरों पर जाकर बकाया बिल की जानकारी भी दी और लोगों को जल्द से जल्द भुगतान करने के लिए जागरूक किया। इसके बाद बुधवार को राजपुरा क्षेत्र में भी जल संस्थान की टीम ने अभियान चलाया। यहां भी बकाया बिल जमा न करने वाले 8 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र के अन्य बकायेदारों को भी चेतावनी दी गई कि यदि उन्होंने जल्द बिल जमा नहीं किया तो उनके कनेक्शन भी काट दिए जाएंगे। एई रविन्द्र कुमार ने बताया कि बकाया वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिन उपभोक्ताओं के बिल लंबे समय से बकाया हैं, उनके खिलाफ चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ताओं को पहले नोटिस भी दिए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद बिल जमा न करने पर कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

मिनी स्टेडियम में लगे 14 सीसीटीवी कैमरे

हल्द्वानी : शहर के मिनी स्टेडियम में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर दिया गया है। स्टेडियम परिसर में कुल 14 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो मैदान, दर्शक दीर्घा, दोनों मुख्य प्रवेश द्वारों पर भी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे आने-जाने वाले लोगों की निगरानी आसानी से की जा सकेगी। कैमरों को एक केंद्रीय कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है, जहां से पूरे परिसर की गतिविधियों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। खेल गतिविधियों के दौरान बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक और दर्शक स्टेडियम पहुंचते हैं। ऐसे में नई निगरानी व्यवस्था से सुरक्षा मजबूत होगी। उप जिला क्रीड़ाधिकारी वरूण बेलबाल ने कहा कि सभी की सुरक्षा के लिए यह कदम उठाए गए हैं।

सिटी ब्रीफ

पिता की शिकायत पर पुत्र चाकू के साथ गिरफ्तार

खटीमा : पुलिस ने पिता के साथ मारपीट करने वाले युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को चाकू सहित गिरफ्तार किया है। बरी अंजनियां निवासी चितरंजन विश्वास ने सत्रहमील पुलिस चौकी सत्रहमील पर दी गई तहरीर में कहा है कि उनका बेटा असित विश्वास शराब पीकर घर में झगड़ा कर रहा है और पूर्व में भी वह मुझे चाकू मारकर घायल कर चुका है। आज भी चाकू लेकर घूम रहा है। जिसपर चौकी प्रभारी ललित बिष्ट कांस्टेबल मनोज कुमार के साथ बरी अंजनियां पहुंचे तो चितरंजन ने बताया कि टेढ़ाघाट की ओर गया है और धमकी दे गया है। पुलिस ने टेढ़ाघाट से बरी की ओर जाने वाले रास्ते से असित को धर दबोचा। पुलिस ए उसके कब्जे से रामपुरी चाकू भी बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया।

फायरिंग की झूठी सूचना देने वाला धरा

सितारगंज : शराब के नशे में पुलिस को फायरिंग की झूठी सूचना देना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ पुलिस एक्ट की धारा 81 के तहत कार्रवाई की है। बैगुल, शक्तिफार्म निवासी रनवीर सिंह ने पुलिस को डायल 112 पर फोन कर उसके चाचा द्वारा फायरिंग करने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही शक्तिफार्म पुलिस चौकी से पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला शराब के नशे में रनवीर ने पुलिस को फायरिंग की झूठी शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

वन महोलिया में दो पक्षों के बीच मारपीट

खटीमा : झनकईया थाना क्षेत्र के सीमावर्ती गांव वन महोलिया में 19 फरवरी को हुए विवाद में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस मुकदमा दर्ज किया है। पहले पक्ष की सुनीता ने आरोप लगाया कि जंगल में पेड़ काटने से रोकने पर रवि, महेंद्र व अन्य ने उनके परिवार के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। वहीं, दूसरे पक्ष के रविंद्र का आरोप है कि विपक्षी ओमप्रकाश और गुड्डू आदि ने गन्ने की बुवाई के दौरान उन पर फावड़े और लोहे की रॉड से हमला किया, जिससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बकायेदार की भूमि की नीलामी 17 को

खटीमा : न्यायालय के आदेश पर राजस्व विभाग के एक बकाएदार के हिस्से की भूमि को 17 मार्च को सार्वजनिक रूप से नीलामी की तिथि निर्धारित हुई है। तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण ने बताया कि न्यायालय सीनियर सिविल जज/न्यायिक मजिस्ट्रेट चम्पावत के आदेश के अनुपालन में बकायेदार रमेश चंद्र पांडे के हिस्से की ग्राम मुडेली की धारा 85 दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत नीलाम किया जाना है। यह भी बताया कि बकायेदार रमेश चंद्र पांडे के हिस्से की उक्त भूमि की सार्वजनिक नीलामी 17 मार्च को दोपहर दो बजे तहसील परिसर में की जाएगी।

बेहोशी की हालत में मिला युवक, मौत

रुद्रपुर : सिडकुल ढाल के पास एक युवक बेहोश हालत में पड़ा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल मोहन चंद्र पांडे ने बताया कि बुधवार की दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि सिडकुल ढाल के पास एक युवक बेहोशी की हालत पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने मृतक की शिनाख्त मिलक रामपुर निवासी 25 वर्षीय नितेश पुत्र पर्वत सिंह के रूप में हुई। देर शाम मृतक के परिजन रुद्रपुर पहुंचे। कोतवाल ने बताया कि गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम होगा।

एआई तकनीक से किया जाएगा सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण

सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

- **एसएसपी ने कहा- सभी थाना इंचार्ज दुर्घटना के कारणों की बारीकियों को समझें**

संवाददाता, रुद्रपुर

कार्यशाला के शुभारंभ के दौरान मुख्य अतिथि डीएम, संयुक्त परिवहन आयुक्त, एसएसपी व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय ऊधमसिंह नगर की ओर से शहर के सड़क दुर्घटनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने दीप जलाकर किया। वहीं आरटीओ (प्रशासन) डॉ.गुरुदेव सिंह ने मुख्य अतिथि जिलाधिकारी और विशिष्ट अतिथि संयुक्त परिवहन आयुक्त राजीव कुमार मेहरा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति का स्वागत किया।

बुधवार को रामपुर रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि एआई का प्रयोग कर सड़क दुर्घटनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण कर दुर्घटनाओं में प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण किया जा सकता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सड़क सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने कहा कि सभी थाना इंचार्ज दुर्घटना के कारणों की बारीकियों को समझें और अपने दैनिक कार्यकलापों में उनका प्रयोग कर दुर्घटनाओं के रोकथाम में अपनी प्रभावी भूमिका कर निर्वहन करें।

संयुक्त परिवहन आयुक्त राजीव कुमार मेहरा ने कहा कि जनपद में सम्पन्न इस कार्यशाला का उद्देश्य दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील ऊधमसिंह नगर जनपद में दुर्घटनाओं को न्यूनतम करना है। कार्यक्रम में जेपी रिसर्च इंडिया कंपनी के विशेषज्ञ सुमित ढुल ने साइंटिफिक क्रैश इन्वेस्टिगेशन ऑफ एक्सीडेंट के संबंध में प्रतिभागियों को प्रथम व्याख्यान के रूप में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। सहायक निदेशक, सड़क सुरक्षा परिवहन विभाग नरेश संगल ने रोड सेफ्टी एंड ओवरव्यू ऑन रोड एक्सीडेंट इन उत्तराखंड के संबंध में द्वितीय व्याख्यान के रूप में जानकारी प्रदान की गयी।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को जिलाधिकारी, संयुक्त परिवहन आयुक्त एवं संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा) हल्द्वानी की ओर से प्रमाण पत्र वितरित किए गये। इस अवसर पर संभागीय परिवहन अधिकारी अरविंद कुमार पांडेय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विपिन कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार, मनोज बागोरिया, मोहित कोठारी, नवीन सिंह, पूजा नयाल, संदीप वर्मा, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमा शंकर नेगी के साथ लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय मार्ग खंड, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, वन विभाग, पूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

बाइक सवार दो युवकों ने झपटा लिपिक का पर्स

सितारगंज : नगर में झपटमारी की घटना सामने आई है। जहां रोडवेज बस स्टैंड के सामने अज्ञात बाइक सवार दो युवकों ने नगर पालिका परिषद में कार्यरत महिला लिपिक का पर्स झपटकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने बाइक सवार युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

वार्ड नंबर 6 निवासी हर्षिता पांडेय ने बताया कि वह पालिका परिषद सितारगंज में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। 10 मार्च 2026 को वह अपने मायके (हल्द्वानी) से सितारगंज स्थित कार्यालय आ रही थीं। तभी सुबह करीब 9:45 बजे बिज्टी चौक से पैदल कार्यालय जाते समय रोडवेज बस स्टैंड के सामने बाइक सवार दो अज्ञात युवक जो अपने चेहरे को शॉल से ढके हुआ था। अचानक आए और झपट्टा मारकर उसका पर्स लेकर फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि उसके पर्स में लगभग छह हजार रुपये नगद, कार्यालय संबंधी पेन ड्राइव, डीएससी, दो एटीएम कार्ड और पैन कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज रखे हुआ था। वहीं, पीड़िता ने पेन ड्राइव में मौजूद कार्यालय का डाटा के दुरुपयोग किए जाने आशंका जताई है। वहीं, मामले में पुलिस ने अज्ञात बाइक सवारी युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की जांच की जा रही है।

दैनिक वेतन कर्मचारियों के विनियमितीकरण की मांग

महापौर को ज्ञापन सौंपते देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने नगर निगम में लंबे समय से संविदा और दैनिक वेतन पर कार्यरत कर्मचारियों के विनियमितीकरण की मांग उठाई। साथ ही महापौर विकास शर्मा और नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा।

बुधवार को संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शासन द्वारा निर्धारित नियमावली का हवाला देते हुए नगर निगम में तैनात दैनिक वेतन भोगी, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक और तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों को स्थाई किए जाने की गुहार लगाई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि शहरी विकास निदेशालय उत्तराखंड ने बीते 17 फरवरी 2026 को आदेश जारी किए गए थे। इन निर्देशों के तहत चयन समिति के माध्यम से विनियमितीकरण के लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करनी थी। लेकिन शासन के निर्देशों का अनुपालन रुद्रपुर नगर निगम में अब तक नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारी पिछले दस वर्षों से अधिक समय से संविदा या दैनिक वेतन पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन स्थायीकरण की बाट जोह रहे इन कर्मचारियों का भविष्य अब भी अधर में लटका हुआ है। महापौर ने स्पष्ट किया कि नगर निगम में कार्यरत सभी कर्मचारी निगम परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। इस अवसर पर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के शाखा अध्यक्ष सोनू मुल्तानी, महामंत्री अंकित कुमार, उपाध्यक्ष सुनील कुमार सहित राजपाल चौधरी, परितोष माझी, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

पत्रकारों को जानकारी देते सिटी क्लब में संगठन के एडवोकेट कुलदीप सिंह।

पगड़ी मामले में सिख समाज में आक्रोश

रुद्रपुर : रामपुर जिले के बिलासपुर क्षेत्र में सिख समाज के युवक की पगड़ी उछालने के मामले में लोगों में भारी आक्रोश है। सिख यूथ क्लब ने प्रेस वार्ता कर इस घटना में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। बुधवार को सिटी क्लब में संगठन के कुलदीप सिंह ने कहा कि बीते दिनों कैमरी स्थित शादीपुर गांव में रहने वाले गुरपाल सिंह का किसी से विवाद हुआ था। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने गुरपाल के साथ मारपीट कर पगड़ी का अपमान किया था। इस मामले में पुलिस ने हल्की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का मुकदमा दर्ज करे। इस मामले को गंभीरता से लिया जाए। इस अवसर पर अपार सिंह बेदी, सिमरनजीत सिंह लाडी, हरविंदर सिंह, मंजीत सिंह, दमन प्रीति ग्रोवर, गुरविंदर सिंह गावा, रंजीत चावला आदि मौजूद रहे।

ई-रिक्शा चालकों के साथ मारपीट

रुद्रपुर, अमृत विचार : ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में ई-रिक्शा चालकों के साथ ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। इससे नाराज- रिक्शा चालक ट्रांजिट कैंप कोतवाली पहुंचे। बुधवार को ट्रांजिट कैंप कोतवाली पहुंचे ई-रिक्शा चालकों का कहना था कि नगर निगम के ठेकेदार ने वाहनों में टैग लगाने के लिए कर्मचारी रखे हैं, लेकिन ये कर्मचारी आये दिन अराजकता व मारपीट पर उतारू रहते हैं। बुधवार को टैग लगाने पर कर्मचारियों व ई-रिक्शा चालक के बीच बहस हो गई। इससे गुस्साए कर्मचारियों ने ई-रिक्शा चालक के सिर पर वार कर दिया। जिससे चालक लहूलुहान हो गया। वहीं महापौर विकास शर्मा ने बताया कि ठेकेदार के किन कर्मचारियों ने मारपीट की, जांच की जाएगी।

टीम ने किया आकांक्षी ब्लॉक गदरपुर का भ्रमण

- **मलकीत डेरी, ब्रीड मल्टीप्लिकेशन फार्म समेत कई स्थानों का किया निरीक्षण**
- **टीम ने निरीक्षण के दौरान कार्यों की सराहना की**

संवाददाता, रुद्रपुर/गदरपुर

आकांक्षी ब्लॉक में निरीक्षण के दौरान जानकारी लेती भारत सरकार की टीम।

अमृत विचार: नीति आयोग भारत सरकार की ओर से जनपद के गदरपुर विकास खंड आकांक्षी ब्लॉक चयनित है। वहीं निदेशक कोयला मंत्रालय भारत सरकार दीपक गोयल और डिप्टी सेक्रेटरी डिफेंस भारत सरकार संजय कुमार की टीम ने आकांक्षी ब्लॉक गदरपुर का भ्रमण कर विभिन्न कार्यों योजना कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

बुधवार को निरीक्षण के दौरान कोयला मंत्रालय भारत सरकार की टीम ने मलकीत डेरी एवं ब्रीड मल्टीप्लिकेशन फार्म ग्राम रजपुरा नंबर-2 गदरपुर, राजकीय प्राथमिक विद्यालय रजपुरा, आंगनबाड़ी केंद्र रजपुरा नंबर-1, अक्षयपात्र किचन गदरपुर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर आदर्श नगर गदरपुर, विशाल मंडल ने नारायणपुर में बर्मी कम्पोस्ट, पुष्प उत्पादन, मत्स्य पालन व ग्राम पिपलिया में अमृत सरोवर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से आकांक्षी ब्लॉक के सभी परिजन शत-प्रतिशत योजनाओं से लाभान्वित होकर शिक्षा, स्वास्थ्य व अपनी आजीविका मजबूत कर अपने जीवन स्तर बेहतर करते हुए मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं की विस्तृत जानकारियां ली। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने आकांक्षी विकास खंड में किये जा रहे योजना कार्यों व उनके क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारियां निरीक्षण के दौरान दी।

इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.आशुतोष जोशी, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. वीके यादव, मुख्य उद्यान अधिकारी एसके शर्मा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.एसपी सिंह, सहायक निदेशक मत्स्य संजय छिम्वाल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जमील, जिला कार्यक्रम अधिकारी मुकुल चौधरी, खंड विकास अधिकारी आतिया परवीन आदि मौजूद रहे।

महिंद्रा कंपनी में मनाया महिला दिवस

संवाददाता, रुद्रपुर

महिंद्रा ट्रैक्टर कंपनी में महिला दिवस पर जश्न मनातीं कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के महिंद्रा ट्रैक्टर कंपनी ने मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में महिला कर्मचारियों के समर्पण और नेतृत्व का सम्मान करते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस दौरान 150 महिला कर्मचारी मौजूद रही।

प्लांट प्रमुख धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि यह प्लांट समावेशी और भविष्य के लिए तैयार मैन्युफैक्चरिंग के प्रति महिंद्रा की प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है। पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित कंट्रोल वाल्व विभाग अब प्रतिदिन 250 कंट्रोल वाल्व और हाइड्रोलिक असेंबली का उत्पादन कर रहा है, जो उनकी सटीकता, अनुशासित निष्पादन और उच्च उत्पादकता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष संयंत्र ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्थापना के बाद से अब तक यहां से कुल 10 लाख ट्रैक्टरों का उत्पादन किया जा चुका है जो महिंद्रा के विनिर्माण नेटवर्क में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को और सुदृढ़ करता है। विनिर्माण क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करने पर महिंद्रा का लंबे समय से विशेष ध्यान रहा है। इस अवसर पर निर्माण प्रमुख (मैन्युफैक्चरिंग हेड) रोहित बैतमंगलकर, उप महाप्रबंधक(ईआर एंड डी) रमन कुमार, प्रबंधक (ईआर एंड डी) कविता, सुधीर खंतवाल, संदीप समेत कई लोग मौजूद रहे।

50 लाख और फॉर्च्यूनर के लिए विवाहिता का उत्पीड़न

बाजपुर: दहेज की वेदी पर एक और विवाहिता को चढ़ाने का प्रयास किया गया। 50 लाख की नगदी और फॉर्च्यूनर कार की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों द्वारा मारपीट जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर पति, सास-ससुर और दो जेठ समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। दोराहा चौकी क्षेत्र की निवासी पीड़िता के अनुसार, उसका विवाह 10 फरवरी 2019 को हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही ससुरालियों ने अतिरिक्त धन की मांग शुरू कर दी। पीड़िता ने वर्ष 2025 में जबरन गर्भपात कराए जाने की बात भी कही है। पुलिस ने शेख आसिफ हुसैन (पति), शहनाज (सास), हामिद हुसैन (ससुर), फिराज व आमिर हुसैन (जेठ) और मलका (जेठानी) के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोदी मैदान में इंडोर स्टेडियम की मांग

- **विधायक शिव अरोरा ने सीएम धामी को सौंपा ज्ञापन**

संवाददाता, रुद्रपुर

सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गैरसैंण विधानसभा सत्र के दौरान विधायक शिव अरोरा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर मोदी मैदान में इंडोर आउटडोर स्टेडियम निर्माण को लेकर लिखित पत्र देकर अतिशीघ्र निर्माण आरंभ करने की मांग की। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जल्द से जल्द धनराशि जारी कर पहले चरण का कार्य आरंभ कराने का भरोसा दिया।

बुधवार को सत्र के दौरान मुख्यमंत्री धामी से मुलाकात के दौरान विधायक अरोरा ने कहा रुद्रपुर क्षेत्र जो औद्योगिक राजधानी भी कही जाती है। वहीं यहां लोगों की बसावट बहुत तेजी से हो रही है। ऐसे में मनोज सरकार स्टेडियम में लगातार जिला व राज्य स्तरीय खेल गतिविधि चलती रहती है। जिसके चलते स्थानीय बच्चों के शारीरिक, मानसिक विकास के लिए खेल का कोई मैदान नहीं है। उन्होंने बताया कि हाल में मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेल का सफल आयोजन हुआ जो यह बताता है धामी सरकार खेल भावना व खिलाड़ियों को लेकर सदैव गंभीर रहती है। ऐसे मे मोदी मैदान में खेल गतिविधि के लिए इंडोर आउटडोर स्टेडियम निर्माण के लिए अतिशीघ्र धनराशि जारी कर टेंडर प्रकिया करवा कर खेल स्टेडियम का निर्माण कार्य आरंभ करवाएं। जिससे युवा पीढ़ी व बच्चों के उज्जवल भविष्य को देखते हुए एक सुंदर भाव इनडोर आउटडोर स्टेडियम रुद्रपुर में बनाया जा सके।

कार्यालय-प्रधानाचार्य राजकीय आश्रम पद्धति उ०मा० विद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर

पत्रांक : C-401/आ०प०वि०/प्र०वि०/2025-26 दिनांक : 11 मार्च, 2026

प्रवेश विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशालय जनजाति कल्याण उत्तराखण्ड देहरादून, द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति उ०मा० विद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर वर्तमान में कक्षा-6 से कक्षा-10 तक संचालित है, जिसमें उत्तराखण्ड राज्य में स्थाई रूप से निवासरत् अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिये शासन द्वारा भोजन, आवास, विद्यालय ड्रेस तथा पठन-पाठन सामग्री दिये जाने का प्रविधान है। जिसमें नवीन शिक्षण-सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6 एवं परिवर्ती कक्षाओं में रिक्त स्थानों के सापेक्ष दिनांक 12.03.2026 से 07.04.2026 तक अनुसूचित जनजाति के छात्रों एवं अनुसूचित जनजाति की विशेष आवश्यकता (CWSN) छात्रों हेतु पंजीकरण कार्यालय अवधि में किया जायेगा तथा दिनांक 08.04.2026 को प्रातः 11:00 बजे प्रवेश समिति के सम्मुख चिट पिकिंग (CHIT PICKING) द्वारा चयनित छात्रों को शैक्षिक अभिलेखों के सही पाये जाने पर प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश के सम्बन्ध में कार्यालय अवधि में जानकारी प्राप्त कर सकते है। स्थान रिक्त होने की दशा में अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रवेश दिया जा सकता है।

मो०नं०- (9675489896, 7060252377, 9411199915)

प्रधानाचार्य
राजकीय आश्रम प०उ०मा० विद्यालय
खटीमा, ऊधम सिंह नगर

जिला समाज कल्याण अधिकारी
ऊधम सिंह नगर

पहल गौशाला के निर्माण से लोगों को पशुओं के जमावड़े और दुर्घटनाओं से मिलेगी निजात

लंबाखेड़ा में निर्माणाधीन गौशाला को मिली 84 लाख की धनराशि

संवाददाता, रुद्रपुर

- **महापौर बोले-स्वीकृत धनराशि से गौशाला के बुनियादी ढांचे को किया जाएगा सुदृढ़**

महापौर विकास शर्मा।

अमृत विचार: शहर की सड़कों पर बढ़ते आवारा पशुओं के जमावड़े और उनसे होने वाली दुर्घटनाओं से शहर के लोगों को जल्द निजात मिलने वाली है। महापौर विकास शर्मा के प्रयासों से शासन ने लंबाखेड़ा में निर्माणाधीन गौशाला के विस्तार के लिए 84.216 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति दे दी है।

बुधवार को महापौर शर्मा ने बताया कि नगर निगम की ओर से लंबाखेड़ा क्षेत्र में एक विशाल गौशाला का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य शहर के निराश्रित पशुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित आश्रय प्रदान करना है। परियोजना के प्रारंभिक चरण के लिए पूर्व में शासन ने 3.69 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी। निर्माण कार्य को और विस्तार देने तथा भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए निगम प्रशासन ने 210.54 लाख रुपये का एक नया प्रस्ताव शासन को भेजा था।

उन्होंने बताया कि प्रस्ताव के सापेक्ष शासन ने कुल लागत का 40 प्रतिशत यानि 84.216 लाख रुपये जारी करने की अनुमति दे दी है। इस धनराशि का उपयोग गौशाला के भीतर बुनियादी ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने में किया जाएगा। इसके तहत जहां एक ओर निराश्रित पशुओं के लिए आधुनिक शेडों की संख्या बढ़ाई जाएगी। वहीं दूसरी ओर चारे के समुचित भंडारण के लिए बड़े गोदामों का निर्माण भी किया जाएगा। गौशाला परिसर में ही बीमार या चोटिल पशुओं के त्वरित उपचार और टीकाकरण की विशेष व्यवस्था भी की जा रही है। ताकि उन्हें एक ही स्थान पर सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

महापौर ने कहा कि गौशाला का निर्माण अब अंतिम चरण में है। जल्द इसे गोसेवा के लिए समर्पित कर दिया जाएगा। इस गौशाला के पूर्ण रूप से सक्रिय होने के बाद रुद्रपुर की सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण लगने वाले जाम और आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में रुद्रपुर के विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। आने वाले समय में शहर की कायाकल्प करने वाली कई अन्य बड़ी योजनाओं को भी धरातल पर उतारा जाएगा।

सुबह से लाइन में खड़े, नंबर आया तो सिलेंडर खत्म

गैस सिलेंडर नहीं मिलने से लोगों में आक्रोश, इंडेन गैस एजेंसी में प्लांट से दो वाहनों में पहुंचे 666 सिलेंडर, लोग हो रहे परेशान

संवाददाता, रुद्रपुर

रुद्रपुर में गैस सिलेंडर के लिए लाइन में लगे लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में चल रहे तनाव के चलते गैस सिलेंडरों के दाम बढ़ने के साथ ही गैस सिलेंडरों की आपूर्ति भी कम हो गयी है। इसके चलते लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडरों को लेकर सुबह से लोगों की लाइन लग रही है। वहीं सिलेंडर नहीं मिलने से लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है।

बुधवार को सुबह से ही काशीपुर बाईपास रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी में सुबह से ही उपभोक्ताओं की कतार लगनी शुरू हो गयी थी। इस दौरान एजेंसी के पट्टी प्लांट काशीपुर से सुबह गैस सिलेंडरों के दो वाहन गैस सिलेंडर लेकर पहुंचे। एक वाहन में 306 गैस सिलेंडर और दूसरे वाहन में 360 गैस सिलेंडर रखे हुए थे। सुबह 8 बजे से लोगों को गैस सिलेंडर दिए गये। जिन लोगों की पहले से बुकिंग थी उन्हें पहले सिलेंडर दिए गये। जबकि कई लोगों को बगैर सिलेंडर के भी वापस जाना पड़ा। इससे सुबह से लाइन में लगे लोगों में आक्रोश भी देखा गया। लोगों का कहना था कि घर का सारा काम छोड़कर सुबह 8 बजे से लाइन में लगे हुए हैं, जब उनका नंबर आया तो गैस सिलेंडर ही खत्म हो गये। उनका आरोप था कि एजेंसी की ओर से गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी भी नहीं हो रही है। अगर होती तो ऐसी स्थिति नहीं आती।

वहीं एजेंसी प्रबंधन का कहना है कि डिमांड के हिसाब से प्लांट से सिलेंडर नहीं पहुंच रहे हैं। चार गाड़ियों की डिमांड भेजी गयी थी। इसमें से प्लांट से दो ही वाहन पहुंचे हैं। दोबारा से तीन गाड़ियों की डिमांड भेजी गयी है। यहां बता दें कि रुद्रपुर शहर में घरेलू गैस सिलेंडर धारकों की संख्या 20400 है, जबकि कॉमर्शियल गैस सिलेंडर धारकों की संख्या 600 के करीब है।

सुबह से खराब रहा इंडेन गैस एजेंसी का सर्वर, नहीं हुई बुकिंग

रुद्रपुर : इंडेन गैस प्रबंधन के अनुसार अभी तक एजेंसी में करीब 1055 लोगों ने गैस सिलेंडरों की बुकिंग करा रखा थी। जबकि बुधवार को सुबह से ही सर्वर खराब होने के कारण एक भी बुकिंग नहीं हुई है। सर्वर खराब होने के कारण प्लांट को ऑनलाइन डिमांड भी नहीं भेजी गयी।

घरेलू गैस सिलेंडरों के दाम 60 तो कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के बढ़े 115 रुपये

रुद्रपुर : इंडेन गैस एजेंसी प्रबंधन के अनुसार 7 मार्च से घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के दामों में वृद्धि हुई है। घरेलू गैस सिलेंडरों में 60 रुपये और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों में 115 रुपये की वृद्धि हुई है। एजेंसी प्रबंधन के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर 6 मार्च तक 873 रुपये में मिल रहा था वह अब 933 रुपये में मिल रहा है, जबकि कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पहले 1850 रुपये में मिल रहा था जो अब 1965 रुपये में मिल रहा है।

प्लांट को तीन गाड़ियों की डिमांड भेजी गयी थी, लेकिन दो गाड़ियां ही पहुंचीं। इसमें 666 गैस सिलेंडर थे, जो बुकिंग के अनुसार वितरित कर दिए गए हैं। जबकि प्लांट को तीन गाड़ियों की डिमांड और भेजी गयी है। अगर दो तीन दिन दो-दो गाड़ियां आ जाएं तो लोगों की समस्या का समाधान हो जाएगा। सभी लोग धैर्य रखें एक-दो दिन में सभी को सिलेंडर मिल जाएंगे।

-प्रमोद पांडे, प्रबंधक, इंडेन गैस एजेंसी रुद्रपुर

यदि एक-दो दिन के भीतर एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो शहर के कई होटल और रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। होटल और रेस्टोरेंट बंद होने से इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा। प्रशासन और संबंधित विभाग एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति जल्द से जल्द सुचारु करे, ताकि आम जनता और व्यापारियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

-संजय जुनेजा, व्यापार मंडल अध्यक्ष, रुद्रपुर

केलाखेड़ा में पुलिस की निगरानी में गैस सिलेंडर बांटते एजेंसी कर्मी।

गैस सिलेंडर वितरण के दौरान भारी हंगामा

बाजपुर : केलाखेड़ा नगर में साप्ताहिक हाट बाजार के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर के वितरण को लेकर जमकर अफरातफरी मची। गैस वितरण वाहन के पहुंचते ही उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसे नियंत्रित करने के लिए स्थानीय पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। हंगामे की मुख्य वजह बुकिंग को लेकर रही। वितरण कर्मियों ने साफ कर दिया कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले से बुकिंग नहीं कराई है, उन्हें सिलेंडर नहीं दिया जाएगा। इस घोषणा से मौके पर मौजूद महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों में रोष फैल गया। कई उपभोक्ता सिलेंडर पाने के लिए वितरकों से उलझते और जद्दोजहद करते नजर आए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को शांत कराया, जिसके बाद ही वितरण कार्य आगे बढ़ सका। हालांकि, बुकिंग न होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों को खाली हाथ ही लौटना पड़ा। उपभोक्ताओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि बुकिंग अनिवार्य की सूचना पहले दी गई होती, तो इस अव्यवस्था से बचा जा सकता था।

जनपद में रसोई गैस सिलेंडरों के वितरण में किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। गैस सिलेंडर बुक कराने वालों को पहले की तरह होम डिलीवरी के माध्यम से घर पर ही गैस उपलब्ध करायी जाएगी। इसके स्टॉक को लेकर बैठक की गयी है और व्यवस्था की गयी है। गैस सिलेंडर को लेकर पैनिक होने की जरूरत नहीं है।

-नितिन सिंह भदौरिया, डीएम, ऊधमसिंह नगर

डीएम ने लोगों से संयम बरतने की अपील की

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने गैस सिलेंडर की वर्तमान स्थिति को देखते हुए जनपदवासियों से संयम और सहयोग बनाने की अपील की है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आवश्यक आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ आपूर्ति को सुचारू बनाये रखने के संबंध में बैठक की। उन्होंने बताया कि जनपद में सभी गैस एजेंसियों पर उपजिलाधिकारियों द्वारा भ्रमण किया जा रहा है और जनता को सही जानकारी दी जा रही है कि आपूर्ति में किसी तरह का कोई संकट नहीं है। अनावश्यक परेशान न हो एवं किसी भी अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैस की कालाबाजारी, ओवर रेटिंग, रिफिलिंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें।

जिलाधिकारी ने लोगों से अनुरोध किया कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता से अधिक गैस सिलेंडर का भंडारण करने से बचें। ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि जनपद के प्रत्येक उपभोक्ता तक गैस की आपूर्ति नियमित रूप से पहुंचती रहे। उन्होंने कहा कि गैस एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी नागरिक को गैस वितरण से संबंधित कोई समस्या आती है तो वह संबंधित एजेंसी या प्रशासन को सूचित कर सकता है। ताकि त्वरित समाधान किया जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, जिला पूर्ति अधिकारी विनोद चंद्र तिवारी, सुधांक सक्सेना, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार का पुतला फूंका

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर में प्रदेश सरकार का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: एलपीजी गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों को कम करने, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदेश सरकार का पुतला आग के हवाले किया। इस से पूर्व नगर में विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्य बाजार से नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला गया।

बुधवार को कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेस महिला व पुरुष कार्यकर्ता एकत्र हुए। जहां से हाथों में पार्टी का झंडा व स्लोगन लिखी तख्ती लेकर मुख्य बाजार से प्रदर्शन करते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक पहुंचे। कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने अचानक एलपीजी सिलेंडरों के दामों में काफी बढ़ोतरी करती है। जिसका असर आम जनता पर पड़ रहा है। जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास ने कहा कि सरकार के 25 दिन बाद सिलेंडर की बुकिंग करने व सात दिन बाद मिलने से रसोई गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी व जमाखोरी होने लगी है। जिसका असर गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को पढ़ रहा है। पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने कहा सरकार की अनदेखी से रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर उपभोक्ता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को सिलेंडर गैस की बुकिंग व वितरण व्यवस्था पर नजर रखनी चाहिए। संचालन नगराध्यक्ष नारायण हालदार ने किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष नित्यानंद मंडल, युवा नेता किशोर हालदार, अजय राय, विनोद राजपूत, हर्षवर्धन पवार, संजना विश्वास, कृष्णा शील, कमला विश्वास, गौरी मंडल, कल्याणी विश्वास, कंचन मंडल, सुमित्रा ढाली, रीना बैरागी, पूनम सागर, भोलानाथ स्वर्णकार, राकेश बाठला, बृजमोहन, काशीनाथ गुप्ता, बृजेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में गैस एजेंसी का सर्वर रहा डाउन

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर की गैस एजेंसी में बुकिंग के लिए जानकारी लेते उपभोक्ता।

अमृत विचार: समय से सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान उपभोक्ताओं को अब सरकारी गैस एजेंसी के सर्वर डाउन होने से दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। सर्वर डाउन होने के चलते लोगों की बुकिंग नहीं हो पा रही है। ऐसे में लोग गैस एजेंसी की दौड़ लगा रहे हैं। गैस की बुकिंग न हो पाने और समय पर सिलेंडर उपलब्ध न होने से नाराज लोगों ने बुधवार को काशीपुर गैस सर्विस कार्यालय पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया।

सरकारी काशीपुर गैस एजेंसी में जहां बैकलॉग लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं मांग के अनुसार पूर्ति नहीं होने से उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार के बाद बुधवार को भी तीन गाड़ियों की डिमांड की जगह एक ही वाहन गैस सिलेंडर लेकर काशीपुर गैस एजेंसी पहुंचा। इधर पहले से ही सिलेंडर समय से नहीं मिलने से परेशान दर्जनों उपभोक्ता गुरुवार को बुकिंग नहीं होने के चलते गैस एजेंसी पहुंचे। जहां एजेंसी में तैनात कर्मचारियों ने बताया कि तीन दिन से सर्वर में दिक्कत आने से बुकिंग नहीं हो पा रही है। वहीं पर्ची भी नहीं निकल पा रही है। गैस एजेंसी के स्टोर इंचार्ज देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि बुधवार को भी केवल एक वाहन 360 सिलेंडर लेकर पहुंचा। बताया कि सर्वर डाउन होने के कारण गैस की बुकिंग होने में दिक्कत आ रही है। लेकिन जिनकी बुकिंग पहले हो चुकी है, उनकी हाथ से पर्ची बनाकर दी जा रही है।

पूर्ति निरीक्षक ने किया गोदामों का निरीक्षण

काशीपुर : काशीपुर खाद्य पूर्ति विभाग का अतिरिक्त भार देख रहे बाजपुर पूर्ति निरीक्षक विपिन चंद्र पाठक ने घरेलू सिलेंडरों की कमी होने की सूचना पर काशीपुर गैस एजेंसी, नेहा गैस एजेंसी, निर्भया गैस एजेंसी और साईं गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। इस दौरान एजेंसी अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की किल्लत नहीं है। केवल कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। पूर्ति निरीक्षक पाठक ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर वितरण की कोई दिक्कत सामने नहीं आई है।

बाइक की टक्कर से सुरक्षा गार्ड की मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किच्छा रोड पर ड्यूटी के दौरान पास के होटल में खाना खाने जा रहे सिक्योरिटी गार्ड को गलत दिशा से तेज रफ्तार से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल गार्ड को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं गार्ड की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में मोहल्ला महोदवपुरम कस्बा व थाना, बहेड़ी बरेली निवासी निर्मला देवी ने बताया कि उनके पति योगेंद्र कुमार लालपुर की स्प्रिंग डेल कॉलोनी में सिक्योरिटी गार्ड थे। 3 मार्च को ड्यूटी के दौरान पति पास के होटल में खाना खाने जा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार बाइक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से पति को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां गंभीर हालत को देखते हुए अस्पताल में भर्ती करने से मना कर दिया गया। इसके बाद घायल को जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

बाइक लूटी, पुलिस टीम पहुंची तो झोंका फायर

- पुलिस की जवाबी फायरिंग के बाद खेतों में भागे तीन आरोपी
- आरोपी के पिता को किया गिरफ्तार, लूटी बाइक बरामद

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : बाइक लूट की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने फायर झोंक दिया। आत्मरक्षा में पुलिस को भी जवाबी फायरिंग करनी पड़ी। घटना के बाद तीन आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि पुलिस ने एक आरोपी के पिता को गिरफ्तार कर लूटी गई बाइक को बरामद कर लिया है।

मंगलवार शाम को गांव लामाखेड़ा निवासी अरुण सिंह राणा ने पुलिस को सूचना दी कि वह अपनी बाइक से गांव औदली स्थित पेट्रोल पंप जा रहा था। तभी रास्ते में गांव भरौनी निवासी गुरमीत सिंह और उसके एक साथी ने गर्दन में तलवार रख कर उसे डरा-धमकाया और उसकी बाइक लूटकर फरार हो गया।

सूचना पर एसआई ललित चौधरी और एएसआई राकेश रौंकली घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पीड़ित अरुण सिंह राणा ने दोनों आरोपियों के गांव भरौनी की ओर भागने की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस टीम पूछताछ करते हुए आरोपी गुरमीत सिंह के घर पहुंची।

एसआई ललित चौधरी ने बताया कि जैसे ही आरोपियों ने पुलिस टीम को उसके घर की ओर आता देखा तो वह घबरा गए। आनन-फानन में पिता मोहन सिंह के पुलिस टीम पर हमला करने के लिए कहने पर आरोपी गुरमीत और उसका साथी घर के अंदर से एक तलवार और एक पाटल ले आया। पुलिस के आत्मसमर्पण के लिए कहने पर आरोपी गुरमीत ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। फायर मिस होने से पुलिसकर्मियों की जान बच गई। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी दो राउंड फायरिंग की। जिससे घबराकर चारों आरोपी खेत की ओर भाग निकले। बाद में पुलिस ने आरोपियों का पीछा कर आरोपी गुरमीत के पिता मोहन सिंह (68) को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि आरोपी गुरमीत सिंह, मक्खन सिंह और उसका एक साथी भागने में कामयाब हो गया। वहीं, पूछताछ में पिता मोहन सिंह ने बताया कि गुरमीत और मक्खन उसके बेटे हैं। जबकि तीसरा साथी इंद्रजीत उर्फ दिलबाग है। बेटे गुरमीत और इंद्रजीत ने मिलकर बाइक लूटी थी। जिसे वह घर लेकर आया था। बेटा मक्खन सिंह घर पर ही था। बताया कि हम बाइक छुपाने की बात कर रहे थे। तभी पुलिस पहुंच गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग किया था। वहीं, पुलिस ने लूटी गई बाइक को मौके से बरामद कर लिया है।

सीओ बीएस धौनी ने बताया कि आरोपियों की तलाशी के लिए पुलिस टीम कांम्बिंग कर रही है। जल्द ही, आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

झूलते विद्युत तार में फंसा ओवरलोड लकड़ी से भरा ट्रक। ● अमृत विचार

झूलते विद्युत तार से उलझा ओवरलोड ट्रक

शक्तिफार्म : ग्राम सभा बैकुंठपुर से मंगलवार देर शाम ओवरलोड लकड़ी लेकर आ रहा ट्रक नगर के सुभाष चौक के पास, टैगोर नगर मार्ग पर झूल रहे विद्युत तार से उलझ गया। ट्रक के तार से टकराते ही विद्युत खंभे के साथ-साथ, नगर पंचायत द्वारा लगाए गए स्ट्रीट लाइट के खंभे भी टूटकर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते लोगों ने विद्युत विभाग को सूचना दे दी, जिसके बाद विभाग द्वारा तत्काल विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। बाद विद्युत कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत कर देर रात विद्युत व्यवस्था को पुनः सुचारु किया। सभासद विक्रम सिंह भंडारी ने कहा कि मार्ग पर लंबे समय से विद्युत तार नीचे की ओर झूल रही थी, जिसकी सूचना कई बार विभाग को दी गई थी, लेकिन समय रहते इसे ठीक नहीं किया गया।

खेल

शांतिपुरी नंबर चार चंद्रपुरी में आदर्श वॉलीबॉल क्लब के तत्वावधान में ग्रामीण स्तरीय टूर्नामेंट का आयोजन

बिंदुखत्ता ने जीता वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच

संवाददाता, शांतिपुरी

शांतिपुरी नंबर चार चंद्रपुरी में आयोजित ग्रामीण स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का फीता काटकर शुभारंभ करते कमल धानिक।

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर चार चंद्रपुरी में आदर्श वॉलीबॉल क्लब के तत्वावधान में आयोजित ग्रामीण स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच बिंदुखत्ता और पंतनगर बेनी की टीम के बीच खेला गया।

रोमांचक मुकाबले में बिंदुखत्ता की टीम ने पंतनगर बेनी को 15-14, 9-15 और 15-11 के तीन सेटों में दो-एक के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। इससे पूर्व टूर्नामेंट का शुभारंभ छोटा केदार धाम देवरिया के प्रधान पुजारी व उत्तराखंड वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष कमल धानिक तथा उत्तराखंड ओलंपिक संघ के प्रांतीय महासचिव डॉ. डीके सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। ग्रामीण स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने प्रतिभाग किया। आयोजन समिति के सदस्य भैया कोरंगा ने बताया कि 12 मार्च से दो दिवसीय अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर की नामी टीमें भाग लेंगी। इस अवसर पर प्रधान बचुली देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य गंगा दानू, दुग्ध संघ डायरेक्टर इंदर मेहता, पूर्व प्रधान दीपा ललित कांडपाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद कोरंगा, पूर्व प्रधान रोहित तिवारी, पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख नीरज टाकुली, पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष सूबेदार मेजर लाल सिंह कोरंगा, ललित बिष्ट, निखिल कोरंगा उर्फ भैया, बसंत तिवारी, नारायण सिंह बिष्ट, कैप्टन देवेंद्र सिंह कोरंगा, अशोक जोशी, राजेंद्र पटवाल, ईश्वर सिंह दानू, टीका सिंह नेगी, नेत्र सिंह टाकुली, प्रकाश सिंह कोरंगा, भूपेश बिष्ट, यशु कोरंगा मौजूद रहे।

महिलाएं अधिकारों के लिए हों जागरूक

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर में महिलाओं को जागरूक करतीं एक्शन एड एसोसिएशन की महिलाएं।

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक्शन एड एसोसिएशन के तत्वावधान में बंगाली समुदाय की महिलाओं का सम्मेलन आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने नगर में जागरूकता अभियान चलाया।

बुधवार को महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए एक्शन एड एसोसिएशन की हीरा जंगपांगी रौतेला ने महिला दिवस के इतिहास पर कहा कि सौ साल पूर्व 8 मार्च 1908 को अमेरिका के न्यूयार्क शहर में काम के घंटे कम करने वेतन बढ़ाने और वोट देने का अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर हजारों महिला मजदूरों ने प्रदर्शन किया था। इसी प्रेरणा को लेकर 1910 में डेनमार्क के कोपेनहेगन शहर में समाजवादी महिलाओं के अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में हर वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय मजदूर महिला दिवस मनाने का एलान किया था। इस मौके पर सभासद सविता बैरागी, शिखा ढाली, प्रीति, रिंकी, सावित्री, अनिमा, मीना मंडल, झरना, शिवानी, रेनू बाला, प्रियांशी, साबिता मंडल, पिंकी, ललिता, रिंकी बिमला, प्रिया, संगीता आदि मौजूद रहीं।

सिटी ब्रीफ

मौसम ने ली करवट सुबह छाया कोहरा

काशीपुर : मौसम ने एक बार फिर से करवट बदली और बुधवार सुबह ग्रामीण क्षेत्र में कोहरा छाया। कोहरा करीब आठ बजे तक बना रहा है, हालांकि बाद में आसमान में बादल छाये रहे। दोपहर बाद मौसम साफ हुआ और धूप खिली। सोमवार और मंगलवार को दिनभर आसमान में बादल छाये रहे, लेकिन तापमान में बढ़ोत्तरी हुई। इसी तरह बुधवार को भी तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। मौसम के जानकारों के अनुसार, आगामी दिनों में तापमान में बढ़ोत्तरी होगी और मौसम साफ रहेगा।

समाजसेवी एसपी गुप्ता का मनाया जन्मदिन

काशीपुर : बाजपुर रोड स्थित सत्ता जी के बाग में टी-20 क्लब के तत्वावधान में क्लब सदस्य 86 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी एसपी गुप्ता का जन्म दिन पगड़ी पहनाकर बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मौजूद अतिथियों ने उन्हें बुके भेंट कर उन्हें स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। वहां पर गुरनाम सिंह, सर्वेश यादव, अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन प्रदेश उपाध्यक्ष कौशलेश गुप्ता, शम्भूनाथ अग्रवाल, बृजेश कुमार गुप्ता, चक्रेश जैन, सुरेश गोयल, राकेश कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

निगम चलाएगा मलबा हटाने का अभियान

काशीपुर : नगर निगम काशीपुर द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से "सिल्ट एवं मलबा हटाने का विशेष अभियान" चलाया जाएगा। यह कार्यक्रम गुरुवार सुबह 8 बजे वार्ड नंबर-11 (शिव मंदिर ढकिया गुलाबो) की सड़कों पर आयोजित किया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत सड़कों, नालियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जमा सिल्ट और मलबे को हटाने का कार्य किया जायेगा। साथ ही नगर निगम द्वारा "निर्माण एवं ध्वस्तीकरण मलबे के उचित परिवहन और निस्तारण" के संबंध में नागरिकों को जागरूक भी किया जाएगा।

सामाजिक विज्ञान परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

काशीपुर : उत्तराखंड हाईस्कूल बोर्ड की सामाजिक विज्ञान परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। 16 केंद्रों में आयोजित सामाजिक विज्ञान परीक्षा के लिये 3091 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें से 2988 परीक्षार्थी उपस्थित, जबकि 103 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

जसपुर में 4.27 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

जसपुर : पुलिस ने 4.27 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बुधवार को बाजार चौकी इंचार्ज भूपाल राम पोरी ने टीम के साथ मो. नई बस्ती निवासी इमरान उर्फ मिस्त्री को दबोचकर उसके पास से 4.27 ग्राम स्मैक बरामद की है। प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि आरोपी स्मैक तस्करी का काम करता है। उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। टीम में एसआई भूपाल राम पोरी, सिपाही कुलदीप सिंह, होमगार्ड दीक्षित शामिल रहे।

नो-एंट्री में घुसने पर 19 ई-रिक्शा सीज

बाजपुर : नगर की चरमराती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। नो-एंट्री जोन का उल्लंघन कर रहे 19 ई-रिक्शाओं को जब्त कर सीज कर दिया गया है। नगर के व्यस्ततम बाजारों और चौराहों को नो-एंट्री जोन घोषित किया गया है, लेकिन ई-रिक्शा चालक लगातार इन नियमों को ठेंगा दिखा रहे थे। इसके चलते शहर में आए दिन जाम की स्थिति पैदा हो रही थी और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कोतवाल नरेश चौहान के निर्देश पर एसआई देवेंद्र सिंह मनराल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नो-एंट्री क्षेत्र में सवारी ढोते पाए गए 19 ई-रिक्शाओं को कब्जे में लेकर सीज करने की कार्रवाई की।

विवेचनाओं को त्वरित निस्तारित करें

एसएसपी अजय गणपति ने की कोतवाली काशीपुर के विवेचकों के कार्यों की समीक्षा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः एसएसपी ने विवेचना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा त्रुटि पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई अमल में लाने चेतावनी दी है।

बुधवार को एसएसपी अजय गणपति ने पुलिस अधीक्षक काशीपुर कार्यालय में कोतवाली काशीपुर के समस्त विवेचकों का ओआर लिया। इस दौरान उनके द्वारा विवेचकों के कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित विवेचनाओं, विवेचना की प्रगति, अभियुक्तों की गिरफ्तारी, साक्ष्य संकलन तथा न्यायालय में प्रेषित की जाने वाली चार्जशीटों की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। एसएसपी ने सभी विवेचकों को निर्देशित किया कि लंबित विवेचनाओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि विवेचना के दौरान सभी आवश्यक भौतिक, मौखिक एवं तकनीकी साक्ष्यों का समयबद्ध संकलन करते हुए केस डायरी को नियमित रूप से अद्यतन किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन मामलों में अभियुक्तों की गिरफ्तारी शेष है, उनमें शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा विवेचना पूर्ण होने पर समयबद्ध रूप से न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया जाए। साथ ही हत्या, लूट, चोरी, महिला अपराध, साइबर अपराध एवं अन्य संगीन अपराधों की विवेचनाओं में विशेष सतर्कता बरतते हुए विवेचना को प्रभावी ढंग से संपादित करने के निर्देश दिए गए। वहां पर संबंधित अधिकारीगण एवं कोतवाली काशीपुर के समस्त विवेचक मौजूद रहे।

काशीपुर की कुंडेश्वरी चौकी में एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाते एसएसपी अजय गणपति। ● अमृत विचार

एसएसपी ने एंबुलेंस को दिखाई हरी झंडी, जनता को समर्पित की

काशीपुर : स्टोन क्रशर एसोसिएशन द्वारा कुंडेश्वरी चौकी को दी गई एंबुलेंस को एसएसपी ने हरी झंडी दिखाकर जनता को समर्पित की। कुंडेश्वरी पुलिस चौकी क्षेत्र में लगभग 14 ग्राम सभाएं हैं। वहीं चौकी क्षेत्र के अंतर्गत गांधीनगर व गुलजारपुर आदि गांव काशीपुर से लगभग 18-20 किमी दूर हैं। इस क्षेत्र में लगभग 20 स्टोन क्रशर हैं, जहां दिनभर डंपरों, ट्रकों व ट्रैक्टर ट्रॉली का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में सड़क हादसे में घायल को अस्पताल पहुंचाने में समय लग जाता था। जिसके चलते स्टोन क्रशर एसोसिएशन ने पुलिस चौकी को एक एंबुलेंस उपलब्ध कराई है। बुधवार को एसएसपी अजय गणपति व एसपी स्वप्न किशोर सिंह ने धार्मिक अनुष्ठान के साथ एंबुलेंस की पूजा-अर्चना कर एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर जनता को समर्पित की। इस दौरान एसपी स्वप्न किशोर ने बताया कि बीती 7 से 9 फरवरी के बीच हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस व स्टोन क्रशर संचालकों की बैठक में स्कूली बच्चों के आने-जाने के समय नो एंट्री लागू की गई। जिसका सख्ती से पालन कराया जा रहा है। बताया कि एसोसिएशन ने घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा दिलाने के उद्देश्य से एक एंबुलेंस उपलब्ध कराई है। एसएसपी अजय गणपति ने कहा कि नो एंट्री का कड़ाई से पालन कराया जाए। साथ ही बताया कि जिले के ट्रैफिक मित्रों को ट्रैफिक नियंत्रण किट उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों व स्टोन क्रशर संचालकों के साथ सड़क हादसों को कम करने के लिए संवाद किया। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी हरेंद्र चौधरी, कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी चंदन बिष्ट, बाजपुर कोतवाली प्रभारी नरेश चौहान, एसएसआई नवीन बुधानी, एसआई कंचन पड़लिया आदि मौजूद रहे।

पड़ोसी ने घर में घुसकर चुराई नकदी और सामान

काशीपुरः आईटीआई क्षेत्र में एक घर में घुसे चोर ने अलमारी से नकदी और घरेलू सामान पार कर दिया। भागते समय गृहस्वामी के पुत्र ने चोर को पहचान लिया, जो उनका पड़ोसी ही निकला। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

ग्राम परमानंदपुर निवासी मो. इस्लाम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 फरवरी की देर रात करीब 11:45 बजे वह घर पर नहीं थे। उसकी पत्नी मोबिन बेगम व पुत्र मो. इसरान घर में सो रहे थे। तभी एक युवक छत के रास्ते घर में दाखिल हुआ। बताया कि चोर ने कमरे में रखी अलमारी का ताला खोलकर उसमें रखे 5000 रुपये नकद, एक मिक्सी और एक प्रेस चोरी कर लिए। सामान समेटने के दौरान हुई आहट से इस्लाम का पुत्र इसरान जाग गया। शोर मचाने पर चोर घर का मुख्य दरवाजा खोलकर गली की ओर भाग निकला। भागते समय इसरान ने चोर को पहचान लिया। जिसकी पहचान पड़ोस में ही रहने वाले नदीम के रूप में हुई है। पीड़ित का आरोप है कि नदीम आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और पूर्व में भी चोरी की घटनाओं में पकड़ा जा चुका है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पार्टनरशिप के विवाद में तीन लोगों पर हमला

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः डंपर की पार्टनरशिप के विवाद में कुण्डेश्वरी क्षेत्र में एक युवक और उसके माता-पिता पर जानलेवा हमला किया गया है। हमलावरों ने कृपाण और लोहे की राड से ताबड़तोड़ प्रहार कर तीनों को लहूलुहान कर दिया। घायलों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ग्राम गांधीनगर खत्ता निवासी हरजोत सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका बरहैनी निवासी मंगल सिंह के साथ डंपर में पार्टनरशिप का काम था। आरोप है कि दिसंबर 2023 से डंपर से होने वाली सारी कमाई मंगल सिंह खुद ही रखता रहा। जब भी हरजोत ने मुनाफे का हिसाब मांगा, तो उसे टाल दिया गया। इस मामले को लेकर गांव में पंचायत भी हुई थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। 9 मार्च की सुबह लगभग 9:30 बजे जब हरजोत सिंह अपने पिता सतनाम सिंह और माता हरजीत कौर के साथ गुलजारपुर गुरुद्वारे के पास से गुजर रहा था। तभी सफेद रंग की बोलेरो में सवार होकर आए मंगल सिंह, मलकीत सिंह, निशान सिंह, साहबी और बलविंदर सिंह ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि जान से मारने की नियत से कृपाण व लोहे की राड से हमला बोल दिया। राहगीरों के आने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। बताया कि उसके पेट पर कृपाण के वार से गहरा जख्म हुआ है। माता हरजीत कौर के सिर पर कृपाण लगने से गंभीर चोट आई है और पिता सतनाम सिंह को लोहे की राड लगने से हाथ में फ्रैक्चर हो गया है और सिर में भी गंभीर चोटें हैं। सूचना मिलने पर घायल के भाई टीटू सिंह ने तीनों का एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है। कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि मामले में पांचों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मारपीट करने वाले आरोपी पिता पर मुकदमा दर्ज

बाजपुर : केलाखेड़ा के ग्राम बाजावाला लंकुरा में एक युवती ने अपने पिता पर परिजनों के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी तहरीर में पीड़िता ने बताया कि उसका पिता आए दिन मां, दादा और भाइयों के साथ बिना कारण गाली-गलौज व झगड़ा करता है। 10 मार्च को आरोपी ने घर में सभी के साथ मारपीट की, जिसमें पीड़िता और उसकी मां घायल हो गईं। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डायबिटीज के इलाज का दिया प्रशिक्षण

- काशीपुर में 23 मार्च तक चलेगा प्रशिक्षण शिविर

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, गठिया, मिर्गी, दमा, स्पांन्डिलाइटिस, मोटापा, हृदय रोग का उपचार होगा। शिविर 23 मार्च तक चलेगा।

चौहान सभा भवन गौतम नगर काशीपुर में आयोजित शिविर में भारतीय एक्यूप्रेशर संस्थान लखनऊ के निर्देशक एवं एक्यूप्रेशर संस्थान प्रयागराज के प्रो. एपी चंद्रवंशी और उनके सहयोगी डॉ. आदित्य प्रताप सिंह ने शिविर का शुभारंभ किया। डॉ. एपी चंद्रवंशी ने बताया कि इस शिविर में बिना दवा के उपचार करना एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करना है। इस 15 दिवसीय शिविर में एक्यूप्रेशर बिंदुओं की जानकारी दी जाएगी। पद्धति का सही उपयोग सिखाया जाएगा और शिविर 23 मार्च तक चलेगा। शिविर में डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, गठिया, मिर्गी, दमा, स्पांन्डिलाइटिस, मोटापा, हृदय रोग आदि का बिना दवा के उपचार करा सकते हैं। इस मौके पर डॉ. बीपी सिंह, फतेहवीर सिंह, महेश सिंह चौहान, योगेंद्र सिंह, दिग्विजय सिंह, अतुल चौहान, आरती शर्मा, काजल शर्मा, निखिल शर्मा, चौहान सभा के संरक्षक जेपी सिंह, उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

काशीपुर में प्रशिक्षण के दौरान मौजूद लोग। ● अमृत विचार

सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

काशीपुरः सुदामा लाल राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय काशीपुर में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज काशीपुर का राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ।

शिविर में विभिन्न गतिविधियों जैसे बौद्धिक सत्र, मलिन बस्ती में स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति, नुक्कड़ नाटक, साइबर क्राइम से संबंधित जानकारी दी गई। समापन पर कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या गीता जायसवाल, मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद, देवभूमि की नव निर्वाचित सदस्या एकता बंसल, रेनू अग्रवाल रहीं। शिविर के सफल संचालन में सीआरसी समन्वयक सुरेश सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

साइबर कैफे में आग से सामान राख

- फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्परता दिखाते हुए आग को बुझाया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः ढकिया गुलाबो रोड स्थित एक मिनी साइबर कैफे में देर रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्परता दिखाते हुए आग को बुझाया।

मंगलवार देर रात फायर स्टेशन को सूचना मिली कि ढकिया गुलाबो रोड पर एक दुकान से धुआं निकल रहा है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन से एक यूनिट तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हुई। टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा गया कि आग एक मिनी साइबर कैफे के भीतर धधक रही थी और दुकान का शटर बंद था। फायर यूनिट ने बिना समय गंवाए मोटर फायर इंजन से पंपिंग शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। हालांकि कैफे के भीतर रखा कुछ सामान आग की भेंट चढ़ गया। दमकल टीम की त्वरित कार्रवाई से आग को आसपास की दुकानों में फैलने से रोक लिया गया। टीम में चालक संदीप शर्मा, सुमित पवार, फायरमैन सोहन सिंह, अर्जुन सिंह, आकाश गैरोला और महिला फायरमैन नमिता आदि शामिल रहे।

काशीपुर स्थित दुकान में लगी आग बुझाते फायर कर्मी। ● अमृत विचार

डंपर चालक को एक वर्ष के कारावास की सजा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः किच्छा रोड पर आठ वर्ष पूर्व हुए सड़क हादसे के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने आरोपी डंपर चालक को एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

कोतवाली किच्छा में छोटे निवासी ग्राम दरउ थाना किच्छा ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें कहा गया कि 5 मार्च 2018 की सुबह उनका भांजा नईम निवासी सिरौली कला थाना पुलभट्टा और अफजाल निवासी ग्राम दरऊ अपनी बाइक से किच्छा से रुद्रपुर गये थे। इस बीच वह जब नालंदा स्कूल के सामने पहुंचे तो तेज रफ्तार से डंपर चालक ने बाइक के पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घायलों को किच्छा के सरकारी अस्पताल ले गये।

जहां दोनों की स्थिति को देखते हुए रुद्रपुर के निजी अस्पताल रेफर कर दिया। इस दौरान नईम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। जबकि घटना के बाद चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर फरार डंपर चालक शेर सिंह निवासी हजीरा बाजपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चार्जशीट अदालत में दाखिल की। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयेन्द्र सिंह की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। इसके बाद अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद निर्णय दिया।

बाबा साहब पार्क का शिलान्यास किया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रतनपुरा के ग्रामीणों का वर्षों पुराना सपना अब साकार होने जा रहा है। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से बनने वाले पार्क और सार्वजनिक भवन (बारात घर) के निर्माण कार्य का बुधवार को शिलान्यास किया गया। सरकार द्वारा जमीन उपलब्ध कराने के साथ ही इस परियोजना के लिए करीब 55 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता राजेश कुमार और दर्जा राज्यमंत्री (गन्ना) मंजीत सिंह राजू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़ा। इस योजना के तहत गांव में बाबा साहब की भव्य प्रतिमा, एक आधुनिक बारात घर और सुरक्षित चाहरदीवारी का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय निवासियों को सामाजिक और मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। भाजपा नेता राजेश कुमार ने कहा कि इस जमीन और बजट को स्वीकृत कराना एक लंबा संघर्ष था, जिसे आज सफलता मिली है। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य रोशन लाल उर्फ टिंकू तोमर, मंडल अध्यक्ष गुरमुख सिंह, राकेश गुप्ता, अमित चौहान, राजेश सैनी और यशपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बाजपुर में भूमि पूजन करते जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण। ● अमृत विचार

ससुराल वालों पर लगाया मारपीट करने का आरोप

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः एक युवक और उसकी वृद्ध मां पर ससुराल पक्ष के लोगों ने घर में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित ने अब मुख्यमंत्री पोर्टल और उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है।

खड़कपुर देवीपुरा, वैशाली कॉलोनी निवासी कृष्ण कुमार चौहान ने बताया कि उसकी शादी अप्रैल 2024 में मुरादाबाद निवासी अंशु चौहान के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही आपसी विवाद चल रहा था। बताया कि बीती 7 जनवरी की दोपहर करीब 12:30 बजे, ससुराल पक्ष से उसके ससुर हुकम सिंह, मुकेश चौहान, अमन, राखी, राजवाला और अंकित चौहान सहित अन्य रिश्तेदार चार गाड़ियों में सवार होकर जबरन उसके घर में घुस आए। हमलावरों ने उसे अकेला पाकर बेल्टों और लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। जब उसकी मां उषा देवी बीच-बचाव करने आईं, तो उनके साथ भी बदसलूकी की गई। हमले में कृष्ण कुमार के सिर और गले पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि बचाव के दौरान उसकी मां के हाथों पर भी बेल्टों के निशान पड़ गए। आरोप है कि जब पीड़ित ने पुलिस को फोन करने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उसका मोबाइल छीन लिया और जान से मारने की धमकी दी।

जसपुर रामलीला कमेटी के अशोक फिर बने अध्यक्ष

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः मोहल्ला जटवारा की रामलीला कमेटी की बैठक में इस बार भी अशोक कांबोज को अध्यक्ष चुना गया। साथ ही सौरभ गर्ग को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। अब जल्द ही नई कार्यकारिणी भी गठित की जाएगी। बता दें कि इस बार मोहल्ला जटवारा की रामलीला का मंचन होगा। बुधवार को ठाकुर मंदिर परिसर में हुई बैठक में पुराने अध्यक्ष अशोक कांबोज को इस बार फिर अध्यक्ष चुना गया। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष के लिए सौरभ गर्ग के नाम पर मोहर लग गई। अब आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक में निकेश अग्रवाल, गौरव राजन अग्रवाल, गजराज सिंह, विमल कांबोज, हरीश ग्रोवर, विपलेश गुप्ता, ब्रजवीर चौधरी, नवीन अग्रवाल, अंकुर बंसल, सुधीर बिश्नोई मौजूद रहे।

गुटबाजी का शिकार हुई रामलीला कमेटी की बैठक

रामलीला कमेटी की बैठक गुटबाजी का शिकार हो गई। भ्रामक सूचना देने का आरोप लगाकर कुछ स्थानीय लोगों ने बैठक का विरोध किया। जिस पर कमेटी अध्यक्ष ने रविवार को बैठक बुलाने की बात कही। इस बात से सहमत होकर एक गुट के कुछ लोग बैठक से उठ कर चले गए।

विस सत्र

नियम-300 के तहत किच्छा विधायक बेहड़ ने सदन में उठाया पशुओं का मुद्दा

किच्छा की दो महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण हो

- सार्वजनिक स्थानों पर आवारा पशुओं के घूमने का मुद्दा उठाया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः विधायक तिलक राज बेहड़ ने विधानसभा में नियम-300 के अंतर्गत प्रदेश भर में बढ़ती आवारा पशुओं की समस्या को गंभीर जनहित का विषय बताते हुए सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि किच्छा सहित पूरे राज्य में सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों पर आवारा पशुओं के खुले में घूमने से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विधानसभा में बात रखते विधायक बेहड़।

विधायक बेहड़ ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छुट्टा पशु सड़कों पर घूमते रहते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। कहा कि विशेष रूप से रात्रि के समय अचानक पशुओं के सड़क पर आ जाने से कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा चुकी है तथा कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा पशु किसानों के खेतों में घुसकर खड़ी फसलों को नष्ट कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है तथा किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए खेतों में पहरा देना पड़ रहा है, जिससे उन्हें मानसिक एवं शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधायक बेहड़ ने कहा कि यह समस्या अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे प्रदेश में गंभीर रूप ले चुकी है, इसलिए सरकार को इसके स्थायी समाधान के लिए ठोस और प्रभावी व्यवस्था करनी चाहिए। इसी क्रम में विधायक बेहड़ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से व्यक्तिगत मुलाकात कर किच्छा क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठाए।

उन्होंने अटरिया-नगला रोड तथा शिमला पिस्तौर-कुर्रेय्या रोड के शीघ्र निर्माण की मांग की, जिस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक स्वीकृति देने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। ● अमृत विचार

देवी के जन्मोत्सव पर निकली कलश यात्रा

रुद्रपुर : आदर्श कॉलोनी स्थित वैष्णवी शक्तिपीठ आश्रम से वैष्णवी शक्ति पीठाधीश्वरी ब्रह्मलीन मां हंसेश्वरी भारती महाराज की प्रेरणा में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा से पूर्व पंडित जी ने भागवत का विधि विधान से पूजन किया गया। यह यात्रा पूज्यनीय स्वर्ग फार्म वाली देवी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भागवत कथा की पूर्व संध्या पर निकाली गई। जिसमें भक्तों का हुजूम उमड़ा। कलश यात्रा ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ, एक सुंदर रथ पर विराजमान देवी जी का आकर्षक स्वरूप, भगवान कृष्ण की झांकी, दुर्गा माता की झांकी और इस्कॉन मंदिर से आई भक्त मंडली शामिल थी। महिलाओं में सिर पर कलश और झंडे लेकर शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। यात्रा का नेतृत्व संत कथा व्यास नारायण चैतन्य जी महाराज और महंत मनीष सलूजा ने किया। इस अवसर पर मंदिर महंत भजन प्रकाश अरोड़ा, श्याम खुराना, महापौर विकास शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, भारत भूषण चुघ, राजीव अनेजा, सतनाम सिंह आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

पूर्णागिरि के दर्शन को जा रही वृद्धा की मौत

टनकपुर : उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले से मां पूर्णागिरि के दर्शन के लिए आई बुजुर्ग महिला झूठा मंदिर के पास अचानक चक्कर आने से रास्ते में गिर गई। आनन-फानन में महिला को भैरव मंदिर लगे मेडिकल कैंप ले जाया गया, जहां डा. हिमांशु सरन ने महिला को मृत घोषित कर दिया। चौकी इंचार्ज देवनाथ गोस्वामी ने बताया कि 58 वर्षीय रामादेवी पत्नी सुरेश सिंह, निवासी ग्राम निश्रौली डामर, थाना लोनार, तहसील शाहाबाद, जिला हरदोई (उत्तर प्रदेश) अपने पुत्र रामबाबू और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मां पूर्णागिरि के दर्शन को आई थी। बुधवार सुबह वह भैरव मंदिर से पैदल पूर्णागिरि मंदिर की ओर जा रही थी। तभी झूठा मंदिर के पास वह चक्कर खाकर गिर गई। उन्होंने बताया कि स्वजन उसे दाह संस्कार के लिए अपने साथ घर ले गए हैं।

प्रसिद्ध उत्तराखंडी लोक गायक दीवान कनवाल के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत तमाम राजनेताओं, रंगकर्मियों ने जताया गहरा शोक

द्वि दिनां का ड्यार शेरुवा यौ दुणी में, ना त्यार ना म्यार शेरुवा यौ दुणी में...

संवाददाता, अल्मोड़ा

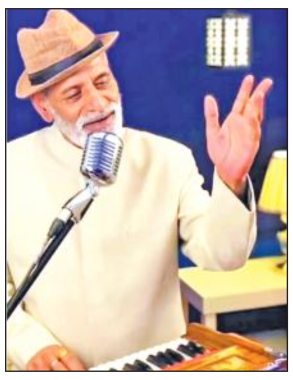

दीवान कनवाल। फाइल फोटो।

अमृत विचार: दुई दीना का ड्यार शेरुवा य दूणी में..... लोक गीत को अपनी आवाज देने वाले उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक कलाकार दीवान कनवाल ''दीवान दा'' का निधन हो गया है। बुधवार को उन्होंने अपने निवास स्थान पर अंतिम सास ली। महज 67 साल की उम्र में उनका निधन लोक कला और कुमाउनी संस्कृति को बड़े झटके से कम नहीं है।

उत्तराखंड की संस्कृति और लोक कला ध्वजवाहक माने जाने वाले लोक गायक दीवान सिंह कनवाल बीते कुछ समय से बीमार चल रहे थे। हल्द्वानी के एक अस्पताल में ऑपरेशन के बाद वह घर लौटे थे। लेकिन बुधवार सुबह उनका निधन हो गया। उनके निधन पर अल्मोड़ा सहित प्रदेश भर में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित राजनीतिक दलों के नेताओं अलावा लोक कलाकारों, संस्कृति प्रेमियों आदि ने उनके निधन पर शोक जताया। दीवान कनवाल जिला सहकारी बैंक से मैनेजर पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी आवाज में कुमाऊं की वादियों की ठंडक, पहाड़ों की पुकार, प्रेम की मिठास और विरह की पीड़ा झलकती थी। उनके गीतों में कुमाऊं की पारंपरिक शैलियों जैसे न्योली, चांचरी और छपेली की गहरी छाप मिलती थी। दोपहर बाद उनकी शव यात्रा खत्याड़ी से बेतालेश्वर के लिए निकली। जहां सैकड़ों की संख्या में शामिल हुए लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

फिल्म 'मेघा आ' में मधुर आवाज का लोहा मनवाया

लोक कलाकार दीवान कनवाल 1987 में पहली कुमाउनी ''मेघा आ'' में अपनी मधुर आवाज का लोहा मनवाया। 35 साल तक वह आकाशवाणी ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन में ए-ग्रेड गायक रहे। उन्होंने कुमाउनी लोक संगीत में 20 से अधिक एलबम और करीब 100 से अधिक गीत गाए। वहीं, खत्याड़ी और हुक्का क्लब की रामलीलाओं में उनके विभिन्न पात्रों के मंचन को लोग आज भी याद करते हैं।

कांग्रेस ने दी 'दीवान दा' को श्रद्धांजलि

लोकगायक दीवान कनवाल के निधन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, विधायक मनोज तिवारी, पूर्व स्पीकर गोविन्द कुंजवाल, जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज, पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, तारा चंद्र जोशी, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश जोशी, आनंद बगड़वाल, तारा चंद्र साह, आनंद बिष्ट, विनोद वैष्णव, नारायण दत्त पाण्डेय, दीप डांगी आदि ने शोक जताया है।

बागेश्वर में पत्रकारों ने जताया शोक

बागेश्वर : यहां श्रमजीवी पत्रकार संगठन के अध्यक्ष किशन मलड़ा की अध्यक्षता में हुई शोक सभा में वक्ताओं ने लोकगायक दीवान कनवाल के निधन को अपूर्णीय क्षति बताया। यहां रमेश प्रकाश पर्वतीय, रमेश पांडेय कृषक, शैलेंद्र सिंह चौहान, दीपक जोशी, मनोज टगनियां, सीमा खेतवाल, सुमित्रा पांडेय आदि मौजूद रहे।

रामलीला कमेटी खत्याड़ी ने की शोकसभा

प्रसिद्ध लोक कलाकार और रामलीला कमेटी खत्याड़ी के सदस्य दीवान कनवाल के निधन पर कमेटी ने शोक जताया। उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया। यहां शोक जताने वालों में अध्यक्ष हिमांशु कनवाल, देवेंद्र कनवाल, बसंत कनवाल, हर्ष कनवाल, पान सिंह कनवाल, पुष्कर कनवाल, नरेंद्र कनवाल, उमेद कनवाल, जीवन लटवाल, गोविंद कनवाल, रविन्द्र कनवाल, प्रियांशु कनवाल, रजत कनवाल, राहुल कनवाल, मनोज कनवाल, सुमित कनवाल, महेंद्र कनवाल आदि रहे।

विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, उपपा केंद्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार नवीन बिष्ट, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, पूर्व प्रधान हरीश कनवाल, प्रो. देव सिंह पोखरिया, ललित लटवाल, लोक कलाकार महा संघ अध्यक्ष सुंदर लटवाल, गोकुल बिष्ट, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष हरीश बिष्ट, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख आनंद कनवाल, देव सिंह, मनमोहन चौधरी, राजीव गुरुरानी, धर्मेंद्र बिष्ट, ललित पांडे, राजेंद्र कनवाल, मानव कनवाल, मदन सिंह, हरीश नेगी, जगह कनवाल, भूपेंद्र बिष्ट, भूपेंद्र कनवाल, देव सिंह चौहान, हिमांशु लटवाल, मिकी टम्टा, शोबन कनवाल समेत कई रंगकर्मी मौजूद रहे।

हिमालयी लोक संस्कृति, परंपराओं का संगम बनेगा सीमांत पिथौरागढ़

पहले हिमालयन कल्चरल कॉर्निवाल की तैयारी, हिमालयी व उत्तर-पूर्वी राज्यों को मिलेगा मंच

संवाददाता, पिथौरागढ़

प्रथम हिमालयन कल्चरल कॉर्निवाल को लेकर बैठक लेते डीएम आशीष कुमार भटगांई।

अमृत विचार: पिथौरागढ़ में पहले हिमालयन कल्चरल कॉर्निवाल की तैयारी है। इस कॉर्निवाल में हिमालयी राज्यों जैसे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश सहित उत्तर-पूर्वी राज्यों- मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश एवं त्रिपुरा को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि हिमालयी क्षेत्रों की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं एवं लोक कलाओं का व्यापक प्रदर्शन किया जा सके।

जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई की अध्यक्षता में बुधवार को प्रथम हिमालयन कल्चरल कॉर्निवाल के आयोजन को लेकर बैठक की गई। बैठक में कॉर्निवाल के आयोजन, व्यवस्थाओं तथा विभिन्न गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कॉर्निवाल के आयोजन के लिए सर्वप्रथम विभिन्न समितियों का गठन कर उनकी जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाएं। जिनमें मंच निर्माण समिति, स्वागत सत्कार समिति, निमंत्रण समिति, आवास समिति तथा प्रचार-प्रसार समिति सहित अन्य समितियां शामिल रहेंगी। साथ ही विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किए जाने पर भी विचार किया गया।

मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए इस कॉर्निवाल का आयोजन अक्टूबर माह में किए जाने का प्रस्ताव रखा गया, निर्णय शासन स्तर(पर्यटन विभाग) पर बात कर लिया जायेगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि कॉर्निवाल का आयोजन देव सिंह मैदान एवं रामलीला मैदान, पिथौरागढ़ में किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि हिमालयन कल्चरल कॉर्निवाल को भव्य, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक आयोजन के रूप में आयोजित करने हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि यह कार्यक्रम पिथौरागढ़ एवं राज्य की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी, अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह, उपजिलाधिकारी सदर जितेंद्र वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक गोविंद बल्लभ जोशी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी कीर्ति आर्या सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फैशन शो, स्टार नाइट का रहेगा आकर्षण

हिमालयन कल्चरल कॉर्निवाल के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक, पारंपरिक, खेल एवं साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें छोलिया नृत्य, रम्मान नृत्य, हिल जात्रा, रं समाज का शौका नृत्य, भजन संध्या, ऐपण प्रतियोगिता, पुलिस एवं आर्मी बैंड प्रस्तुति, फैशन शो, स्कूल के बच्चों के कार्यक्रम तथा स्टार नाइट जैसे आकर्षक कार्यक्रम शामिल होंगे।

राफ्टिंग, ट्रैकिंग और पैराग्लाइडिंग की भी योजना

शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बाइक रैली, योग कार्यक्रम सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन पर भी तैयारी है। साथ ही साहसिक पर्यटन गतिविधियों के अंतर्गत राफ्टिंग, ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलूनिंग, रॉक क्लाइंबिंग जैसी गतिविधियों के आयोजन की भी योजना है।

ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर सड़क हादसों पर अंकुश लगाएं अधिकारी

- डीएम ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दुर्घटनाओं की रोकथाम को दिए सख्त निर्देश

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचारः पिथौरागढ़ में दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) को चिन्हित कर उन्हें सुधारने की कवायद जारी है। तमाम ऐसे स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय जैसे पैराफिट, साइन बोर्ड, डेलिनेटर आदि लगाए गए हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। संबंधित विभागों को इन स्थलों की निरंतर निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसी कड़ी में अब जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को भटकोट रोड में रंबल स्ट्रिप निर्माण और ऐचोली क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। विद्युत विभाग को सड़क किनारे दुर्घटना संभावित विद्युत पोलों को चिन्हित कर आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। डीएम ने सड़क मार्गों से जुड़े सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सड़क सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

बुधवार को पिथौरागढ़ में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाई की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था में सुधार तथा सड़क सुरक्षा मानकों को मजबूत करना रहा। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन के रूप में लेते हुए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, परिवहन विभाग, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम किया जा सके। निर्देश दिए कि सभी ग्रामीण एवं मुख्य सड़कों पर दुर्घटना संभावित स्थलों को चिन्हित कर क्रैश बैरियर, साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर एवं चेतावनी संकेतक अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य निर्धारित मानकों, गुणवत्ता एवं समय-सीमा के अनुसार पूरे किए जाएं।

इन अफसरों की रही मौजूदगी

बैठक में पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग जीवन सिंह ह्यांकि, अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) शिवांश कांडपाल सहित परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैफिक पार्क के निर्माण का सुझाव

बैठक में पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे ने नगर क्षेत्र में ट्रैफिक पार्क के निर्माण का सुझाव भी दिया, जिस पर डीएम ने संबंधित विभागों को आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां त्वरित सुधारात्मक एवं सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विभागों के बीच प्रभावी आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

टेनिस प्रतियोगिताओं के टूर्नामेंट डायरेक्टर बने सुमित गोयल

सुमित गोयल।

रानीखेत : मजखाली निवासी तथा उत्तराखंड राज्य टेनिस संघ के महासचिव सुमित गोयल को देहरादून में आयोजित होने वाली दो अंतर्राष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिताओं का टूर्नामेंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उत्तरांचल टेनिस एसोसिएशन (यूटीए) के अध्यक्ष और पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक कुमार (आईपीएस) द्वारा की गई है।

आईटीएफ (जूनियर) इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन की जूनियर प्रतियोगिता 15 से 20 मार्च तक शांति टेनिस अकादमी, देहरादून में होगी। इसके बाद ईटीएफ (सीनियर) प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक परेड ग्राउंड टेनिस कोर्ट्स, देहरादून में खेली जाएगी। इन प्रतियोगिताओं में नौ देशों के लगभग 250 टेनिस खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ 15 मार्च को उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य करेंगी। सुमित गोयल को टूर्नामेंट डायरेक्टर बनाने पर डीटीए के संरक्षक चारू शर्मा, अध्यक्ष हिमांशु उपाध्याय, प्रभात मेहता, अरविंद साह, गौरव पांडे, गोपाल बावरी, डॉ. महिराज मेहरा ने बधाई दी है।

अल्मोड़ा में बुधवार को एसएसपी से मुलाकात करते व्यापार मंडल पदाधिकारी।

नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष का सिर फोड़ा, पांच हिरासत में

अल्मोड़ा : देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने बुधवार को एसएसपी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष पर अराजकतत्वों के द्वारा हमले पर कार्रवाई की मांग उठाई। वहीं, मामले को लेकर कोतवाली में तहरीर सौंपी। व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार ने बताया कि मंगलवार रात माल रोड पर कुल युवकों ने जमकर हंगामा काटा। वहीं, एक व्यापारी के साथ मारपीट की। बीच बचाव में पहुंचे नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय साह रिक्खू को हमला कर दिया। जिससे उनके सिर में गंभीर चोटे आई है। मामले में व्यापारियों ने एसएसपी चंद्रशेखर घोड़के से मुलाकात कर कार्रवाई और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग उठाई। इधर, व्यापारियों की तहरीर के बाद पुलिस ने पांच युवकों को हिरासत में ले लिया है। कोतवाली योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएंगी।

कॉलेज की वार्षिक पत्रिका 'प्रवाह' का विमोचन

संवाददाता, टनकपुर

अमोड़ी महाविद्यालय में पत्रिका व पुस्तक के विमोचन मौके पर शिक्षक व छात्र-छात्राएं।

अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में आयोजित साहित्यिक एवं अकादमिक कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की वार्षिक मुखपत्रिका 'प्रवाह' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए कैरियर परामर्श सत्र का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा अतिथियों के पारंपरिक टीका-अलंकरण के साथ स्वागत से हुई।

इस दौरान पत्रिका के सह-संपादक डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता की पुस्तक 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' का भी विमोचन किया गया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अजिता दीक्षित ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन, अनुशासन और नवाचार की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने 'प्रवाह' पत्रिका को विद्यार्थियों की साहित्यिक एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच बताया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय बनबसा के प्राचार्य डॉ. एपी सिंह, राजकीय महाविद्यालय पाटी के प्राचार्य डॉ. राकेश के. पांडेय, एसआईसी खटोली के प्राचार्य डी.पी. शर्मा, जीआईसी अमोड़ी के प्राचार्य मदनराम आर्य, पीटीए अध्यक्ष मनीष जोशी, डॉ. धर्मवीर सिंह तथा डॉ. हेम कुमार गहतोड़ी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अर्चना वर्मा ने आभार व्यक्त किया। संचालन व व्यवस्था में डॉ. संजय कुमार, संजय गंगवार, हरीश चंद्र जोशी आदि रहे।

जमीनी विवाद में 14 लोगों पर मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा: हवालबाग के गधौली गांव में जमीनी विवाद में पक्षों में मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार देवकी देवी ने कोतवाली अल्मोड़ा में एक तहरीर सौपी। तहरीर में कहा कि उनकी जमीन पर गोदावरी मेहरा के परिवार ने जबरन कब्जा जमा लिया। विरोध करने पर पूरा परिवार मारपीट पर उतर आया। बताया कि मारपीट के दौरान उन्हें गंभीर चोटे आई। वहीं, दूसरे पक्ष की जिया मेहरा ने तहरीर में कहा कि किशन मेहरा और उनके परिवार ने उनका सामान फेंक दिया और धारधार हथियार से हमला कर दिया। वहीं, जान से मारने की धमकी दी।

ईमानदारी दिखाने पर पुलिस कर्मी सम्मानित

संवाददाता, चम्पावत

चम्पावत में पुलिसकर्मी हेम माहरा को सम्मानित करते डीएम मनीष कुमार।

अमृत विचारः ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करने वाले लोहाघाट थाना क्षेत्र में यातायात पुलिस में तैनात 58 वर्षीय पुलिसकर्मी हेम माहरा को जिलाधिकारी मनीष कुमार ने शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

ड्यूटी के दौरान लोहाघाट टैक्सी स्टैंड के पास हेम माहरा को एक लावारिस पर्स मिला, जिसमें 34 हजार रुपये से अधिक की नगदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए पर्स के असली मालिक की तलाश की और बाराकोट निवासी मंजू देवी तथा उनकी पुत्री सपना को पूरी धनराशि व सामान सुरक्षित वापस सौंप दिया। डीएम मनीष कुमार ने उनकी ईमानदारी की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्य अन्य कर्मियों के लिए प्रेरणादायक है।

महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता

अल्मोड़ा में बुधवार को महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी।

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की ओर से बुधवार 'आपके द्वार' कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, संपत्ति विवाद आदि पर चर्चा हुई। वहीं, कार्यक्रम के दौरान आयोग को कुल तीन शिकायतें प्राप्त हुई।

विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की सदस्य उर्मिला जोशी और रचना जोशी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना, उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना तथा उन्हें अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। वहीं, महिलाओं से सीधे संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सदस्यों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना महिला आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे अपनी समस्या या उत्पीड़न आयोग के समक्ष रखें। यहां डीडीओ संतोष कुमार पंत, एसडीएम सदर संजय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीताम्बर प्रसाद आदि मौजूद रहे।

आयोग को तीन शिकायतें हुईं प्राप्त

कार्यक्रम के दौरान आयोग को कुल तीन शिकायतें प्राप्त हुईं। जिन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए गए। आयोग की सदस्यों ने कहा कि सभी शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

मां पूर्णागिरि धाम में दर्शन को पहुंचे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

नेपाल से भी मां पूर्णागिरि के दर्शन को पहुंच रहे श्रद्धालु

टनकपुर : सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि धाम में श्रद्धालुओं की आस्था लगातार उमड़ रही है। बुधवार को करीब 10 हजार श्रद्धालुओं ने मां पूर्णागिरि के दरबार में पहुंचकर दर्शन किए और मन्नत मांगी। इन दिनों पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए पुलिस व तहसील प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। हालांकि भीड़ बढ़ने के कारण ककरालीगेट से ठुलीगाड़ तक कई स्थानों पर आंशिक जाम की स्थिति भी बन रही है। मंदिर में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कई श्रद्धालु मन्नत पूरी होने पर नंगे पांव और लेटकर मंदिर तक पहुंच रहे हैं। भीड़ अधिक होने पर पुलिस श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कर दर्शन करा रही है। सीओ वंदना वर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही बुजुर्ग और बीमार श्रद्धालुओं की भी सहायता की जा रही है।

डीएम ने चाय बागान का निरीक्षण किया

संवाददाता, बागेश्वर

कौसानी में चाय बागान का निरीक्षण करती डीएम आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जनपद में चाय उत्पादन को बढ़ावा देने और कौसानी की चाय को व्यापक बाजार दिलाने की दिशा में पहल शुरू हो गई है। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कौसानी स्थित चाय बागान और चाय फैक्ट्री का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चाय बागान में कार्यरत महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं तथा उनके कार्य की सराहना की। इसके बाद उन्होंने चाय फैक्ट्री का निरीक्षण कर वहां तैयार हो रही विभिन्न प्रकार की चाय और वार्षिक उत्पादन की जानकारी ली। डीएम ने चाय की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रभावी मार्केटिंग रणनीति तैयार करने, बिजनेस प्रमोटर्स को जोड़ने और समर्पित मार्केटिंग टीम बनाने के निर्देश दिए। साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से चाय की बिक्री बढ़ाने, जनपद में चाय के आउटलेट स्थापित करने तथा स्थानीय होटलों से टाई-अप करने को कहा। उन्होंने 30 अप्रैल तक 50 लाख रुपये की चाय बिक्री का लक्ष्य तय कर कार्ययोजना बनाने और कौसानी चाय के प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुख स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। साथ ही चाय बागान को पर्यटन से जोड़ते हुए बर्ड वॉचिंग ट्रैक विकसित करने और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने को कहा। इस मौके पर सीडीओ आरसी तिवारी, डीडीओ संगीता आर्या, उद्यान अधिकारी हरीश चंद्र रहे।

अमृत विचार
गुरुवार, 12 मार्च 2026

लोगों से मुलाकातें ही जीवन को जीने लायक बनाती हैं।
–गाइ दे मोपासां, फ्रेंच लेखक

सामाजिक सहमति जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने 1937 के शरिया कानून के प्रावधानों को मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त करने के अनुरोध वाली याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब 'समान नागरिक संहिता' लागू करने का समय आ गया है। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी वास्तव में अत्यधिक समीचीन है कि सभी धर्मों की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए अब एक समान कानून की जरूरत विधायिका यानी सरकार को महसूस होनी ही चाहिए।

देश में विवाह, तलाक, गोद लेना, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे व्यक्तिगत मामलों में विभिन्न धार्मिक समुदायों के अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू होते हैं। यही विविधता समय-समय पर न्यायिक और सामाजिक विवादों का कारण बनती रही है। साफ सी बात है कि पर्सनल लॉ में लैंगिक असमानता बनी रहती है, तो उसका स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता ही हो सकती है। जब समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में निहित है और जो राज्य को यह प्रयास करने का निर्देश देता है कि पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू हों, तब इसे बनाने और लागू करने में क्या हर्ज है, गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लागू हो चुके कानून को देशव्यापी बनाने में क्या कोई राजनीतिक रोड़ा है? यूसीसी से कानून के समक्ष समानता और लैंगिक न्याय को मजबूती मिलेगी। अलग-अलग धार्मिक कानूनों के कारण विवाह, तलाक और संपत्ति अधिकारों में महिलाओं के साथ असमान व्यवहार की शिकायतें दूर हो जाएंगी। एक समान नागरिक कानून विभिन्न धर्मों के बीच कई असमानताओं को समाप्त कर नागरिकता की समान अवधारणा को मजबूत कर सकता है। इसके अतिरिक्त इससे राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था को भी बल मिलेगा, हालांकि इस कानून के निर्माण में इसका ध्यान रखना पड़ेगा कि देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता अत्यंत व्यापक है और अनेक समुदाय अपने व्यक्तिगत कानूनों को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में एक समान कानून लागू करने को कुछ लोग धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप के रूप में देख सकते हैं। यदि विधायिका ने इसे ध्यान में रखे बिना कानून बनाया और लागू करने की प्रक्रिया में सामाजिक संवाद और सहमति को शामिल नहीं किया तो इससे सामाजिक तनाव भी पैदा हो सकता है। आखिर संविधान निर्माताओं ने यूसीसी को मौलिक अधिकारों के बजाय नीति निर्देशक तत्वों में इसीलिए रखा था, ताकि इसे समय और सामाजिक परिपक्वता के अनुसार लागू किया जा सके। आजादी के बाद से इस विषय पर अनेक आयोग, बहसें और न्यायिक टिप्पणियां हुईं, किंतु अभी तक दो राज्यों के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर इसे लागू नहीं किया जा सका है। कई नजरिये से यह स्पष्ट है कि समान नागरिक संहिता केवल कानूनी सुधार का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सहमति का भी विषय है।

यदि इसका उद्देश्य वास्तव में लैंगिक न्याय, समानता और आधुनिक नागरिकता की भावना को मजबूत करना है, तो इसे जल्दबाजी के बजाय व्यापक संवाद, संवेदनशीलता और चरणबद्ध सुधारों के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

पीढ़ियों का स्वभाव संसाधन व संस्कृति

'बेबी बूमर्स', 'मिलेनियल्स', 'जेन ज़ी' और अब 'जेन अल्फा', मीडिया, विज्ञापन उद्योग, शोध संस्थानों और सोशल मीडिया की भाषा में ये शब्द अब आम हो चुके हैं। इनके आधार पर पूरी पीढ़ियों के स्वभाव, आदतों और मानसिकता का विश्लेषण किया जाता है, मानो किसी विशेष वर्ष के बाद जन्म लेने वाले लोग अचानक अलग किस्म की मानसिकता के इंसान बन जाते हों, लेकिन इस प्रवृत्ति को थोड़ा ठहरकर देखा जाए तो एक बुनियादी प्रश्न सामने आता है- क्या किसी पीढ़ी का स्वभाव उसके नाम से तय होता है, या उन परिस्थितियों से जिनमें वह पली-बढ़ी होती है?

असल में 'बेबी बूमर', 'मिलेनियल' या 'जेन ज़ी' जैसे नाम समाज शास्त्रीय वर्गीकरण भर हैं। ये अध्ययन को आसान बनाते हैं, पर जीवन और समाज की जटिलताओं को पूरी तरह नहीं पकड़ पाते। किसी भी पीढ़ी को समझने के लिए यह जानना अधिक महत्वपूर्ण है कि वह किन सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों में बड़ी हुई, क्योंकि वही संदर्भ उसके मानस और व्यवहार का असली खाका तैयार करते हैं।

डॉ. शिवम् भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

मनुष्य का व्यक्तित्व कई तत्वों से निर्मित होता है। संसाधनों की उपलब्धता, परिवार की संरचना, शिक्षा का स्वरूप, सांस्कृतिक मूल्य और समय की तकनीकी परिस्थितियां। यही तत्व मिलकर तय करते हैं कि कोई पीढ़ी दुनिया को कैसे देखेगी और समाज के प्रति उसका व्यवहार कैसा होगा। यदि किसी समाज में संसाधन सीमित हों, तो वहां पली-बढ़ी पीढ़ी स्वाभाविक रूप से मितव्ययिता, धैर्य और प्रतीक्षा का अभ्यास सीखती है। इसके विपरीत, जहां अवसर और सुविधाएं अधिक हों, वहां की पीढ़ी अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी और प्रयोगधर्मी होती है। यह अंतर पीढ़ी के नाम से नहीं, बल्कि उसके परिवेश से पैदा होता है।

परिवार की संरचना भी इस प्रक्रिया को गहराई से प्रभावित करती है। संयुक्त परिवारों में बच्चे विभिन्न आयु, अनुभव और स्वभाव वाले लोगों के बीच बड़े होते हैं, जहां संवाद, धैर्य, साझा जिम्मेदारी और सामूहिकता स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। छोटे या एकल परिवारों में बच्चों का अनुभव अपेक्षाकृत सीमित दायरे में आकार लेता है; यहां स्वतंत्र निर्णय क्षमता जल्दी विकसित होती है, लेकिन सामाजिक बातचीत का व्यावहारिक प्रशिक्षण उतना व्यापक नहीं हो पाता। दोनों स्थितियां अलग-अलग जीवन दृष्टि और सामाजिक व्यवहार को जन्म देती हैं।

तकनीक ने भी हर पीढ़ी के अनुभव को बदल दिया है। रेडियो के दौर में दुनिया की जानकारी सीमित माध्यमों से मिलती थी। टेलीविजन ने दुनिया को घर के भीतर ला दिया। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने सूचना, संवाद और मनोरंजन की पूरी संरचना ही बदल दी, लेकिन तकनीक स्वयं किसी पीढ़ी का स्वभाव तय नहीं करती। वह केवल वातावरण बदलती है। उस वातावरण में व्यक्तित्व किस दिशा में विकसित होगा, यह परवरिश और सामाजिक मूल्यों पर निर्भर करता है।

इसी कारण एक ही नाम से पहचानी जाने वाली पीढ़ी अलग-अलग समाजों में बिल्कुल अलग स्वभाव की दिखाई देती है। किसी विकसित देश का युवा और किसी विकासशील देश का युवा एक ही वर्ष में जन्म ले सकते हैं, पर उनके जीवन अनुभव, सुरक्षा बोध, अवसरों की प्रकृति और चिंताएं एक-दूसरे से बहुत अलग होती हैं। इससे साफ़ है कि पीढ़ी का नाम नहीं, बल्कि उसका सामाजिक संदर्भ उसके व्यवहार को आकार देता है। समस्या तब शुरू होती है, जब इन नामों को अंतिम सच मान लिया जाता है। जब हम कहते हैं कि 'नई पीढ़ी ऐसी है' या 'पुरानी पीढ़ी वैसी थी', तो हम समाज की जटिल वास्तविकताओं को एक आसान लेबल में समेट देते हैं; इससे समझ कम और पूर्वाग्रह अधिक पैदा होते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हिमालयी बुरांश के अस्तित्व पर संकट के बादल

अमित शर्मा
हल्द्वानी

उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस हिमालयी राज्य में विविध प्रकार की अनुपम वनस्पतियां भी प्रचुरता में मिलती हैं, जो शायद ही इस धरती पर कहीं और मिलती होंगी। उत्तराखंड का राज्य वृक्ष बुरांश, देवदार और चीड़ के घने वृक्ष, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में प्रमुख औषधीय पौधे केदारनाथ और दुर्लभ व सुंदर फूल ब्रह्म कमल या फिर विश्व धरोहर स्थल फूलों की घाटी के रंगीन फूल और प्रमुख झाड़ी रेडोडेंड्रॉन व जूनिपर, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि जलवायु परिवर्तन का असर प्रकृति के इन अमूल्य उपहारों पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है।

हम बुरांश की बात करें, तो जहां इसकी सीरत के साथ बेपनाह खूबसूरती भी जुड़ी है, वहीं इसके अस्तित्व पर भी संकट पैदा हो रहा है। दरअसल, हिमालय जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसकी जमीन का हर फूल-पत्ता नैसर्गिक सुंदरता में चार चांद लगाता है, तो बेहतर स्वास्थ्य के कुदरती इलाज इसके भीतर छिपे हैं। इसकी सबसे बड़ी मिसाल बुरांश का पुष्प है। अनेक गुणों से सम्पन्न इस फूल को यूं ही राज्य पुष्प का दर्जा नहीं मिला है।

बुरांश के लाल फूल फरवरी मध्य और मार्च शुरू में खिलने शुरू होते हैं, जो अप्रैल माह तक अपने खिले हुए लाल रंगों से पहाड़ों की शोभा बढ़ाते हैं। लाल, गुलाबी, काला और सफेद रंग में रंगा यह पुष्प पर्वतों की ऊंचाई के साथ अपना रंग भी बदल लेता है। उत्तराखंड, हिमाचल और पड़ोसी राज्य नेपाल की वादियों में बहुतायत से खिलता है। स्वाद में कुछ खट्टा तो इसकी पंखुड़ी में समाया रस उतना ही मीठा होता है, जिसने भी इसका स्वाद चखा हो, वह इसके स्वाद को कभी भूल नहीं सकता। यह कहा जाए कि सेहत निखारने में इसका कोई सानी नहीं, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि जूस, शरबत, जैम, जैली और चटनी के रूप में इसे लोग खूब पसंद करते हैं।

यह फूल न केवल सौंदर्य का सरताज है, बल्कि पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर है। बुरांश की देश भर में करीब 80 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें से रोडोडेंड्रान आरबोरियम प्रजाति का फूल सबसे अधिक खूबसूरत होता है। विशेषज्ञ भी बताते हैं कि औषधियुक्त पुष्प बुरांश का कोई सानी नहीं है। इम्यूनिटी बढ़ाने में यह असीम ताकतवर है। हार्ट अटैक, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल समेत कई रोगों की मारकशक्ति रखता है, जिसके चलते बुरांश उत्तराखंड राज्य में रोजगार का बड़ा जरिया भी बना है।

चिंताजनक पहलू यह है कि पर्यावरण में हो रहे बदलाव के कारण अब इस खूबसूरत फूल पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार, राज्य में हर साल इसका उत्पादन 20 से 30 प्रतिशत कम हो रहा है। इसके खिलने के बाद यह 10-15 दिनों में सूख भी जा रहा है। इसका कारण जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, कम बर्फबारी और चीड़ के पेड़ों के बढ़ने से बुरांश की संख्या कम होना माना जा सकता है। जलवायु परिवर्तन का ही यह असर है कि अब बुरांश का समय से पहले खिलना भी बड़ी चिंता का विषय माना जा रहा है।

पहाड़ की ठंडी तासीर का फूल बुरांश जलवायु परिवर्तन और बढ़ते ताप की मार से पहले ही जूझ रहा है। वहीं, पहाड़ों में ठंडे क्षेत्रों के जंगलों में पैर पसारता चीड़ का कुनबा और कुरी झाड़ी का मकड़जाल दोनों ही बुरांश पर दोहरी मार कर रहे हैं। पहाड़ों में चीड़ का बढ़ता जंगल न केवल बुरांश व अन्य वनस्पतियों के लिए अभिशाप है, वहीं चीड़ की घनी पत्तियां जमीन में अन्य पेड़ों के बीजों को पनपने नहीं देती। वहीं, ग्रीष्म काल में जंगलों में लगने वाली आग में घी डालने का काम करती हैं।

चीड़ की ज्वलनशील लीसा पत्ती और इसके फल कई हफ़्तों तक जंगल में सुलगते रहते हैं, जिससे नए पौधे पनप नहीं पाते और पुनर्जनन प्रभावित होता है। पिछले कई वर्षों से उतराखंड के पहाड़ी राज्यों में बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं में बुरांश व अन्य वनस्पति को खासा नुकसान पहुंचा है। नए पौधे वनों की आग में मारे गए, जिससे बड़े वृक्षों को झुलसना पड़ा। चीड़ का कुनबा कम ताप वाले जंगलों में फैलने से रोका नहीं गया, तो बुरांश के अस्तित्व पर खतरा साल दर साल बढ़ता ही जाएगा।

कुमाऊं विश्वविद्यालय डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर ललित तिवारी कहते हैं कि बुरांश का फूल समय से पहले खिलने के कारण इसका पुनर्जनन प्रभावित हो चला है। इसके असर से भविष्य में इसके अस्तित्व के खतरे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। मुख्यतः बुरांश का फूल खिलने का समय फरवरी व मार्च में होता है, लेकिन अब यह दिसंबर में खिलने लगा है। पिछले 15 वर्षों से इस फूल के खिलने के समय पर नजर रखी जा रही है। साल 2024 में यह 15 दिसंबर को खिल गया था, जबकि पिछले वर्ष यानी इस सीजन में 22 दिसंबर में ही खिल गया था। जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है। तापमान में निरंतर वृद्धि से कुदरत के इस नायाब तोहफे के खिलने का समय बदल गया है। हालांकि हिमालय क्षेत्र की विभिन्न वनस्पतियों को जलवायु ने प्रभावित किया है। उनमें बुरांश भी सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस फूल के समय से पहले खिलने के कारण रीजनरेशन यानी पुनर्जनन प्रभावित हुआ है, जिस कारण पुनर्जनन की समस्या खड़ी हो गई है। इस पुष्प पर निरंतर अध्ययन जारी है।

प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार का भी कहना है कि वन विभाग भी बुरांश के पुष्प के उत्पादन पर नजर रखे हुए है। इस फूल का समय से पहले खिलना आम हो चला है, साथ ही इसके क्षेत्र में भी बदलाव आया है, हालांकि इस फूल के पूर्णतः खिलने में परिवर्तन नहीं आया है, लेकिन यह भी देखा गया है कि अब यह कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में होने लगा है। इस पुष्प के उत्पादन के लिए वन विभाग पौधरोपण करवा रहा है।

हिमालयी क्षेत्र का बुरांश जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसे राज्य पुष्प का दर्जा भी मिला हुआ है। आज इसके अस्तित्व पर संकट पैदा हो रहा है।

आमने सामने

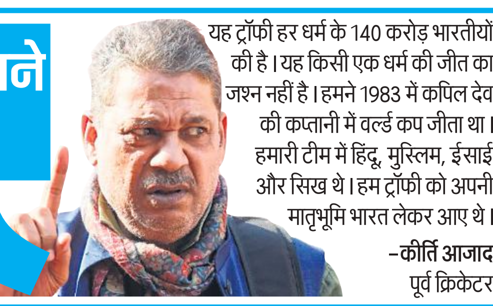

यह ट्रॉफी हर धर्म के 140 करोड़ भारतीयों की है। यह किसी एक धर्म की जीत का जश्न नहीं है। हमने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता था। हमारी टीम में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख थे। हम ट्रॉफी को अपनी मातृभूमि भारत लेकर आए थे।
–कीर्ति आजाद
पूर्व क्रिकेटर

इस तरह के बयान खिलाड़ियों की उपलब्धि को कम करते हैं। खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में काफी दबाव झेला है और ऐसे समय में इस तरह की टिप्पणी करना सही नहीं है। अगर आप ऐसे बयान देते हैं, तो आप अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को गिरा रहे हैं।
–गौतम गंभीर, मुख्य कोच
भारतीय क्रिकेट टीम

खाड़ी देशों में 'पानी' पर हमले के निहितार्थ

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर शुरू हुई लड़ाई अब पानी पर हमले और उसकी सुरक्षा के उपायों तक पहुंच गई है। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी हमले में होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट क्रेश्म द्वीप स्थित खारे पानी को मीठा बनाने वाला जल (डिसेलिनेशन प्लांट) संयंत्र क्षतिग्रस्त हुआ है, इससे 30 ग्रामों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके बाद ईरान ने बहरीन के संयंत्र को निशाना बनाया। इन हमलों ने बता दिया कि ईरान-अमेरिका का यह युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि खाड़ी देशों के जल संयंत्रों के विनाश तक पहुंच गया है। इस परिप्रेक्ष्य में चिंता की बड़ी बात है कि खाड़ी देशों की आबादी की बड़ी संख्या पीने के शुद्ध पानी के लिए इन्हीं जल संयंत्रों पर आश्रित है। इन पर आक्रमण समूचे खाड़ी क्षेत्र में जल संकट पैदा कर सकता है।

पूरे मध्य एशिया में युद्ध की भयानक स्थिति देखने में आ रही है, उससे लगता है पानी के लिए युद्ध छिड़ गया है। पानी की सुरक्षा को सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि खाड़ी के देशों ने अपने समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्रों को तेल प्रतिष्ठानों से कहीं अधिक बड़ी सुरक्षा दे दी है। यहां तक की ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दी हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। संयंत्रों के साथ बिजली घर भी जुड़े होते हैं। ऐसे में विद्युत ढांचों पर हमले भी पानी के उत्पादन को प्रभावित कर सकते हैं। यदि किसी बड़े संयंत्र को गंभीर नुकसान होता है, तो कई नगर कुछ ही दिनों में पेयजल संकट से जूझ जाएंगे। इस कारण ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दिए गए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए।

अमेरिका और इजरायल ने लड़ाकू विमानों लेबनान की राजधानी तेरहान में केमिकल टॉक्सिक बमों से भीषण हमला किया है। इस कारण तेहरान के 30 बड़े तेल भंडार तबाह हो गए हैं। तेहरान आग की लपटों से धधक उठा है। बादल धुंआ से भर गए हैं। टॉक्सिक हाइड्रो कार्बन और सल्फर से तेहरान में तेल की अम्लीय बारिश देखी गई। प्राकृतिक जल की सतहों पर तेल की परत जम गई है, ऐसे में नए हमले होते हैं, तो यह तेल जल उठेगा। इस कारण 90 लाख की आबादी वाले तेहरान में अघोषित कर्फ्यू के हालात बन गए हैं।

दूषित पानी हो जाने के कारण सप्लाई ठप है। बिजली भी बंद कर दी गई है। ये बम लेबनान में ईरान समर्थक आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के ठिकानों पर पटके गए हैं। इन टॉक्सिक बमों में घातक रसायन होते हैं। ये फसलों को बर्बाद करने के साथ पानी को भी पूरी तरह दूषित कर देते है। संयुक्त अरब आमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान कतर जैसे खाड़ी देशों में 90 फीसदी समुद्री खारे पानी को मीठे में बदलकर आपूर्ति जल संयंत्रों से की जाती है। 10 बड़े जल संयंत्रों को ईरान निशाना बना सकता है।

एक पुराने अमेरिकी कूटनीति दस्तावेज में चेतावनी दी गई थी कि यदि सऊदी अरब के जुबेल जल संयंत्र और उसकी पाइपलाइन को नुकसान होता है, तो राजधानी रियात को एक सप्ताह के भीतर खाली करना होगा, हालांकि सऊदी अरब और संयुक्त अरब आमीरात ने अपने तलाबों और सप्लाई लाइन में बड़ा निवेश किया हुआ है।,इसलिए वह जल संकट का सामना एक बार कर सकता है, किंतु बहरीन, कतर और कुवैत जैसे छोटे देशों के पास वैकल्पिक साधन कम है, इसलिए इन देशों के संयंत्र लड़ाई में प्रभावित हुए तो पानी के लिए घरेलू स्तर पर भी जंग छिड़ सकती है।

ईरान के लिए यह अच्छी बात है कि वे खुद जल संयंत्रों पर अधिक निर्भर नहीं हैं। ईरान में ज्यादातर पेयजल की सप्लाई नदियों, बांधों और भूगर्भीय जल से होती है, इसलिए वह सीमित समय के लिए संकट झेलने में सक्षम हैं, लेकिन कई साल से सूखा के चलते तेहरान के तलाबों का पानी खतरनाक स्तर तक घट गया है। अतएव ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि हालात नहीं सुधरे, तो तेहरान को खाली करना पड़ सकता है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी को आखिर जल उपलब्ध होगा कहां से?

इजराइल भी समुद्र के खारे पानी को मीठा बनाने की तकनीक पर निर्भर है। इस परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2050 तक, जब विश्व की 40 फीसदी आबादी जल संकट भोग रही होगी, तब भी इजराइल में पीने के पानी का संकट नहीं होगा। इजराइल न सिर्फ हथियारों, बल्कि पानी के मामले में भी महाशक्ति बनकर उभरा है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव के डोर तट पर समुद्र के पानी को तत्काल पीने लायक बनाने वाले संयंत्र लगे हुए हैं। ये संयंत्र 'गेलमोबाइल वॉटर फिल्ट्रेशन प्लांट' कहलाते हैं। यह चलित फिल्टर प्लांट है। कई संयंत्र जीपों पर भी स्थापित हैं। इन्हें 'फ्यूचर जीप' कहते हैं। प्राकृतिक या युद्ध संबंधी आपदा के वक्त यह संयंत्र बेहद उपयोगी हो जाते हैं। इसे संकटग्रस्त इलाकों में पहुंचाकर पेयजल की सुविधा उपलब्ध करा दी जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

युद्ध में पानी संयंत्रों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों ने बता दिया है कि युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है।

सोशल फोरम

यूपीएससी का हौवा

हमने यूपीएससी को हौसला नहीं, हौवा बना दिया है। कब हुआ यह? किसने तय किया, पता नहीं, लेकिन धीरे-धीरे हमारे घरों में, हमारे समाज में, हमारी कन्वर्सेशन में ये बात सेटल हो गई कि सफलता मतलब यूपीएससी। पढ़ाई मतलब यूपीएससी। ज़िंदगी का मतलब यूपीएससी। जिस घर में कोई आईएस या आईपीएस निकलता है, उस घर की इज़्ज़त पूरे मोहल्ले में बढ़ जाती है। ये गर्व स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ एक और मैसेज जाता है कि जो नहीं निकला, वो कम है और यही वो मैसेज है, जो लाखों बच्चों को तोड़ रहा है।

ऋचा शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

आज एक 18-19 साल के बच्चे से पूछो, यूपीएससी क्यों करना है? बहुत कम जवाब होंगे जो गवर्नेंस, पॉलिसी या पब्लिक सर्विस से जुड़े होंगे। ज़्यादातर जवाब होंगे, वो यूनिफार्म देखी थी। वो सेस्पेक्ट देखी थी। एक वीडियो देखी थी, जिसमें आईपीएस ऑफिसर कितनी कॉन्फिडेंटली बोल रहे थे।

आईएस, आईपीएस बनने का सपना अब रील्स से आता है। एक वायरल वीडियो, एक शानदार यूनिफार्म, एक 'कलेक्टर साहब' वाला शॉट और एक 20 साल का बच्चा तय कर लेता है कि बस यही करना है। ये ड्रीम नहीं है, ये एस्थेटिक है। उस इमेज के पीछे की असली ज़िम्मेदारी रात दो बजे किसी फ्लड अफेक्टेड ज़िले में काम करना, सिस्टम की ब्यूरोक्रेसी से लड़ना, पॉलिटिकल प्रेशर झेलना वो रील्स में नहीं आती। यूपीएससी के रिजल्ट में हिंदी का रिप्रजेंटेशन हर साल गिरता जा रहा है। पर इस पर कोई बात नहीं करेगा।

वो बच्चे जो सबसे ज़्यादा मेहनत करते हैं, जिनके लिए इंगलिश पहली बाधा है, कॉन्टेंट दूसरी और कोचिंग फीस तीसरी। जो पटना, इलाहाबाद, रीवा के किसी कमरे में बैठकर दिन-रात पढ़ते हैं और आईरनी ये है कि आईएएस, आईपीएस का काम आम जनता से होता है। वो जनता जो हिंदी में सोचती है, भोजपुरी में बोलती है, मैथिली में रोती है। पब्लिक सर्वेंट की भाषा और पब्लिश की भाषा के बीच ये खाई सिस्टम की देन है, मेधा की नहीं। जिस अधिकारी को उनकी भाषा समझनी है, उनकी ज़िंदगी समझनी है, उसे चुनने के प्रॉसेस में उसी भाषा को कमज़ोर माना जा रहा है। शायद किसी ने नहीं, क्योंकि उसके पास वो यूनिफार्म नहीं है। वो 'साहब' नहीं कहलाता, लेकिन देश उससे भी चलता है। उससे भी बनता है और आने वाले वक्त में शायद उनसे ज्यादा बनेगा।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

आंकड़ों के पीछे छिपी त्रासदी और समाज की चुनौती

भारत में लापता बच्चों का मुद्दा लगातार गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट ने इस समस्या की भयावहता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को खोज लिया गया, लेकिन 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की पीड़ा, असुरक्षा और इंतजार की कहानी है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने की घटनाएं अधिक सामने आती हैं। महानगरों की बात करें तो राजधानी दिल्ली में साल दर साल सबसे ज्यादा बच्चे लापता होने के मामले दर्ज हो रहे हैं। अकेले 2025 में ही राजधानी में लगभग 5717 नाबालिगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई। दिल्ली से सिर्फ 2026 के शुरुआती 27 दिनों में ही 137 बच्चे लापता हुए हैं, जिन्हें अभी तक ढूंढा नहीं जा सका है। साल दर साल बढ़ते ये आंकड़े यह संकेत देते हैं कि बाल सुरक्षा व्यवस्था में अभी भी कई कमियां मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लापता बच्चों में लगभग 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं, जो इस समस्या को और गंभीर बना देता है।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे ऊपर है। यहां एक साल 19,145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को ढूंढ़ लिया गया, लेकिन 3,680 बच्चे अब भी नहीं मिले। इसके बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए और इनमें से 1,059 बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला। तीसरे स्थान पर हरियाणा है, जहां जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच 2,209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चे अभी भी लापता हैं। हरियाणा में यह संख्या पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की तुलना में कई गुना अधिक है। हिमाचल प्रदेश का एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी है कि वहां लापता हुए आठ बच्चों में से एक भी अब तक नहीं मिला।

राजस्थान इस सूची में आठवें स्थान पर है। यहां पिछले एक वर्ष में 745 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 499 बच्चों को उनके परिवारों तक पहुंचा दिया गया, जबकि 246 बच्चे अब भी लापता हैं। वहीं सकारात्मक पहलू यह भी है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप तथा दादरा और नगर हवेली में इस अवधि के दौरान बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

पूरी दुनिया में हर वर्ष लगभग 80 लाख बच्चे लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। अमेरिका में करीब 4.6 लाख, ब्रिटेन में 1.12 लाख और जर्मनी में लगभग एक लाख बच्चों के हर साल गायब होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। यूरोप में भी स्थिति चिंताजनक है। वर्ष 2021 से 2023 के बीच वहां 51,000 से अधिक नाबालिग बच्चे, जो बिना अभिभावकों के यात्रा कर रहे थे, लापता हो गए। आंकड़ों का गहन विश्लेषण यह भी बताता है कि लापता होने वाले बच्चों में 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोर सबसे अधिक होते हैं। कई मामलों में लड़कियां नौकरी, शादी या बेहतर जीवन के झूठे झांसों में फंस जाती हैं और मानव तस्करी के नेटवर्क का शिकार बन जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

वर्ड स्मिथ

कैसे बना रेडियो शब्द

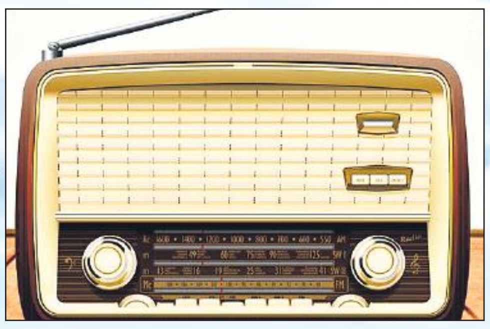

रेडियो एक छोटा-सा शब्द है, पर अपने भीतर विज्ञान और संचार की लंबी यात्रा समेटे हुए। इस शब्द की जड़ें लैटिन भाषा के शब्द 'रेडियस' में मिलती हैं, जिसका अर्थ है किरण। 19 वीं सदी के उत्तरार्ध में जब वैज्ञानिक अदृश्य तरंगों की दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे थे, तब इन तरंगों का व्यवहार प्रकाश की किरणों जैसा प्रतीत हुआ। यही कारण था कि इनके प्रसार को 'किरणों' की तरह समझा गया और धीरे-धीरे 'रेडियो' शब्द का प्रचलन शुरू हुआ।

1880 के दशक में जर्मन भौतिक विज्ञानी हेनरिक हट्र्ज़ ने यह सिद्ध कर दिया कि हवा में अदृश्य विद्युतचुंबकीय तरंगें फैल सकती हैं। इन्हीं तरंगों को आगे चलकर हट्र्ज़ियन तरंगें या रेडियो तरंगें कहा गया। उस समय इनका उपयोग तार के बिना संदेश भेजने के लिए होने लगा, इसलिए आरंभ में इसे 'वायरलेस' अर्थात ताररहित संचार कहा जाता था। समय के साथ विज्ञान आगे बढ़ा और संचार की यह अदृश्य धारा दुनिया को जोड़ने लगी। 1906 में बर्लिन में आयोजित रेडियोटेलीग्राफिक सम्मेलन में 'रेडियो' शब्द को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली। फिर 1920 के दशक में जब आवाज और संगीत का प्रसारण शुरू हुआ, तब यह तकनीक केवल वैज्ञानिक प्रयोग नहीं रही, बल्कि जनजीवन का हिस्सा बन गई। धीरे-धीरे 'वायरलेस' शब्द पीछे छूट गया और 'रेडियो' लोगों की जुबान पर बस गया। एक ऐसी अदृश्य किरण, जो दूरियों को मिटाकर दुनिया को एक ही ध्वनि में जोड़ देती है।

नोटिस बोर्ड

- जिला सेवायोजन कार्यालय, कासगंज में 12 मार्च को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में 18 से 25 वर्ष की आयु के हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। रोजगार मेले में साक्षात्कार के माध्यम से लगभग एक हजार रिक्त पद भरे जाएंगे। मेले में 40 कंपनियां अपनी कंपनी के लिए अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर अपना पंजीयन कराना होगा। अभ्यर्थी पोर्टल पर प्रदर्शित किसी भी कंपनी में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

- ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक व परास्नातक में प्रवेश हेतु 15 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी आवेदन के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। इस संबंध में कुलपति ने बताया कि एक सप्ताह पहले कोर्सवार सीटों की संख्या वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गई थी। समर्थ पोर्टल 15 मार्च से खुल जाएगा। यह आवेदन प्रक्रिया 45 दिनों तक चलेगी। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://kmclu.ac.in पर समर्थ पोर्टल का लिंक पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

डिजिटल एजुकेशन के अगुआ देश लौट रहे किताबों की ओर

बीते डेढ़ दशक में स्कूलों और विश्वविद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन कंटेंट को आधुनिक शिक्षा का पर्याय मान लिया गया। यह माना गया कि अगर बच्चों को बचपन से ही डिजिटल माध्यमों से पढ़ाया जाएगा, तो वे भविष्य की टेक्नोलॉजी आधारित दुनिया के लिए बेहतर तैयार होंगे। दुनिया जिस डिजिटल शिक्षा मॉडल को भविष्य मान रही थी, वही मॉडल अब पुनर्मूल्यांकन के दौर से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे अधिक डिजिटल शिक्षा प्रणालियों में अग्रणी स्वीडन और फिनलैंड जैसे देश फिर से किताब, कागज और पेन की ओर लौट रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सामने आए शोध और अनुभव, जिसने शिक्षा नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर किया है।

राजेश जैन
लेखक

डिजिटल शिक्षा

करीब 15 साल पहले दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षा के डिजिटल भविष्य की परिकल्पना की। इस सोच के पीछे कई तर्क थे। पहला, तकनीक से पढ़ाई को अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जा सकता है। दूसरा, इंटरनेट के माध्यम से बच्चों को वैश्विक ज्ञान तक तुरंत पहुंच मिल सकती है। तीसरा, डिजिटल उपकरणों के जरिए शिक्षा को अधिक व्यक्तिगत यानी पर्सनलाइज लर्निंग बनाया जा सकता है। स्वीडन उन देशों में था, जिसने सबसे पहले स्कूलों में डिजिटल माध्यमों को बड़े पैमाने पर अपनाया। 2009 के आसपास वहां के स्कूलों में टैबलेट और कंप्यूटर को पाठ्यपुस्तकों का विकल्प बनाने की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे कई स्कूलों में किताबों की जगह डिजिटल उपकरणों ने ले ली। फिनलैंड, जो अपनी शिक्षा प्रणाली के लिए दुनिया में सबसे अधिक प्रशंसित देशों में से एक है, वहां भी स्कूलों में डिजिटल उपकरणों को बड़े उत्साह के साथ अपनाया गया। कई जगह छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गए और पढ़ाई का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय यह मॉडल इतना आकर्षक लगा कि दुनिया के कई देशों ने इसे अपनाने की कोशिश की। भारत में भी डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट एजुकेशन जैसे शब्द शिक्षा सुधार के प्रमुख नारे बन गए।

हाइब्रिड मॉडलः शिक्षा का नया रास्ता

आज कई विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि शिक्षा का भविष्य न तो पूरी तरह डिजिटल है और न ही पूरी तरह पारंपरिक। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे प्रभावी मॉडल हो सकता है। उदाहरण के लिए, जटिल वैज्ञानिक प्रयोगों, डेटा विश्लेषण और कोडिंग सीखने में डिजिटल उपकरण बेहद उपयोगी हैं। वहीं साहित्य, इतिहास या भाषा जैसे विषयों में किताबों के माध्यम से पढ़ना अधिक प्रभावी हो सकता है। इसलिए कई देश अब 'हाइब्रिड लर्निंग मॉडल' की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें किताब और तकनीक दोनों का संतुलित उपयोग हो।

स्वीडन की नीति में बड़ा बदलाव

स्वीडन ने अपनी शिक्षा नीति में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने स्कूलों में फिर से मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को प्राथमिकता देते हुए करोड़ों यूरो का निवेश किया है ताकि हर छात्र तक किताबें पहुंचाई जा सकें। सरकार छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल टूल्स के उपयोग को समाप्त करने की योजना पर भी विचार कर रही है। वहां कई स्कूलों में फिर से शांत पठन समय, हस्तलेखन अभ्यास और पारंपरिक बोर्ड आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

तकनीक का विरोध नहीं, संतुलन की खोज

यह समझना जरूरी है कि यह बदलाव तकनीक के खिलाफ कोई आंदोलन नहीं है। अधिकांश शिक्षाविद् यह मानते हैं कि तकनीक शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। असल बहस तकनीक के उपयोग की सीमा और संतुलन को लेकर है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट भी यही चेतावनी देती है कि शिक्षा में तकनीक का इस्तेमाल इस तरह होना चाहिए कि वह शिक्षक-केंद्रित शिक्षा का विकल्प न बन जाए। तकनीक एक साधन है, लक्ष्य नहीं।

जब डिजिटल मॉडल पर उठने लगे सवाल

लगभग एक दशक तक डिजिटल शिक्षा के प्रयोग के बाद कुछ समस्याएं धीरे-धीरे सामने आने लगीं। शिक्षकों, अभिभावकों और शोधकर्ताओं ने पाया कि तकनीक ने पढ़ाई को आसान तो बनाया है, लेकिन कई बुनियादी कौशल कमजोर भी कर दिए हैं। स्वीडन में किए गए अध्ययनों में पाया गया कि स्क्रीन पर पढ़ने वाले छात्रों की एकाग्रता और गहराई से समझने की क्षमता कम हो रही है। चौथी कक्षा के छात्रों की पढ़ने की क्षमता का आकलन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन प्रोग्रेस इन इंटरनेशनल रीडिंग लिटरेसी स्टडी में 2016 और 2021 के बीच स्वीडन के बच्चों के पढ़ने के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई। शिक्षाविदों ने देखा कि जब बच्चे टैबलेट या लैपटॉप पर पढ़ते हैं, तो उनका ध्यान जल्दी भटकता है। एक क्लिक में गेम, सोशल मीडिया या अन्य वेबसाइटों तक पहुंच उन्हें पढ़ाई से दूर कर देती है। डिजिटल उपकरण पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन का भी माध्यम हैं, इसलिए उनमें विचलन की संभावना अधिक होती है।

स्क्रीन का मन और मस्तिष्क पर प्रभाव

नई डिजिटल शिक्षा पर सवाल उठने के पीछे सबसे बड़ा कारण बच्चों के मस्तिष्क और व्यवहार पर स्क्रीन के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता है। नॉर्वे और अमेरिका के कई शोध बताते हैं कि जब बच्चे हाथ से लिखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई हिस्से एक साथ सक्रिय होते हैं। अक्षर बनाने की प्रक्रिया, उंगलियों का दबाव और लिखावट की संरचना दिमाग में मजबूत स्मृति चिन्ह (मेमोरी ट्रेस) बनाते हैं। इसके विपरीत, कीबोर्ड पर टाइपिंग अपेक्षाकृत एक यांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें मस्तिष्क जानकारी को उतनी गहराई से प्रोसेस नहीं करता। यही कारण है कि हाथ से नोट्स लिखने वाले छात्र विषयों को अधिक गहराई से समझते हैं। इसके अलावा लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव, नींद की समस्या और मानसिक बेचैनी भी बढ़ने की आशंका रहती है। फिनलैंड के कुछ अध्ययन बताते हैं कि किशोर औसतन प्रतिदिन लगभग छह घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए चिंताजनक है।

भारत के लिए सबक

भारत में डिजिटल शिक्षा तेजी से विस्तार कर रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और स्मार्ट क्लासरूम शिक्षा के नए प्रतीक बन चुके हैं। अगर डिजिटल माध्यमों को बिना सोचे-समझे अपनाया गया, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं। देश में जहां पहले से ही बच्चों का स्क्रीन टाइम तेजी से बढ़ रहा है, वहां स्कूलों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य

दरअसल, शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं है, बल्कि सोचने, समझने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना है। किताब पढ़ना इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें धीमी गति से सोचने व गहराई से समझने के लिए प्रेरित करता है। पिछले दशक में दुनिया ने शिक्षा में तकनीक का व्यापक प्रयोग किया और उससे जुड़े अनुभव भी प्राप्त किए। अब वही अनुभव नीति-निर्माताओं को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भविष्य की कक्षा शायद ऐसी होगी, जहां स्मार्ट बोर्ड भी होगा और ब्लैकबोर्ड भी, टैबलेट भी होगा और किताब भी, एआई भी होगा और शिक्षक का मार्गदर्शन भी।

कैंपस में पहला दिन — अभी भी याद है पहली बार मेस में खाना

नैनीताल की शांत वादियों में मेरा बचपन बीता। पहाड़ों की उस निश्चल दुनिया से निकलकर जब मैं सन् 1977 में लाला लाजपत राय स्मारक चिकित्सा महाविद्यालय, मेरठ पहुंचा, तो मन में एक अजीब सी कशमकश और अनजाना भय था। उन दिनों मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के किस्से आम थे, इसलिए सीनियरों के व्यवहार को लेकर मन में कई नकारात्मक भ्रम पाल रखे थे, लेकिन कॉलेज की देहरी पर कदम रखते ही पहले ही दिन वे सारे डर काफूर हो गए।

डॉ. अरुण जोशी
मेडिकल सुपरिंटेंडेंट
राजकीय अस्पताल, हल्द्वानी

कैंपस का वातावरण उम्मीद से बिल्कुल उलट था। मुझे आज भी अचंभित कर देता है कि उन सीनियरों ने, जिन्हें लेकर मैं डरा हुआ था, पहले ही दिन से न केवल मेरा, बल्कि सभी नए छात्रों का हाथ थाम लिया। वहां रैगिंग नहीं, बल्कि एक बड़े भाई जैसा अपनत्व और सहयोग था। जीवन का वह पहला अनुभव जब मैं घर की सुख-सुविधा छोड़कर मेस में खाना खाने पहुंचा, तो भावुक हो गया। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि परिवार से दूर, बिल्कुल अजनबियों के साथ एक ही टेबल पर बैठकर भोजन करूंगा, लेकिन वह मेस की टेबल केवल खाना खाने की जगह नहीं थी, बल्कि रिश्तों की पाठशाला थी। हंसी-मजाक के उस दौर के बीच खाने का वह स्वाद आज भी मेरी जुबान पर ताजा है। वहीं से सहपाठियों के साथ परिचय का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे अटूट

दोस्ती में बदल गया। हॉस्टल की पहली रात और वॉर्डन द्वारा समझाए गए कड़े नियमों ने एहसास कराया कि अब आजाद पंछी को अनुशासन के पिंजरे में खुद को ढालना होगा। वह अनुशासन ही था, जिसने हमें सिखाया कि समय की कीमत क्या होती है और एक डॉक्टर के जीवन में नैतिकता का क्या महत्व है। पहाड़ की मासूमियत और मेरठ की इस अनुशासित मेधा ने मिलकर मेरे भीतर एक नए इंसान को जन्म दिया। वह सफेद कोट पहनना केवल एक करियर की शुरुआत नहीं थी, बल्कि सेवा और समर्पण के उस सफर का आगाज था, जिसकी नींव उसी साल मेरठ की मिट्टी में रखी गई थी। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो वे यादें जीवन की सबसे अनमोल थाती लगती हैं।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में भारत की पहली रिंग मेट्रो का उद्घाटन किया। मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर के शुरू होने से पिंक लाइन की सर्कुलर कनेक्टिविटी पूरी हो गई है, जिससे यह राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर पूरी तरह से संचालित रिंग रूट बन गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने दीपाली चौक-मजलिस पार्क कॉरिडोर (मैजेंटा लाइन विस्तार) का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो फेज-5 के तहत नए मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला रखी।
- हाल ही में आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद में हरा दिया। इस जीत के साथ भारत तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। साथ ही खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड करने वाली पहली टीम भी बना।
- हाल ही में सबा शॉल को जम्मू-कश्मीर की उच्च सुरक्षा वाली सुधारात्मक संस्था सेंट्रल जेल श्रीनगर की पहली कश्मीरी महिला प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति गृह विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के तहत की गई। इस निर्णय के साथ जम्मू-कश्मीर कारागार विभाग में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल लागू हुआ है।
- हाल ही में दीपक गुप्ता ने गेल (India) Limited के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाला है। उन्होंने संदीप कुमार गुप्ता का स्थान लिया, जो 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हुए।
- हाल ही में ईरान ने मोजतबा खामेनेई को सुप्रीम लीडर चुना है। मोजतबा इजरायली हमले में मारे गए अपने पिता अली खामेनेई की जगह इस पद को संभालेंगे। यह फैसला 1989 के बाद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जा रहा है।
- हाल ही में मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया। भारत अब चीता की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। इन शावकों के जन्म के बाद भारत में जन्मे चीता शावकों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यह घटना भारत में चीते का 10 वां सफल लिटर (जन्म समूह) भी दर्शाती है, जो यह संकेत देती है कि देश में चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम धीरे-धीरे सफल होता जा रहा है और भारत की वन्यजीव संरक्षण यात्रा को नई मजबूती मिल रही है।

जॉब अलर्ट

आईडीबीआई बैंक

- पद का नाम-सहायक प्रबंधक ग्रेड 'ए'
- पदों की संख्या- 200
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक और अमुभव
- आयु सीमा -21-30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 19 मार्च 2026
- वेबसाइट-idbi.bank.in

भारतीय नौसेना

- पद का नाम- अग्निवीर एसएसआर, एमआर और एसएसआर (मेडिकल)
- शैक्षणिक योग्यता- साइंस (पीसीबी) में 50% अंक
- वेतन-14,600 रुपये (प्रशिक्षण के दौरान वजीफा)
- आयु सीमा -उम्मीदवारों का जन्म 01 मई 2005 और 31 अक्टूबर 2009 के बीच होना चाहिए
- आवेदन की अंतिम तिथि- 6 अप्रैल 2026
- वेबसाइट- joinindiannavy.gov.in

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

- पद का नाम- ट्रेड अप्रेंटिस, टेक्नीशियन अप्रेंटिस और ग्रेजुएट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 405 (पश्चिमी क्षेत्र के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में
- विज्ञापन नंबर - आईओसीएल/एमकेटीजी/डब्ल्यूआर/एपीपीआर/3/2025-26
- भत्ता- शिक्षुता अधिनियम, 1961/1973 और शिक्षुता नियम 1992/2019/2025 के अनुसार निर्धारित
- शैक्षणिक योग्यता - मैट्रिक + आईटीआई / कक्षा 12 वीं / इंजीनियरिंग में डिप्लोमा / कोई भी स्नातक डिग्री (विषय के अनुसार)
- आयु सीमा - 18 वर्ष से अधिकतम आयु 24 वर्ष (दिनांक 28.02.2026 तक)
- आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मार्च 2026
- वेबसाइट- www.iocl.com

इन विषयों पर मजबूत पकड़ से सरकारी नौकरी करें पक्की

सरकारी नौकरी आज भी देश के लाखों युवाओं का सपना है। हर साल बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रेलवे, बैंकिंग, एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटते हैं, लेकिन अक्सर छात्रों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे अपनी पढ़ाई का फोकस किन विषयों पर रखें? कई बार सीमित समय और विशाल सिलेबस के कारण तैयारी बिखर जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभ्यर्थी कुछ प्रमुख विषयों पर मजबूत पकड़ बना लें, तो सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है, जो अधिकांश सरकारी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, कौन से हैं वे विषय, जिन पर नियमित अभ्यास और सही रणनीति के साथ तैयारी करने से प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

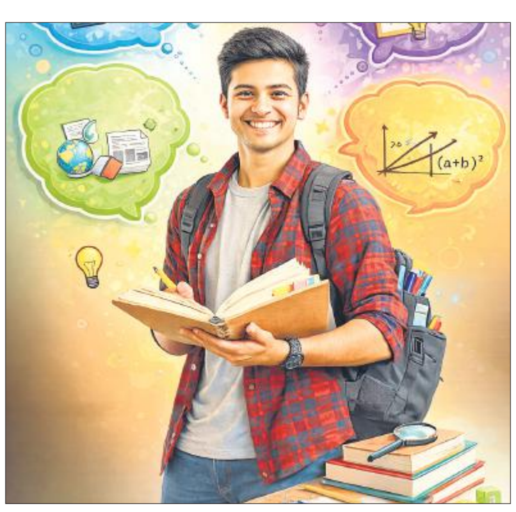

रीजनिंग

रीजनिंग विषय अभ्यर्थियों की तार्किक सोच और विश्लेषण क्षमता को परखता है। इसमें पजल, सीरीज, कोडिंग-डिकोडिंग और एनॉलिटिकल प्रश्न पूछे जाते हैं। लगातार अभ्यास से रीजनिंग में गति और सटीकता दोनों बढ़ाई जा सकती है, जो परीक्षा हाई स्कोरिंग में मदद करेगी।

गणित

गणित लगभग हर प्रतियोगी परीक्षा का अहम हिस्सा होता है। बेसिक मैथ्स के टॉपिक जैसे दशमलव, भिन्न, प्रतिशत, लाभ-हानि आदि पर अच्छी पकड़ होने से अभ्यर्थी आसानी से अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। नियमित अभ्यास से गणित में गति और सटीकता दोनों बढ़ती हैं।

करेंट अफेयर्स

करेंट अफेयर भी प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश-दुनिया की प्रमुख घटनाएं, सरकारी योजनाएं, खेल और पुरस्कार से जुड़े सवाल अक्सर पूछे जाते हैं। इसके लिए रोजाना अखबार पढ़ना और करेंट अफेयर के नियमित नोट्स बनाना काफी उपयोगी साबित होता है।

एडवांस मैथ्स

कई प्रतियोगी परीक्षाओं में एडवांस मैथ्स से भी प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें एल्जेब्रा, त्रिकोणमिति और ज्यामिति जैसे टॉपिक शामिल होते हैं। इन विषयों की अच्छी समझ होने पर रेलवे, एसएससी और अन्य सरकारी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाता है।

जनरल स्टडी

किसी भी सरकारी परीक्षा में जनरल स्टडीज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और विज्ञान जैसे विषय शामिल होते हैं। यदि छात्र रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़कर इन विषयों की बुनियादी समझ मजबूत करें, तो परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,863.71	23,866.85
बढ़त	1342.27	394.75
प्रतिशत में	1.72	1.63

सोना 1,65,000 प्रति 10 ग्राम
चांदी 2,75,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, गुरुवार, 12 मार्च 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2490, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2500, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13kg 2210, जय जवान 2095, सचिन 2200, सूरज 2095, अवसर 2000, उजाला 2080, गृहणी 13 kg 2055, क्लासिक (kg) 2365, मोर 2300, चक्र टिन 2460, ब्लू 2305, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2445

किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल –(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली

7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी– पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम–

सोना (पक्के आभूषण) 162300, सोना गिन्नी 158300, चांदी (पक्की) 2730 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

दाम प्रति क्विंटल में

चावल : शरबती– 3400 मसूरी– 1000 बासमती– 7200–7800 परमल– 1200–3200

दाल दलहन–काला चना– 2200–3000 साबुत चना दाल– 1200 मूंग साबुत– 5000 राजमा– 8000–12200 दाल उड़द– 6200 साबुत मसूर दाल– 2900 मसूर दाल– 1400 उड़द साबुत– 10000 काबुली चना– 6000–10200 अरहर दाल– 10400 –12000 लोबिया/करमानी– 1400–3000

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे का 'ऑन-द-गो' कार्ड लांच, इंटरनेट के बिना होगा भुगतान

नयी दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय सेवा मंच फोनपे ने 'फोनपे रूपे ऑन–द–गो कार्ड' पेश करने की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन कार्ड (एनसीएमसी) है। इससे मेट्रो, बस, ट्रेन, टोल और पार्किंग जैसी सभी एनसीएमसी–सक्षम सेवाओं पर त्वरित 'स्पर्श कर भुगतान' (टैप एंड पे) के माध्यम से लेन–देन किया जा सकेगा।

घरेलू प्राकृतिक संसाधनों के प्रोत्साहन की जरूरत: वेदांता

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है भारत की भूगर्भीय संरचना**

वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा है कि देश की ऊर्जा और खनिज सुरक्षा को मजबूत करने के लिए घरेलू प्राकृतिक संसाधनों की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने की जरूरत है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होने और भारत के ऊर्जा आयात पर असर पड़ने के बीच उन्होंने यह बात कही। अग्रवाल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा है कि वैश्विक संघर्ष का सीधा असर उन देशों पर पड़ता है जो आयात पर निर्भर हैं। इसलिए भारत को विदेशी संसाधनों पर निर्भरता कम कर घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि भारत उस युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव झेल रहा है, जिससे उसका कोई संबंध नहीं है। अग्रवाल ने कहा कि भारत अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। देश लगभग 90 प्रतिशत तेल, 95 प्रतिशत तांबा और 99.5 प्रतिशत सोना आयात करता है जबकि भारत की भूगर्भीय संरचना प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। खनिज, धातु एवं तेल उद्योग में चार दशकों से अधिक के अनुभव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि इन संसाधनों का कुशलता से विकास किया जाए तो आयात निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही रोजगार, उद्योग एवं निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

डिजिटल लुटेरा: यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग

साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक ने रिपोर्ट में किया दावा-टेलीग्राम पर सक्रिय हैं 20 ग्रुप

नयी दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन ठग नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अनुप्रयोगों की सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर वित्तीय लेनदेन को अंजाम दे रहे हैं। साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। कंपनी ने संदेश भेजने से जुड़े मंच टेलीग्राम पर कम से कम 20 सक्रिय समूहों की पहचान की है। प्रत्येक समूह में 100 से अधिक सदस्य हैं जहां 'डिजिटल लुटेरा' नामक टूलकिट पर चर्चा कर उसे शेयर और उसका उपयोग भी किया जा रहा है।

क्लाउडसेक के अनुसंधानकर्ता (खतरा) शोभित मिश्रा ने कहा कि यह केवल यूपीआई से जुड़ा एक और हानिकारक सॉफ्टवेयर नहीं है। डिजिटल लुटेरा उपकरण प्रणाली पर भरोसे की संरचना पर हमला करता है। जब संचालन तंत्र ही प्रभावित हो जाता है तो 'सिम-बाइंडिंग' और हस्ताक्षर जांच जैसी पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाएं भरोसेमंद नहीं रहतीं। यदि इसे नहीं रोका गया तो यह डिजिटल भुगतान प्रणाली में बड़े पैमाने पर खातों पर पकड़ बनाने की घटनाओं को बढ़ावा दे सकता है।

'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी सुरक्षा प्रौद्योगिकी है जो व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप को केवल उसी रजिस्टर्ड सिम कार्ड से चलाने की अनुमति देती है जो फोन में लगा हो। क्लाउडसेक ने बताया कि उसने ऐसे ही एक समूह के विश्लेषण में पाया कि केवल दो दिन में करीब 25 से 30 लाख रुपये के लेनदेन किए गए। इससे पता चलता है कि धोखाधड़ी

का यह तरीका कितनी तेजी से फैल रहा है और कितने लोगों को प्रभावित कर रहा है। इस संबंध में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। 'सिम-बाइंडिंग' को इस बात का प्रमाण माना जाता रहा है कि कोई बैंक खाता किसी विशेष उपकरण से सुरक्षित रूप से जुड़ा हुआ है। यूपीआई अनुप्रयोग लेनदेन से पहले उस फोन नंबर के सिम का सत्यापन करते हैं जिसके साथ खाता मोबाइल फोन में पंजीकृत होता है। क्लाउडसेक ने बताया कि यह हमला आमतौर पर तब शुरू होता है जब उपयोगकर्ता अनजाने में एक हानिकारक एपीके फोन में डाल लेते हैं, जो किसी सामान्य सूचना (जैसे यातायात चालान या शादी के निमंत्रण) के रूप में दिखाई देती है।

एक बार इसके फोन में आ जाने पर यह हानिकारक सॉफ्टवेयर पीड़ित के फोन में संदेश पढ़ने की अनुमति प्राप्त कर लेता है। 'डिजिटल लुटेरा' टूलकिट स्थापित होने के बाद हमलावर अपने उपकरण पर एक विशेष एंड्रॉयड ढांचे के उपकरण का उपयोग कर प्रणाली स्तर की पहचान एवं संदेशों के हेरफेर करते हैं। इसके बाद बैंक के लिए भेजे जाने वाले पंजीकरण संदेशों को बीच में ही पकड़ लिया जाता है और 'वन टाइम पासवर्ड' चुपचाप हमलावरों द्वारा नियंत्रित टेलीग्राम ग्रुप पर भेज दिए जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि फोन के संदेश अभिलेख में 'भेजा गया' जैसे नकली संदेश भी जोड़ दिए जाते हैं ताकि सब कुछ सामान्य दिखाई दे।

इसका परिणाम यह होता है कि पीड़ित का यूपीआई खाता किसी दूसरे उपकरण पर पंजीकृत और नियंत्रित किया जा सकता है जबकि असली सिम कार्ड पीड़ित के फोन में ही रहता है। साइबर खुफिया कंपनी ने कहा कि एंड्रॉयड उपकरण में इस प्रकार की हेरफेर के बाद यूपीआई अनुप्रयोग को यह विश्वास हो जाता है कि सत्यापन के लिए भेजे गए संदेश वास्तव में उसी फोन से भेजे गए हैं।

कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार, सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा, 5.14 लाख करोड़ डूबे

निफ्टी भी 24000 से नीचे आया, विदेशी निवेशकों की निकासी और बैंकों के शेयरों की बिकवाली से बना दबाव

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स ने 1,342 अंक का गोता लगाया और एनएसई निफ्टी फिसलकर 24,000 अंक के नीचे आ गया। यह गिरावट एक दिन की बढ़त के बाद आई है। इसके चलते निवेशकों की पूंजी में बुधवार को 5.14 लाख करोड़ रुपये की कमी आई

- **बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक में रही गिरावट**
- **सेंसेक्स मंगलवार को 639.82 अंक चढ़कर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ था और निफ्टी भी 233.55 अंक बढ़कर 24,261.60 अंक पर रहा था**

कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली दबाव से भी बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत लुढ़क कर 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,446.72 अंक तक की गिरावट आई थी।

बीएसई में सूचीबद्ध 2,380 शेयरों में गिरावट आई जबकि 1,881 शेयर लाभ में रहे। वहीं 153 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है और उतार-चढ़ाव भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति में प्रभावित होने की आशंका, बढ़ती मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर चिंताएं निवेशकों को सतर्क बनाए हुए हैं। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये में कमजोर रुख ने जोखिम लेने की प्रवृत्ति को और कम कर दिया है।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस में सबसे ज्यादा 5.01 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ केवल दो शेयर सन फार्मा और एनटीपीसी लाभ में रहे।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा किपिछले सत्र में उछाल के बाद बाजार में फिर से गिरावट शुरू हो गई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और बैंक, वित्तीय सेवाओं और वाहन शेयरों में बिकवाली के चलते मानक सूचकांक पर दबाव रहा।

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 1.55 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.61 प्रतिशत के नुकसान में रहा। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आने वाले समय में, बाजार में सतर्क रुख अपनाये जाने संभावना है।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.76 प्रतिशत बढ़कर 92.86 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,672.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,333.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में, जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिका बाजार मंगलवार को स्थिर रुख के साथ बंद हुए थे।

सिंगापुर एयरलाइंस की सेल किराया 5,800 रुपये से शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी

सिंगापुर एयरलाइंस की सहायक कंपनी स्कूट ने ''मार्च थीमैटिक सेल'' की घोषणा की है जो 15 मार्च तक चलेगी। ऑफर के तहत भारत से सिंगापुर के लिए इकोनॉमी क्लास का एक तरफ का किराया मात्र 5,800 रुपये से शुरू होता है। सिंगापुर से आगे एशिया-पैसिफिक और अन्य लोकप्रिय शहरों के लिए भी कनेक्टिंग उड़ानें उपलब्ध हैं। ऑफर के तहत हर गंतव्य के लिए अलग-अलग अंतराल होंगे जो 01 अप्रैल से 16 दिसंबर के बीच हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी स्कूट एयर ने बताया कि चेन्नई से सिंगापुर का किराया 5,800 रुपये से शुरू हो रहा है।

तिरुचिरापल्ली से फुकेट का किराया 8,500 रुपये से, तिरुवनंतपुरम से सिडनी का 15,000 रुपये से और विशाखापत्तनम से बैंकॉक का 7,900 रुपये से शुरू होगा। अमृतसर से सेबू का टिकट 11,500 रुपये से और कोयंबटूर से ना त्रांग का 10,500 रुपये से मिलेगा।

अमृतसर और चेन्नई से यात्रा करने वाले यात्री अब स्कूट के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों में 'स्कूटप्लस' का बेहतर अनुभव भी ले सकते हैं। इसके लिए टिकट मात्र 12,900 से शुरू हो रहा है। 'स्कूटप्लस' के अंतर्गत यात्रियों को कई अतिरिक्त सुविधाएं मिलती हैं, जिनमें प्राथमिकता के आधार पर चेक-इन और बोर्डिंग, ज्यादा लेगरूम वाली आरामदायक सीटें, 15 किलोग्राम केबिन बैगेज और 30 किलोग्राम चेक-इन बैगेज की अनुमति शामिल है। अमृतसर से जाने वाले यात्रियों को ऑफर का लाभ 27 अप्रैल से 04 जून और बाद में 06 जुलाई से 24 अक्टूबर तक की यात्रा पर मिलेगा।

मलेशिया एयरलाइंस की भारतीयों के लिए विशेष पेशकश

नयी दिल्ली। मलेशिया एयरलाइंस ने भारत के यात्रियों के लिए विशेष किराये का घोषणा की है। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ऑफर के तहत 10 मार्च से 23 मार्च तक बुकिंग करायी जा सकती है। यह बुकिंग 18 दिसंबर 2026 तक की यात्रा के लिए होगी। ऑफर के तहत इकोनॉमी क्लास का रिटर्न किराया 20,599 रुपये से शुरू होगा। यात्री मलेशिया एयरलाइंस के नेटवर्क पर कुआलालंपुर, सिंगापुर, ऑकलैंड, सिडनी और अन्य गंतव्यों के लिए टिकट बुक करा सकेंगे।

एआईएफ के लिए नियामक मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने को रुपरेखा बना रहा सेबी: पांडेय

मुंबई, एजेंसी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के लिए एक नए नियामकीय ढांचे पर विचार किया जा रहा है। इससे एआईएफ योजनाओं की पेशकश में तेजी आ सकती है। प्रस्तावित 'लॉज एंड लॉन्च' मॉडल के तहत कुछ एआईएफ योजनाओं को मर्चेंट बैंकर द्वारा जारी जांच-परख प्रमाणपत्रों के आधार पर पेश किया जा सकेगा, जिससे नियामक मंजूरी में लगने वाला समय कम होगा। पांडेय ने आईवीसीए कॉन्क्लेव-2026 में कहा कि इस ढांचे का उद्देश्य कारोबार को सुगम बनाना,

एआईएफ पेशकश में तेजी लाना और निजी पूंजी के तेजी से जुटाने में सहायता करना है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित प्रणाली के तहत, कुछ विशिष्ट एआईएफ योजनाएं जांच-परख प्रमाणन के लिए मर्चेंट बैंकर पर निर्भर हो सकती हैं, जबकि केवल मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए योजनाओं को लाकर, एआईएफ प्रबंधक खुलासा संबंधी जांच-परख सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा। नियामक ने कहा कि वह इस प्रस्ताव पर उद्योग जगत से परामर्श करेगा।

भारत में एआईएफ उद्योग का हाल के वर्षों में तेजी से विस्तार हुआ है। देश में अब 1,700 से अधिक पंजीकृत एआईएफ हैं, जिनकी कुल प्रतिबद्धताएं लगभग 15.74 लाख करोड़ रुपये और निवेश लगभग 6.45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह दिसंबर, 2025 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 30 प्रतिशत की संचयी सालाना वृद्धि है। साथ ही, सेबी प्रमुख ने उद्योग के लिए प्रमुख चुनौतियों के रूप में 'गलत बिक्री' और 'उपयुक्त उत्पाद' का जिक्र किया।

एफएसीटी को मिल जल्दी सकता है 'मिनी रत्न' का दर्जा

कोच्चि (केरल), एजेंसी। आजादी से पहले गठित देश की प्रमुख उर्वरक आपूर्तिकर्ता कंपनी, उर्वरक और रसायन त्रावणकोर (एफएसीटी) को जल्द 'मिनी रत्न' का दर्जा मिल सकता है।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 66 साल पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (सीपीएसयू) बनी एफएसीटी को मिनी रत्न का दर्जा मिलने में सिर्फ 'प्रक्रियात्मक जरूरतें' बाकी रह गई हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के वित्तीय पुनर्गठन (फाइनेंशियल रिस्ट्रक्चरिंग) का काम भी प्रगति पर है, जिसके पूरा होते ही से उसे यह दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

भर्ती के समय अंग्रेजी दक्षता के आकलन से बढ़ती है कार्यक्षमता: रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत में 98 प्रतिशत मानव संसाधन (एचआर) प्रमुखों का मानना है कि यदि भर्ती के दौरान अंग्रेजी कौशल का बेहतर आकलन किया जाए, तो संगठन अधिक कुशल होंगे। एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विसेज (ईटीएस) की टीओईआईसी ग्लोबल इंग्लिश स्किल्स रिपोर्ट यह भी कहती है कि कृत्रिम मेधा (एआई) खराब अंग्रेजी दक्षता की भरपाई नहीं कर सकता। टोफेल और जीआरई जैसी परीक्षाएं आयोजित करने वाली प्रिंसटन स्थित संस्था ईटीएस ने यह रिपोर्ट भारत में 87 शीर्ष एचआर अधिकारियों के सर्वेक्षण के आधार

पर तैयार की है। यह शोध 17 देशों के 1,325 एचआर अधिकारियों पर किए गए व्यापक सर्वेक्षण का हिस्सा है, जिसमें ब्राजील, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, भारत, जापान, मेक्सिको, मोरोक्को, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, स्पेन, ताइवान, थाइलैंड, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ज्यादातर नियोक्ताओं का मानना है कि पांच साल पहले की तुलना में अब अंग्रेजी दक्षता अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, हालांकि इसके मूल्यांकन की गुणवत्ता और लागत जैसी बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश एचआर प्रमुखों का मानना है कि एआई खराब अंग्रेजी दक्षता का विकल्प नहीं हो सकता, जिससे विश्वसनीय मूल्यांकन की जरूरत और बढ़ जाती है। भारत में 94 प्रतिशत एचआर प्रमुखों का कहना है कि बढ़ते वैश्विक सहयोग ने अंग्रेजी की आवश्यकता को बढ़ा दिया है, जबकि 84 प्रतिशत का मानना है कि अंग्रेजी की कमी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने का कारण बनती है।

युवा उद्यमी योजना : जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनने का मौका

युवा अब जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनकर देश के विकास में सक्रिय सहभागिता करना चाहता है। युवा अब उद्यमी बनना चाहता है। युवाओं की इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान शुरू किया है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे युवाओं की मदद करना है जो पूंजी के अभाव में अपना व्यवसाय शुरू नहीं कर पा रहे हैं। यदि जानते हैं इस योजना से जुड़ी सभी जरूरी बातें-

योजना की मुख्य विशेषताएं: इसके तहत 21 से 40 वर्ष तक के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी और ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है। अगले दस वर्षों में लगभग 10 लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके तहत हर वर्ष करीब एक लाख युवाओं को इस योजना का लाभ देने की योजना बनाई गई है।

दो चरणों में मिलेगी वित्तीय सहायता: योजना को दो चरणों में लागू किया गया है। पहले चरण में अधिकतम 5 लाख रुपये की परियोजना के लिए करीब 4.5 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। खास बात यह है कि ऋण चुकाने की प्रक्रिया में शुरुआती छह महीने तक राहत दी जाती है।

यदि लाभार्थी पहले चरण का ऋण समय पर चुका देता है, तो दूसरे चरण में उसे 10 लाख रुपये तक का ऋण मिल सकता है। इस चरण में ब्याज पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान भी है।

जानकारी

किसे मिलेगा योजना का लाभ

1–आवेदक उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिए।
2– उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
3–कम से कम आठवीं कक्षा पास होना आवश्यक है।
4–कोई स्किल सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री होना चाहिए।

इसके अलावा योजना में लाभार्थी को अपनी श्रेणी के अनुसार कुछ अंशदान भी करना होता है। सामान्य वर्ग के लिए 15 प्रतिशत, ओबीसी के लिए 12 .5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति–जनजाति और दिव्यांग वर्ग के लिए 10 प्रतिशत योगदान तय किया गया है।

कैसे और कहां करें आवेदन

सीएम युवा उद्यमी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आधिकारिक पोर्टल msme.cmyuva.org.in पर किया जा सकता है।

वेबसाइट पर जाएं : उत्तर प्रदेश (CMYUVA) के आधिकारिक उद्यमी पोर्टल पर जाएं।

पंजीकरण : पंजीकरण/लॉग इन पर क्लिक करें और आधार नंबर दर्ज करके पासवर्ड बनाएं।

फॉर्म भरें : व्यक्तिगत, शैक्षणिक और व्यावसायिक जानकारी (जैसे परियोजना रिपोर्ट) सही–सही भरें।

दस्तावेज़ अपलोड करें : आधार, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), 8वीं पास मार्कशीट, पैन कार्ड, फोटो, और बैंक पासबुक की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करें।

सबमिट और ट्रैकिंग : फॉर्म को 'फाइनल सबमिट' करें और आवेदन संख्या यानी एप्लीकेशन नम्बर को भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।

प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी देगी सरकार: सरकार इस योजना के तहत केवल वित्तीय सहायता ही नहीं देती, बल्कि व्यवसाय शुरू करने और उसे सफल बनाने के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की व्यवस्था भी करती है। अधिक जानकारी के लिए अपने जिले के जिला उद्योग केंद्र से संपर्क करें।

भारत में गूगल क्रोम में मिलेंगी अंतर्निहित एआई सुविधाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। गूगल ने भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए 'गूगल क्रोम' में अंतर्निहित कृत्रिम मेधा (एआई) सुविधाओं को जोड़ने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इससे इंटरनेट पर खोज का अनुभव उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सहज, सुरक्षित एवं उपयोगी बनेगा। ये 50 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध होंगी जिनमें हिंदी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तेलुगु और तमिल जैसी भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं।गूगल आज क्रोम की कई नवीनतम कृत्रिम मेधा सुविधाओं (जिनमें क्रोम में जेमिनी भी शामिल है) को भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा करता है। इसमें कहा गया कि ये सुविधाएं कंपनी के नवीनतम जेमिनी 3.1 मॉडल पर आधारित हैं।

राजकोषीय घाटे के मानकों का पालन करें राज्य : नीति आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग ने बुधवार को राज्यों से राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम के तहत राजकोषीय घाटे से संबंधित मानकों का पालन करने का आग्रह किया। इसके लिए व्यय प्रबंधन में अनुशासन, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) आधार बढ़ाने और कर क्षमता बढ़ाने को कहा गया है। नीति आयोग की ''राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) 2026'' रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों का राजस्व घाटा बढ़ रहा है उन्हें अपने राजस्व व्यय को टिकाऊ राजस्व वृद्धि के अनुरूप रखना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक, राजकोषीय स्थिति के आधार पर शीर्ष 10 राज्यों में ओडिशा, गोवा, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश शामिल हैं।

वहीं बिहार, कर्नाटक एवं तेलंगाना ने मामूली सुधार दर्ज किया जबकि पंजाब, पश्चिम बंगाल एवं केरल इस सूचकांक में निचले स्थान पर रहे हैं। पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश शीर्ष पर रहा। इसके बाद उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय, असम और मिजोरम का स्थान रहा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के आर्थिक झटके आते हैं, इसलिए मजबूत राजकोषीय स्थिति बनाए रखना जरूरी है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्विट्जरलैंड : बस में लगाई आग, छह की मौत, तीन गंभीर

जिनेवा। स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पश्चिम में स्थित एक शहर में बस में आग लग जाने से छह लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फ्राइबर्ग क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम में स्थित केर्जर्स शहर में मंगलवार शाम हुई यह घटना जानबूझकर किया गया कृत्य हो सकती है। यह क्षेत्रीय परिवहन बस पोस्टबस द्वारा संचालित की जाती है जो राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है। मीडिया में प्रसारित घटनास्थल की तस्वीरों में बस आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है। क्षेत्रीय सरकार ने कहा, मौके पर पहुंचे बचाव दलों ने पाया कि वाहन आग की लपटों में घिरा हुआ था। हेलीकॉप्टर दलों ने तीन गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अमेरिका : पत्नी के हत्यारोपी भारतीय पर 10 लाख डॉलर इनाम

न्यूयॉर्क। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पत्नी की हत्या के आरोपी भारतीय नागरिक के बारे में सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। उस पर पहले 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम घोषित था। भद्रेशकुमार चेतनभाई पटेल (35) पर आरोप है कि उसने 12 अप्रैल 2015 को मैरीलैंड के हैनोवर में चाकू से कई बार वार कर अपनी पत्नी पलक पटेल (21) की हत्या कर दी। यह वारदात उस दुकान में हुई जहां दोनों काम करते थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि पटेल ने देर रात दुकान के पिछले कमरे में अपनी पत्नी पर कई बार चाकू से वार किया और फिर पीछे के दरवाजे से भाग गया। भद्रेश एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है।

सूडान : स्कूल पर ड्रोन हमले में 17 की मौत अधिकतर छात्राएं

काहिरा। दक्षिणी सूडान के एक माध्यमिक विद्यालय और एक स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार को एक विस्फोटक से भरे ड्रोन हमले में 17 से ज्यादा लोग मारे गए। मरने वालों में अधिकतर स्कूली छात्राएं थीं। अस्पताल के एक अधिकारी और एक चिकित्सा समूह ने यह जानकारी दी। गांव के सबसे नजदीक स्थित प्रमुख चिकित्सा सुविधा केंद्र दुइम अस्पताल के निदेशक डॉ. मूसा अल-मजेरी के अनुसार, हमले में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराकर चिकित्सीय सुविधा दी जा रही है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि हमला किसने किया। अधिकारियों के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

नेपाल: आरएसपी को पीआर श्रेणी में भी सर्वाधिक वोट

- एक करोड़ से ज्यादा वोटों में से पार्टी को मिले 50% से ज्यादा

काठमांडू। नेपाल में आनुपातिक प्रतिनिधित्व श्रेणी (पीआर) के तहत मतों की गिनती बुधवार को समाप्त हो गई, जिसमें राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को सबसे अधिक मत मिले। निर्वाचन आयोग की बुधवार को इस संबंध में आंकड़े साझा किए गए।

नेपाल की प्रतिनिधि सभा में 275 सीट हैं। इनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली और 110 सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुने जाते हैं। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, मतगणना पूरी हो चुकी है। हालांकि, अंतिम परिणाम अभी प्रकाशित नहीं किए गए हैं क्योंकि आंकड़े दर्ज किए जाने का काम अभी जारी है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कुल 1,07,85,876 मतों की गिनती हुई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 51,57,130 वोट मिले, जबकि नेपाली कांग्रेस को 17,55,872 मत प्राप्त हुए। सीपीएन (यूएमएल) को 14,52,758 मत जबकि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 8,09,577 मत मिले। श्रम संस्कृति पार्टी को 3,85,741 मत और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को 3,30,268 मत मिले। नेपाल में पांच मार्च को हुए प्रत्यक्ष मतदान में आरएसपी ने 165 में से 125 सीट जीतकर इतिहास रच दिया। नेपाली कांग्रेस ने 18, सीपीएन (यूएमएल) ने नौ, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने सात, श्रम संस्कृति पार्टी ने तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक और निर्दलीय ने एक सीट जीती।

सफेद फॉस्फोरस का बेरूत में प्रयोग

ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध के बीच इजराइल की ओर से लेबनान के बेरूत में सफेद फॉस्फोरस के इस्तेमाल दुनिया भर में युद्धों में बढ़ती क्रूरता को लेकर फिर नई चिंता पैदा की है। अंतर्राष्ट्रीय नियमों की अनदेखी कर युद्धों में क्रूरता दिखाने के मामले नए नहीं हैं। इसी युद्ध में ईरान के मिनाब शहर में बच्चियों के एक स्कूल पर मिसाइल हमला भी ऐसी ही क्रूरता का एक उदाहरण है, जिसमें पांच से 12 साल की 165 बच्चियों की मौत हो गई थी। अतीत में भी सैन्य संघर्षों के दौरान कई बार क्रूरता की हदें पार करके मानवता को शर्मसार किया गया है। विडंबना यह है कि क्रूरता को रोकने और इसके लिए जिम्मेदार देशों की जवाबदेही तय करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का प्रभाव भी हाल के वर्षों में काफी कम हुआ है। इन परिस्थितियों ने दुनिया के सामने एक नए तरह का खतरा पैदा किया है।

युद्ध में बढ़ती क्रूरता

सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग

- सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग नागरिक आबादी वाले क्षेत्रों में 'कन्वेंशन ऑन सर्टेन कन्वेंशनल वेपन्स' के प्रोटोकॉल के तहत कड़ाई से नियंत्रित है।
- इसका प्रयोग पहले भी कई और सैन्य संघर्षों में हुआ है और दुनिया के मानवाधिकार संगठनों ने समय-समय पर इस पर गंभीर चिंता जताई है।
- सफेद फॉस्फोरस रासायनिक पदार्थ है जो ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर स्वत: जल उठता है और बहुत उच्च तापमान पैदा करता है।
- इसके संपर्क में आने पर गहरे घाव हो सकते हैं, आंतरिक अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसका धुआं फेफड़ों-आंखों के लिए खतरनाक।

क्रूरता के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय ढांचा

- जिनेवा कन्वेंशन युद्ध के दौरान घायलों, बीमारों, युद्धबंदियों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए बुनियादी नियम निर्धारित करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही तय करता है।
- रासायनिक हथियार कन्वेंशन युद्ध में उन हथियारों के उपयोग को प्रतिबंधित करते हैं जो अनावश्यक पीड़ा का कारण बनते हैं।
- रोम स्टैच्यूट संधि युद्ध अपराधों को परिभाषित करती है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर न्याय सुनिश्चित करने का आधार प्रदान करती है।
- संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय जैसी संस्थाएं काम करती हैं, दोषियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलाती हैं।

अमानवीय

महिलाओं-बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा को युद्ध की रणनीति के रूप में इस्तेमाल करना। सार्वजनिक रूप से हत्या करना और प्राचीन स्मारकों, पुस्तकालयों, धार्मिक स्थलों को नष्ट करना।

युद्ध में नए प्रयोग

- सीरिया, यूक्रेन, गाजा में अस्पतालों स्कूलों पर हवाई हमले जो नागरिकों के लिए अंतिम शरणस्थली थे।
- सीरिया में सरीन गैस का इस्तेमाल या घनी आबादी वाले क्षेत्रों में क्लस्टर बम, सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग।
- भोजन, पानी, दवाइयों की आपूर्ति काट देना ताकि भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

दुनिया में ऐतिहासिक नरसंहार

- द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी ने लाखों यहूदियों और अल्पसंख्यकों का कत्लेआम किया, जो क्रूरता का सबसे वीभत्स उदाहरण माना जाता है।
- जापान की सेना ने 1937 में चीनी नागरिकों के साथ अत्यधिक बर्बरता के साथ सामूहिक हत्याएं की थीं जो नानजिंग के नरसंहार के नाम से मशहूर है।
- वर्ष 1994 में हुआ रवांडा नरसंहार जिसमें मात्र 100 दिनों के भीतर 8 लाख लोगों की नृशंस हत्या की गई, पड़ोसियों ने ही एक-दूसरे पर हमला किया।

एलपीजी : कमी न होने के दावों के बीच देश भर में हाहाकार

सिलेंडर के लिए कहीं लंबी कतारें तो कहीं ब्लैक के आरोप, विपक्ष ने लगाए सरकार पर गुमराह करने के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार की ओर से घरेलू गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी न होने के लगातार दावों के बीच देश भर में हाहाकार मचा हुआ है। एलपीजी संकट के कारण एक तरफ होटल और रेस्टोरेंट उद्योग ठप होने के कगार पर पहुंच गया है तो दूसरी तरफ घरेलू सिलेंडरों के लिए गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लग रही हैं। लोग घरेलू गैस की ब्लैक के भी आरोप लगा रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां एसोसिएशन ने कहा है कि दिल्ली में नियमित एलपीजी आपूर्ति न होने से कुछ रेस्टोरेंट पाइप से होने वाली रसोई गैस आपूर्ति और इंडक्शन कुकिंग जैसे विकल्प अपना रहे हैं। कई रेस्तरां ऐसे व्यंजन को बढ़ावा दे रहे हैं जिनमें कम गैस खपत होती है। कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कई शहरों में बुधवार को रसोई गैस एजेंसियों के कार्यालयों और ऑटो के लिए एलपीजी गैस भरवाने वाले केंद्रों पर लंबी कतारें नजर आईं। रांची समेत झारखंड के भी कई जिलों में यही हाल है। गैस एजेंसियों के ऑफिस में सिलेंडर की बुकिंग के लिए लोगों की भीड़ लगी हुई है। यहां सुबह से ही लंबी कतारें लग गई थीं। गैस सिलेंडर को लेकर एजेंसी और उपभोक्ताओं के बीच नोकझोंक भी हो रही है।

केरल में कई शहरों में होटलों को बंद कर दिया गया है। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एलपीजी वितरकों और डीलरों को कालाबाजारी या उपभोक्ताओं को 'ब्लैकमेल' करने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। दरअसल, सरकार को शिकायतें मिली हैं कि कुछ एलपीजी डीलर डिलीवरी में देरी करके हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने सभी ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश दिए कि राज्य में एलपीजी संकट न होने दिया जाए।

प्रयागराज में एक गैस एजेंसी के बाहर बुधवार को सिलेंडर रिफिल कराने वालों की कतार।

देश में एकाएक कई गुना बढ़ी बिजली के चूल्हों और केतलियों की बिक्री

नई दिल्ली। रसोई गैस के संकट के बीच देश में बिजली के चूल्हों (इंडक्शन) और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री में भारी उछाल आया है। टाटा समूह की कंपनी क्रोमा ने पिछले कुछ दिनों में चूल्हों की मांग में तीन गुना वृद्धि दर्ज की है, जबकि 'पिजन' ब्रांड बनाने वाली कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड की औसत साप्ताहिक ऑनलाइन बिक्री चार गुना बढ़ गई है। इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड (क्रोमा) के सीईओ और एमडी शिबाशीष रॉय ने कहा, पिछले कुछ दिन में बिजली के चूल्हों की मांग में अचानक तेजी आई है जो लगभग तीन गुना बढ़ गई है।ग्राहक एक बार में कई चूल्हे खरीद रहे हैं। इलेक्ट्रिक केतली की मांग भी लगभग दोगुनी हो गई है। अमेजन इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दो दिन में इंडक्शन चूल्हों की बिक्री 30 गुना बढ़ गई है, जबकि चावल पकाने वाला कुकर और इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर की बिक्री में चार गुना उछाल आया है। एयर फ्रायर और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री भी दोगुनी हो गई है।

रांची में बच्चे के साथ सिलेंडर लेने आई महिला।

चेन्नई में होटलों-रेस्तरां ने छुट्टी घोषित की

चेन्नई। चेन्नई और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में संचालित होटलों और रेस्तरां के एक वर्ग ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति न होने के कारण बुधवार को छुट्टी घोषित कर दी। सुबह-सुबह चाय-कॉफी के लिए पहुंचे ग्राहक होटलों के बंद होने पर निराश हो गए। शहर के एक लोकप्रिय होटल में बुधवार को लगे नोटिस में लिखा था, एलपीजी आपूर्ति न होने के कारण 11 मार्च 2026 को छुट्टी घोषित की गई है। वहां कॉफी पीने आए एक निवासी ने तियागराया नगर स्थित होटल में छुट्टी घोषित होने के बाद कहा, अगर वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की यही स्थिति रही तो घरेलू एलपीजी आपूर्ति पर भी इसका असर पड़ सकता है।

पुडुचेरी के होटलों में शुरू हुआ लकड़ी का चूल्हा

पुडुचेरी। एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के कारण पुडुचेरी में होटलों के बंद होने का खतरा पैदा हो गया है क्योंकि इस पर्यटन केंद्र में वैकल्पिक कदम हालात से निपटने में मददगार नहीं हो सकते। होटल्स एसोसिएशन के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब असहाय स्थिति हो गई है। अधिकतर होटल ने या तो लकड़ी जलाकर खाना बनाना शुरू कर दिया है या कामकाज के घंटे कम कर दिए हैं और कुछ होटल इलेक्ट्रिक कुकर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा हो, प्रधानमंत्री जवाब दें: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है।

ममता ने कहा- योजना बनाए बगैर केंद्र ने लगाए प्रतिबंध

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार को ऊर्जा आपूर्ति में मौजूदा व्यवधानों के मद्देनजर पाबंदी लगाने से पहले देश में एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को पहले एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए उचित योजना बनाए बिना प्रतिबंध लगा दिए हैं। केंद्र ऊर्जा संकट को सुलझाने के बजाय राजनीति पर अधिक ध्यान दे रहा है।

एक करोड़ लोगों के बेरोजगार होने का खतरा : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत है और इस वजह से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत हो गई है। हमारे देश में एलपीजी के उत्पादन में 50 फीसदी की कमी आ गई है। देश में एलपीजी का 60 फीसदी आयात होता है। इसमें 90 फीसदी एलपीजी स्टेट ऑफ हॉर्मुज से आती है जो भारत के लिए बंद कर दिया गया है। इस संकट का सबसे बड़ा खामियाजा रेस्टोरेंटों, होटलों को भुगतना पड़ रहा है।

विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस

लोकसभा के 120, राज्यसभा के 60 सदस्यों ने किए हस्ताक्षर, पक्षपात और भेदभाव का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पक्षपात और भेदभाव करने सहित कई आरोपों को लेकर पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस के लिए विपक्ष ने आवश्यक हस्ताक्षर एकत्र किए हैं और अगले एक-दो दिन में संसद के दोनों सदनों में इसे पेश करने की तैयारी है।

एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि हस्ताक्षर एकत्र करने का काम पूरा कर लिया गया है और नोटिस बृहस्पतिवार को दिए जाने की संभावना है। विपक्ष के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा कि नोटिस बृहस्पतिवार या शुक्रवार को दोनों सदनों में दिया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम तक लगभग 120 सांसदों ने लोकसभा में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं और लगभग 60 सांसदों ने उच्च सदन में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला नोटिस और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर नोटिस देना होता है।

सूत्रों ने बताया कि नोटिस पर 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि वह अब आधिकारिक तौर पर इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

- इंडिया गठबंधन में शामिल न होने के बावजूद आप ने भी किए हस्ताक्षर

किसी सीईसी को हटाने के लिए पहली बार प्रस्ताव

यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने के लिए कोई नोटिस दिया जा रहा है। विपक्षी दलों ने कई मौकों पर सीईसी पर सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है। विपक्ष एसआईआर की कवायद को लेकर पिछले कुछ महीनों से उन पर लगातार निशाना साधता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर का उद्देश्य भाजपा की मदद करना है। सीईसी को पद से हटाने का नोटिस संसद के किसी भी सदन में दिया जा सकता है और इसे अवश्य ही विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, जो सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान में हिस्सा लेने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए।

अमेरिका में 300 अरब डॉलर की पहली रिफाइनरी में साझेदार होगी रिलायंस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है उनके देश में पचास साल बाद बनने वाली 300 अरब डॉलर की पहली तेल रिफाइनरी में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह साझेदार होगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी है।

उन्होंने कहा, इस ज़बरदस्त निवेश के लिए भारत में हमारे साझेदार और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, रिलायंस को धन्यवाद। ट्रंप ने कहा, अमेरिका असली ऊर्जा प्रभुत्व की ओर लौट रहा है, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग, ब्राउन्सविले, टेक्सास में 50 साल में पहली नई अमरीकी तेल रिफाइनरी खोल रही है। यह एक ऐतिहासिक 300 अरब डॉलर की डील है, अमरीकी इतिहास की सबसे बड़ी, अमेरिकी लोगों, ऊर्जा और दक्षिण टेक्सास के लोगों के लिए एक बड़ी जीत।

- ट्रंप ने कहा- अमेरिका फर्स्ट के एजेंडे के तहत ऐतिहासिक डील

उन्होंने कहा, यह हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडा, परमिट को आसान बनाने और कर कम करने की वजह से है, हमारे देश में अरबों डॉलर की डील वापस आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविले पोर्ट पर एक नई रिफाइनरी, अमरीकी बाजार को बढ़ावा देगी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपके काम अपेक्षाकृत तीव्र गति से पूर्ण होंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। बच्चों की प्रगति से उत्साहित रहेंगे।

तुला – आज व्यर्थ की गतिविधियों में समय बर्बाद न करें। आलस्य के कारण काम बिगड़ सकते हैं। शुगर के रोगी अपने खानपान पर ध्यान दें।

वृष – आज स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम सा हो सकता है। सफलता प्राप्त करने हेतु शॉर्टकट अपना सकते हैं। कुछ लोग आपकी आलोचना करेंगे।

वृश्चिक – आज आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। अपनी मेहनत और क्षमताओं पर विश्वास रखें। प्रेम विवाह को पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

मिथुन – आज आप काफी नए विचारों के प्रभाव में रहेंगे। विवाह संबंधी चर्चाएं कर सकते हैं। बैंकिंग से जुड़े लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

धनु – आज आपकी आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। संतान की प्रगति से उत्साहित रहेंगे। आपके ऊपर काम का अत्यधिक दबाव रहेगा।

कर्क – आज आपके काम की गुणवत्ता बढ़ेगी। नई विधाओं को सीखने का प्रयास करें। पुराने लंबित मामलों में जीत मिल सकती है।

मकर – आज उधार लेन-देन से आपको बचना चाहिए। किसी से अधिक बहस न करें। अटका हुआ धन आपको मिल सकता है।

सिंह – आज कारोबार में बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। अधिकारों में वृद्धि होगी। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं।

कुंभ – आज कार्यक्षेत्र में आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने वाली हैं। किसी समस्या का समाधान मिलेगा। दूसरों पर निर्भर न रहे।

कन्या – आज लेखन व मीडिया से जुड़े कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक तनाव में कमी आएगी। काम की बारीकियों में ध्यान देंगे।

मीन – आज नए व्यवसाय पर धन निवेश कर सकते हैं। अपने कर्म पर विश्वास रखें। आय और व्यय में संतुलन रहेगा।

उत्तर कोरिया ने किया क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए युद्धपोत से किए गए क्रूज मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण किया। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 11 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' शुरू किया है।

उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास का कड़ा विरोध कर रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, मिसाइलों का प्रक्षेपण नए 5,000 टन वर्ग के ''चोए ह्योन'' विध्वंसक युद्धपोत से नाम्पो तट के पास किया गया, जहां जहाज के प्रदर्शन परीक्षण चल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मिसाइलें करीब 2 घंटे 50 मिनट तक तय मार्ग पर उड़ती रहीं और कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के पास पीले सागर के ऊपर से गुजरते हुए अपने निर्धारित लक्ष्यों को भेद दिया। समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम जोंग उन ने अपनी किशोर बेटी के साथ एक गुप्त स्थान से वीडियो लिंक के जरिए इस परीक्षण को देखा।

- अमेरिका-दक्षिण कोरिया संयुक्त सैन्य अभ्यास पर नाराजगी

क्रूज मिसाइलें पीले सागर के ऊपर निर्धारित उड़ान मार्ग से गुजरते हुए अपने तय लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक पहुंचीं। एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा कि देश की युद्ध प्रतिरोध क्षमता के विभिन्न घटकों को अब लगातार और तेज गति से एक अत्याधुनिक परिचालन प्रणाली में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की परमाणु ताकत अब बहुआयामी संचालन के नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।

बाल से 10 गुना पतला, स्टील से 10 गुना मजबूत फाइबर

बीजिंग। चीन ने घरेलू स्तर पर विकसित और बेहद शक्तिशाली टी1200 कार्बन फाइबर बना लिया है। इसका अंतरिक्ष और मानव रोबोट क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाएगा।

- चीन ने बेहद शक्तिशाली कार्बन फाइबर पेश किया

इस फाइबर का व्यास मानव बाल के दसवें हिस्से से भी कम है, फिर भी इसकी मजबूती स्टील की तुलना में 10 गुना अधिक है और इसका घनत्व स्टील के घनत्व का एक-चौथाई है। हाई-टेक उद्योगों में इसे अपनाने की गति तेज होने की उम्मीद है। इसके निर्माता 'चीन नेशनल बिल्डिंग मटेरियल ग्रुप कंपनी लिमिटेड' के अनुसार, कंपनी इस केबल के सौ टन की वार्षिक उत्पादन की क्षमता हासिल कर ली है। इसके साथ ही चीन इस स्तर के फाइबर का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन करने वाला पहला देश बन गया है।

ऐतिहासिक फैसला वर्ष 2013 में चौथी मंजिल से गिरकर घायल हुए थे 32 वर्षीय हर्ष, कोमा में हैं 12 साल से

देश में पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव युथनेसिया) की पहली बार स्वीकृति देते हुए 32 वर्षीय उस व्यक्ति की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की बुधवार को अनुमति दे दी जो 12 साल से अधिक समय से कोमा में है। निष्क्रिय इच्छामृत्यु का अर्थ है कि नाजुक स्थिति वाले किसी मरीज को जीवित रखने वाली चिकित्सा सहायता को रोकने की अनुमति देना ताकि उसकी स्वाभाविक मौत हो सके।

एम्स को निर्देश, मृत्यु की गरिमा बरकरार रहे

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे। निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश 2023 में संशोधित किए गए 2018 के उस फैसले के अनुरूप है जिसमें गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार से निष्क्रिय इच्छामृत्यु पर एक व्यापक कानून बनाने पर विचार करने का आग्रह किया ताकि इससे उन मामलों में स्पष्टता मिलेगी जो बेहद व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं। कोर्ट ने कहा कि कानून के अभाव के कारण, उसे हस्तक्षेप करने और दिशानिर्देश देने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि यह संस्थागत वरीयता का मामला नहीं बल्कि संवैधानिक आवश्यकता का मामला है, ताकि मौलिक अधिकारों की शुचिता, विशेष रूप से गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की रक्षा की जा सके। गाजियाबाद निवासी हर्ष राणा 2013 में एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के कारण सिर में चोट लगने से घायल हो गए थे और तभी से कोमा में हैं। दुर्घटना के वक्त हर्ष राणा पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र थे।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

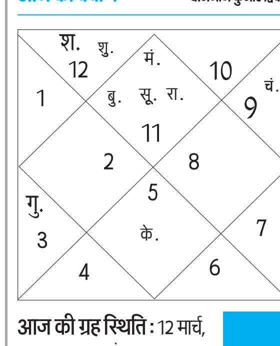

आज की ग्रह स्थिति : 12 मार्च, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी पूर्ण रात्रि तक।

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 13 मार्च 00.43 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

सुडोकू - 85 का हल

1	5	9	3	7	4	8	2	6
4	2	8	9	6	5	1	3	7
6	3	7	2	8	1	4	9	5
7	8	3	1	9	6	5	4	2
2	9	4	8	5	7	6	1	3
5	1	6	4	2	3	9	7	8
3	4	2	5	1	8	7	6	9
8	7	1	6	3	9	2	5	4
9	6	5	7	4	2	3	8	1

सुडोकू -86

		4				2		
1			8		5		3	
	9			3	4			
	2		9			6		
6		3						4
				6	1		2	
			7					6
	4		1		6			
		6				9		

“मुझे फीफा ईरान की राष्ट्रीय टीम को अमेरिका आने और लगभग तीन महीने में शुरू होने वाले विश्व कप में खेलने की अनुमति देगा, भले ही दोनों देशों के बीच युद्ध जारी हो। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ऐसे में ईरान को रोकना गलत होगा।
– जियानी इन्फेंटिनो

हाईलाइट

2025 बीसीबी चुनावों की जांच के लिए कमेटी बनाई गई

ढाका, एजेंसी : नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने बुधवार को बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड के 2025 के चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यों वाली एक इंडिपेंडेंट जांच कमेटी बनाई। एनएससी ने एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन के जरिए इस फैसले की घोषणा तमीम इकबाल द्वारा पिछले साल के बीसीबी चुनावों की जांच के लिए एक रिक्वेस्ट करने के कुछ दिनों बाद की, जिसमें दावा किया गया था कि राजधानी के 76 में से 50 क्लबों ने जांच की मांग का समर्थन किया था। र सालेह अकरम सम्राट हैं। कमेटी शिकायतों से जुड़े डॉक्यूमेंट और सबूत इकट्ठा करेगी और चुनाव प्रक्रिया में शामिल संबंधित लोगों और ऑर्गनाइज़ेशन से बयान लेगी। यह जांच करेगी कि क्या काउंसलर नॉमिनेशन प्रक्रिया बीसीबी संविधान और लागू कानूनों और नियमों के अनुसार की गई थी।

देवेंद्र फडणवीस ने सूर्यकुमार- शिवम दुबे को सम्मानित किया

मुम्बई, एजेंसी : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भारत के रिकॉर्ड तीसरे टाइटल जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को सम्मानित किया। मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक भी इस मौके पर मौजूद थे, जब मुंबई की इस जोड़ी को टाइटल जीतने वाले कैंपेन में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया। भारत ने गत रविवार को अहमदाबाद में फ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार खिताब जीता था। शिवम दुबे के लिए मुंबई पहुंचना एक दिलचस्प घटना रही। हवाई यात्रा उपलब्ध न होने के कारण शिवम थ्री टियर एसी से सफर कर मुंबई पहुंचे।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को शरण

गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी : ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने बुधवार को कहा कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को ऑस्ट्रेलिया में शरण दी गई है। बर्क ने कैनबरा में पत्रकारों को बताया कि ईरान की पांच खिलाड़ियों को पहले ही मानवीय आधार पर वीजा दिया गया था। अब इन महिला सदस्यों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। उन्होंने कहा कि टीम की जिन नयी दो सदस्यों को शरण दी गई है उनमें एक खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ की सदस्य है। इन दोनों ने उनकी टीम के अन्य सदस्यों को हवाई अड्डा ले जाने से पहले ही शरण मांगी थी। टीम के बाकी सदस्य सिडनी से ईरान जाने वाली उड़ान में मंगलवार देर रात सवार हुए। इस बीच टीम के होटल में काफी गहमागहमी रही। यहां बता दें कि ट्रंप नें कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया से इरान की इच्छुक महिला खिलाड़ियों को शरण देने के लिए कहा था।

टी-20 रैंकिंग : अभिषेक और किशन बल्लेबाजी में पहले दो स्थान पर, वरुण गेंदबाजी में शीर्ष से हटे

अफगानिस्तान के राशिद खान 753 अंकों के साथ विश्व के नंबर एक गेंदबाज बने

दुबई, एजेंसी

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने वाले ईशान किशन ने टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर बुधवार को जारी की गई खेल के छोटे प्रारूप की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है और वह शीर्ष पर काबिज अभिषेक शर्मा से केवल चार अंक पीछे हैं।

टी20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक दुनिया के पहले नंबर के बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके साथी बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन टूर्नामेंट में 317 रन बनाने के बाद दो पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

अब वह अभिषेक के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। किशन (871 अंक) ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और अब वह अभिषेक (875 अंक) से सिर्फ चार रेटिंग अंक पीछे हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट (चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और इंग्लैंड के जैकब बेथेल (17 पायदान ऊपर 16वें स्थान पर) ने भी टी20 विश्व कप में कुछ शानदार पारियों के दम पर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन (सात पायदान की छलांग से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ जिन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक बनाकर पुरुष टी20 विश्व कप में अब तक के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। वहीं भारतीय सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर संजू सैमसन (18 पायदान की छलांग से 22वें स्थान पर) और शिवम दुबे (चार पायदान ऊपर 27वें स्थान पर) ने भी टूर्नामेंट में शानदार पारियों की बदौलत बल्लेबाजी रैंकिंग में काफी सुधार किया। गेंदबाजों की रैंकिंग में हालांकि बदलाव आया है। टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान से हट गए हैं और उनकी जगह अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। चक्रवर्ती के 740 रेटिंग अंक है और वह राशिद (753) के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जिनकी टीम अफगानिस्तान ग्रुप चरण में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। इसके बावजूद वह चक्रवर्ती की जगह पहला स्थान हासिल करने में सफल रहे।

विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जिन अन्य गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है उनमें आदिल रशीद (एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर), जसप्रीत बुमराह (एक पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और अक्षर पटेल (छह पायदान ऊपर 17वें स्थान पर) शामिल हैं। टी20 में ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी मुकाबला काफी कड़ा है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा और भारत के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और वे पहले दो स्थान पर काबिज हैं। शिवम दुबे दो पायदान नीचे खिसककर 11वें स्थान पर आ गए हैं।

टी-20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम की धमाकेदार जोड़ी ईशान किशन और अभिषेक शर्मा। ● एजेंसी

भारत को मिली 25 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि

दुबई, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुषों के टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद बुधवार को खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि की घोषणा की जो रिकॉर्ड 1.125 करोड़ अमेरिकी डॉलर है जिसमें घरेलू मैदान पर चैंपियन बनी भारतीय टीम को सबसे बड़ा हिस्सा 2,639,423 डॉलर (लगभग 25 करोड़ रुपये) मिला। उपविजेता न्यूजीलैंड को 14,22,692 अमेरिकी डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपये) मिले जबकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को क्रमशः लगभग 9.24 करोड़ रुपये और 8.96 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

अन्य शीर्ष टीमों में वेस्टइंडीज को 5,38,269 अमेरिकी डॉलर मिले जबकि अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने वाली पाकिस्तान टीम को 5,22,692 अमेरिकी डॉलर मिले। जिम्बाब्वे को 4,91,538 अमेरिकी डॉलर और श्रीलंका को 4,75,962 अमेरिकी डॉलर दिए गए। सुपर आठ चरण में बाहर हुई अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की टीमों को प्रत्येक 3,09,808 अमेरिकी डॉलर मिले। स्कॉटलैंड को 2,78,654 अमेरिकी डॉलर और आयरलैंड को 2,71,731 अमेरिकी डॉलर जबकि चार अन्य टीम इटली, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल प्रत्येक 2,56,154 अमेरिकी डॉलर दिए गए। कनाडा, नामीबिया और ओमान प्रत्येक को 2,25,000 अमेरिकी डॉलर मिले।

यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में

इंडियन वेल्स,एजेंसी: दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की।

केर की हैट्रिक, न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का किया सूपड़ा साफ

डुनेडिन, एजेंसी

अमेलिया केर (80 रन /पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। प्लेयर ऑफ द मैच अमेलिया केर ने हैट्रिक बनाई। केर ने यूनिवर्सिटी ओवल में जबरदस्त ऑल-राउंड प्रदर्शन किया, उन्होंने 80 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 303/6 का बड़ा स्कोर बनाया। केर के अलावा मैडी ग्रीन ने 73 गेंदों में (94), ब्रूक हॉलीडे ने (40) रनों का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के लिए क्रिस्टाबेल चैटोंजवा ने 48 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि टेंडाई मकुशा, एडेल ज़िमुनु और प्रेशियस मारेंज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेलिया केर ने फिर गेंदबाजी करते हुए हैट्रिक लगाकर जिम्बाब्वे के पांच विकेट झटके। पिछले मैच में उन्होंने शानदार सात विकेट लिए थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 27.1 ओवर में 103 रनों पर समेट कर 200 रनों से यह मुकाबला अपने नाम किया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 3.1 ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिये। रोजमेरी मैयर को दो विकेट मिले। जेस केर और ब्री इलिंग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। कुल मिलाकर, केर महिला एकदिवसीय इतिहास में हैट्रिक लेने वाली 14वीं गेंदबाज बन गईं। इससे पहले इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की चार्ली डीन ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ ऐसा किया था, और दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन ने 2025 में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ यह कारनामा किया था।

बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड की बड़ी जीत, लिवरपूल हारा, बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

पेरिस, एजेंसी

बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड ने बड़ी जीत हासिल करके चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए लेकिन लिवरपूल और बार्सिलोना को अब भी कड़ी मेहनत करनी होगी। बायर्न म्यूनिख ने अटलांटा को 6-1 से करारी शिकस्त दी, जबकि टीम के शीर्ष गोल स्कोरर हैरी केन इस मैच में नहीं खेल रहे थे। इस सत्र में अब तक 47 गोल करने वाले केन इस मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में माइकल ओलिस ने दो गोल किए।

सर्ज ग्नाब्री, निकोलस जैक्सन, जोसिप स्टैनिसिक और जमाल मुसियाला ने एक-एक गोल किया। दूसरी तरफ एटलेटिको मैड्रिड ने टॉटनहम को 5-2 से पराजित किया।

टॉटनहम के कोच इगोर ट्यूडर ने पहले नंबर के गोलकीपर गुगिलएल्मो विकारियो को बाहर रखने का फैसला किया जो टीम को भारी पड़ा क्योंकि एटलेटिको ने 15 मिनट के भीतर ही 3-0 की बढ़त बना ली थी। लिवरपूल को गैलाटासराय ने 1-0 से हराया। उसे अब अगले सप्ताह एनफील्ड में होने वाले दूसरे चरण के मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बार्सिलोना की टीम भी जूझती हुई नजर आई। उसने खेल के अंतिम क्षणों में लामिन यामल के पेनल्टी पर किए गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

ओसाका को परास्त कर आर्यना सबालेंका क्वार्टरफाइनल में

कैलिफ़ोर्निया, एजेंसी

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुकाबले में 6-2, 6-4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिंग सर्विस गेम से की। हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5-2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4-2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला। मुझे पूरा यकीन है कि हम और भी कई मैच खेलेंगे। वह शानदार टेनिस खेलकर वापस आ रही है। मैं नतीसे से बहुत खुश हूं। पिछली बार से बहुत बेहतर। मुझे खुशी है कि मैंने आज उन पर इतना प्रेशर डाला, कि मैं कोर्ट में वैरायटी लेकर आई। मेरी सर्विस ने अच्छा काम किया। रिटर्न पर मैंने सच में बहुत अच्छा टेनिस खेला। ऑस्ट्रेलिया की टालिया गिब्सन ने इटली की दुनिया की नंबर सात जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की,। 21 साल की गिब्सन, जो दुनिया में 112वें नंबर पर हैं और अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ खेल रही हैं, 11 साल में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर भी बनीं।

अफगानिस्तान-श्रीलंका के बीच सीरीज स्थगित

काबुल, एजेंसी

- सैन्य विवाद के कारण फैसला लिया गया
- दोनों टीमों के बीच सीरीज 13 मार्च से शुरू होनी थी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने मंगलवार को कन्फ़र्म किया कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य विवाद की वजह से श्रीलंका के ख़िलाफ अपनी आने वाली सीरीज़, जो यूनाइटेड अरब अमीरात में होनी थी, स्थगित कर दी है। दोनों टीमों को 13 से 25 मार्च तक तीन वनडे और इतने ही टी20 खेलने थे। एसीबी के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव नसीब खान ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया कि हां श्रीलंका के ख़िलाफ़ व्हाइट-बॉल सीरीज़ स्थगित कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि फ्लाइट्स, लॉजिस्टिक्स और इलाके की स्थिति को लेकर कुछ दिक्कतें थीं। हमने इन मैचों को श्रीलंका में कराने के लिए दूसरा ऑप्शन भी देखा और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के लगातार संपर्क में रहे। हालांकि, उस समय यूएई से श्रीलंका के लिए कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, इतने कम समय में प्रोडक्शन, होटल, ग्राउंड बुकिंग और सिक्योरिटी का इंतज़ाम करना काफी मुश्किल था। इसलिए, हमने आखिरकार इसे टालने का फैसला किया।

उन्होंने आगे कहा कि यह (सीरीज़) इस साल के आखिरी क्वार्टर में खेली जाएगी। इस टी20 सीरीज से उम्मीद थी कि यह सबसे छोटे फॉर्मेट में इब्राहिम ज़दरान की कप्तानी के दौर की शुरुआत होगी, क्योंकि उन्हें हाल ही में राशिद खान की जगह टी20 कप्तान बनाया गया था।

बाबर पाकिस्तान की राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से हटे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने 26 मार्च से शुरू होने वाली पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है। टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला की टीम से बाहर किए गए बाबर का नाम पेशावर में चल रही राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप के लिए लाहौर व्हाइट्स टीम में शामिल किया गया था।

वह घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगे और इसके बजाय अपनी बल्लेबाजी पर कुछ कोच के साथ काम कर रहे हैं।

मन की बात

भारतीय कप्तान ने कई खिलाड़ियों के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में भी चर्चा की

टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका :सूर्यकुमार

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई खिलाड़ियों की कहानियां काफी प्रेरणा देने वाली रहीं

आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विजयी अभियान को आकार देने में मदद करने वाली निजी बातचीत और पलों पर बात करते हुए, भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्वास, भरोसा और मजबूत टीम भावना ने पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाई। सूर्य ने टीम के कई खिलाड़ियों, जिनमें ईशान किशन और संजू सैमसन शामिल हैं, के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में बात की, और बताया कि कैसे निजी भूमिकाओं से ऊपर टीम को प्राथमिकता देने की उनकी इच्छा ने भारत के सफल वर्ल्ड कप सफर को तय किया। हमारी वर्ल्ड कप टीम के कुछ खिलाड़ियों की कहानियाँ बहुत प्रेरणा देने वाली और इमोशनल रही हैं। अगर आप सिराज की बात करें, तो मैंने उन्हें टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले फ़ोन किया था। वह अपने दोस्तों के साथ बैठे थे, कैप पहने हुए थे और खाना खा रहे थे। मैंने उनसे कहा कि हर्षित राणा घायल हैं, आपको टीम में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा कि सूर्य भाई, क्या आप मज़ाक कर रहे हैं? यह उनका पहला रिएक्शन था। फिर मैंने हमारी सिलेक्शन मीटिंग से ठीक पहले इशान किशन को कॉल किया। मैंने उनसे कहा कि छोटू, क्या तुम हमें वर्ल्ड कप जिताने में मदद करोगे। उन्होंने कहा कि सूर्य भैया, बस मुझ पर भरोसा करो और मुझ पर भरोसा रखो। जिस तरह से इशान ने अपनी बात पर अमल किया है, वह एक प्यारी कहानी है।

संजू सैमसन ने टूर्नामेंट शुरू नहीं किया था। वह बीच में आए और एक बात कही कि तुम बस मुझे बताओ कि मैं टीम के लिए क्या कर सकता हूं। यही सबसे बड़ा आशीर्वाद है। स्काई ने जियोस्टार पर कहा कि ऐसे खिलाड़ी, नंबर 1 से 15 तक, हर किसी की एक अलग कहानी होती है। और जसप्रीत बुमराह, मैंने उन्हें नेशनल ट्रेजर कहा है। वह हर दिन यही काम करते हैं। बुमराह जानते हैं कि वह इस फील्ड में बेस्ट हैं। लेकिन फिर भी, वह किसी भी तरह की लापरवाही को अंदर नहीं आने देते। मुझे लगता है कि इससे उनका कैरेक्टर दिखता है। उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप जीतने के इमोशनल महत्व के बारे में भी बात की, वही जगह जहां से उनके इंटरनेशनल करियर की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा किअहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा सफर 2021 में यहीं से शुरू हुआ था। जैसे ही यह शुरू हुआ, वहां से बहुत मज़ा आया। फिर 2026 में यहां आना और भारत के लिए एक लीडर के तौर पर टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। उसी स्टेडियम में होना अच्छा लगता है जिसके बारे में इतने सारे लोग बात कर रहे थे। यहां जीतना पूरी टीम के लिए बहुत खास था।

जिन्हें मौका नहीं मिलता, उनकी फिक्र होती है

भारतीय कप्तान ने वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की कप्तानी करने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक पर भी ज़ोर दिया– पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्लेइंग इलेवन के बाहर के खिलाड़ियों को मोटिवेटेड और मेंटली तैयार रखना। इस टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन में, मेरे लिए सबसे मुश्किल काम उन प्लेयर्स को संभालना था जिन्हें प्लेइंग इलेवन में खेलने के ज़्यादा मौके नहीं मिलते। जिन्हें मौके नहीं मिलते, या बहुत कम मिलते हैं, मुझे हमेशा लगता था कि मुझे उनके साथ ज़्यादा समय बिताना चाहिए। जो खेलते रहते हैं वे ऑटोपायलट मोड में होते हैं। उन्हें पता होता है कि क्या करना है। लेकिन जो कभी भी खेल सकते हैं लेकिन हर गेम में नहीं खेल पाते, उनके लिए स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना मुश्किल होता है। इसलिए उनके साथ समय बिताना और लगातार बातें करना बहुत जरूरी था।